हरिभूमि

जबलपुर

शनिवार, 12 अप्रैल 2025

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

SHOWROOMS: MADHYA PRADESH: JABALPUR: RENAULT **JABALPUR (KARMETA)** Ph: 7290014986, RENAULT **JABALPUR WEST** Ph: 7291980314. RENAULT **AGAR** Ph: 8448220030. RENAULT **BHOPAL NEW** Ph: 9289220870. RENAULT **CHHATARPUR** Ph: 7603868297. RENAULT **CHHINDWARA** Ph: 9667215285. RENAULT **DAMOH** Ph: 9289263623. RENAULT **GWALIOR CITY** Ph: 8448383235. **INDORE:** RENAULT **INDORE** Ph: 9821199958, RENAULT **INDORE EAST** Ph: 9289263821. RENAULT **MANDSAUR** Ph: 8448220394. RENAULT **SAGAR** Ph: 9311340949. RENAULT **SATNA** Ph: 7290094892. RENAULT **SHAHDOL** Ph: 7029805696. RENAULT **UJJAIN** Ph: 8448220031.

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हनुमान जन्मोत्सव की मंगलकामनाएं

haribhoomi.com जबलपुर, शनिवार 12 अप्रैल 2025

इस घटना ने भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के भीतर चिंता को फिर से जगा दिया

मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर फिर हमला, दीवारों पर रंग पोते...ऑस्ट्रेलिया चुप

भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय का कहना है कि यह सिर्फ साधारण हमले की घटना नहीं, बल्कि यह हमारे समुदाय को डराने-धमकाने का संदेश

मेलबर्न। भारत के महावाणिज्य दूतावास पर एक बार फिर हमला हुआ है। यह 344 सेंट किल्डा रोड पर स्थित है। यहां भारतीय राजनयिक परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार पर हमलावरों ने रंग पोत दिए हैं। हमले की यह घटना 10 अप्रैल की रात लगभग 1:00 बजे हुई। विक्टोरिया पुलिस ने बताया कि हमले की रिपोर्ट के बाद 10 अप्रैल की सुबह अधिकारी मौके पर पहुंचे। विक्टोरिया पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारियों का मानना है कि इमारत के मुख्य प्रवेश द्वार पर बुधवार 9 और गुरुवार 10 अप्रैल के बीच रात को रंग पोते गए थे। नुकसान की जांच अभी भी जारी है। हालांकि, इस घटना ने भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के भीतर चिंता को फिर से जगा दिया है, जिसने मेलबर्न में हिंदू मंदिरों पर हमले और भारतीय सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर की जाने वाली घटनाओं के बढ़ते पैटर्न पर निराशा व्यक्त की है।

इस मामले को वरिष्ठ विक्टोरियन अधिकारियों और कैनबरा में भारतीय उच्चायोग के समक्ष उठाया गया

भारत ने उच्च स्तर पर उठाया मामला

भारतीय प्रवासियों के सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस मामले को वरिष्ठ विक्टोरियन अधिकारियों और कैनबरा में भारतीय उच्चायोग के समक्ष उठाया गया है। पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि किसी संदिग्ध की पहचान की गई है या नहीं, न ही इस बात की पुष्टि की है कि क्षेत्र से सुरक्षा फुटेज की समीक्षा की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि जिन लोगों के पास ऐसी जानकारी है जो पुलिस की सहायता कर सकती है, उनसे 1800 333 000 पर क्राइम स्टॉपर्स से संपर्क करने या **www.crimestoppersvic.com.au** पर गोपनीय रिपोर्ट जमा करने का आग्रह किया जाता है।

यह पहली बार हमले नहीं

समुदाय के नेताओं का कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों पर बार-बार होने वाले हमले बेहद दुखद हैं और ऑस्ट्रेलिया के सबसे बहुसांस्कृतिक राज्य में सामाजिक सामंजस्य को कमजोर करते हैं। स्थानीय भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय का कहना है कि यह सिर्फ साधारण हमले की घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे समुदाय को डराने-धमकाने का संदेश है। यह पहली बार नहीं है, जब ऑस्ट्रेलिया में भारत के महावाणिज्यिक दूतावास को निशाना बनाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में कई बार भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावासों पर हमले हुए हैं। इन हमलों के पीछे पाकिस्तान समर्थित खालिस्तानी आतंकवादियों का हाथ बताया जाता है। हालांकि, इस हमले को लेकर भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों द्वारा कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पद्म पुरस्कार-2026, 31 जुलाई तक होंगे नामांकन

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस, 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन नामांकन/सिफारिशें 15 मार्च 2025 से शुरू हो गई हैं। पद्म पुरस्कारों के नामांकन की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। नामांकनराष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त की जाएंगी। पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं।

किश्तवाड़ में बर्फबारी के बीच 1 आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराने में सफलता हासिल की है। 9 अप्रैल से इस इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। आतंकी पिछले तीन दिनों से जंगल में छिपे थे। सेना किश्तवाड़ में बेहद की कठिन परिस्थितियों के खोजबीन कर रही है।

इमारत में लगी आग,18 का किया गया रेस्क्यू

अहमदाबाद। खोखरा इलाके में शुक्रवार को एक हाई राइज बिल्डिंग की चौथी फ्लोर में आग लग गई। समय रहते ही फायर ब्रिगेड की टीम ने वहां, फंसे सभी 18 लोगों का रेस्क्यू कर लिया। स्थानीय लोगों ने चौथी मंजिल पर फंसे बच्चों को बचाने की कोशिश की। इसी दौरान लोगों ने एक बच्ची नीचे गिरने से बचा लिया। जिसका वीडियो वायरल हो रहा है।

'आतंक के राणा' से होगी पूछताछ....तो पाक में बैठकर भारत के खिलाफ रण छेड़ने वालों का खुलेगा राज

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दिल्ली की अदालत में सुनवाई के दौरान दावा किया

राणा को 18 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा

मुंबई की तरह कई शहरों में भी हमले की साजिश रच रहा था तहव्वुर राणा

जज चंद्रजीत सिंह ने अपने आदेश में एनआईए को निर्देश दिया कि वे हर 24 घंटे में तहव्वुर राणा की मेडिकल जांच कराएं और उसे वैकल्पिक दिनों पर अपने वकील से मिलने की इजाजत दी जाए। हालांकि यह मुलाकात एनआईए अधिकारी की मौजूदगी में ही होगी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 10 अप्रैल को दिल्ली की अदालत में सुनवाई के दौरान कहा कि तहव्वुर राणा ने मुंबई की तरह ही देश के अन्य शहरों में भी आतंकी हमले की साजिश रच रहा था। एनआईए ने विशेष जज चंद्रजीत सिंह की अदालत में यह दावा किया। सुनवाई के बाद जज ने तहव्वुर राणा को 18 दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया। जज चंद्रजीत सिंह ने अपने आदेश में एनआईए को निर्देश दिया कि वे हर 24 घंटे में तहव्वुर राणा की मेडिकल जांच कराएं और उसे वैकल्पिक दिनों पर अपने वकील से मिलने की इजाजत दी जाए। हालांकि यह मुलाकात एनआईए अधिकारी की मौजूदगी में ही होगी। एनआईए अधिकारी को तहव्वुर राणा और उसके वकील की मुलाकात के दौरान कुछ दूरी पर खड़े होना होगा, लेकिन सिर्फ इतनी दूरी कि वह दोनों की बात सुन सके। राणा को गुरुवार को अमेरिका से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत लाया जाना, भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत माना जा रहा है।

अजमल कसाब और जबीउद्दीन अंसारी उर्फ अबू जुंदाल के बाद राणा मुंबई आतंकी हमला मामले में भारत में मुकदमा चलाने वाला तीसरा व्यक्ति होगा

राणा को हमले वाली जगह लेकर जाएगी एनआईए

सुनवाई के दौरान एनआईए ने तर्क दिया कि मुंबई हमले की पूरी साजिश को बेनकाब करने के लिए विस्तृत पूछताछ की जरूरत होगी और उसे हमले वाली जगहों पर लेकर जाने की जरूरत होगी ताकि क्राइम सीन को रिक्रिएट किया जा सके। एनआईए के डीआईजी, एक आईजी और दिल्ली पुलिस के पांच डीसीपी सुनवाई के दौरान अदालत में मौजूद रहे।

वकील पीयूष सचदेवा कोर्ट में रखेंगे राणा का पक्ष

राणा को गुरुवार देर रात जेल वैन, बख्तरबंद स्वाट वाहन और एंबुलेंस सहित काफिले में पटियाला हाउस कोर्ट लाया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन और विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र मान ने एनआईए का प्रतिनिधित्व किया। कार्यवाही से पहले विशेष अदालत के न्यायाधीश ने राणा से पूछा कि क्या उसके पास कोई वकील है? इस पर राणा ने कहा कि उसके पास कोई वकील नहीं है।

कमर- पैर में बेड़ियां और हाथों में हथकड़ियां

राणा को गुरुवार को विशेष विमान से अमेरिका से दिल्ली लाया गया था। राणा को भारतीय अधिकारियों को यूएस मार्शल ने सौंपा था। इसी बीच अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने प्रत्यर्पण की तस्वीरें जारी की हैं। सामने आई तस्वीरों में आतंकी राणा बेड़ियों में जकड़ा नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में अमेरिकी मार्शलों ने मंगलवार को पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक तहव्वुर राणा की हिरासत भारत के विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों को सौंप दी थी। जिसके बाद भारतीय विमान ने बुधवार रात को अमेरिका से उड़ान भरी थी। बीच में विमान ने एक ब्रेक लिया था। जिसके बाद गुरुवार शाम 6 बजे के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरा।

निर्देश : भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो

पीएम मोदी ने वाराणसी में लैंड करते ही 'गैंगरेप केस' में कार्रवाई का ब्यौरा मांगा

दिखी संवेदनशीलता, बोले सभी दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र के 50वें दौरे पर वाराणसी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एयरपोर्ट पर उतरते ही एक गंभीर आपराधिक घटना को लेकर जिले के आला अधिकारियों से जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने हाल ही में शहर में हुई बलात्कार की घटना पर चिंता जताते हुए पुलिस आयुक्त, मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से इस मामले में विस्तार से रिपोर्ट मांगी।

पीएम मोदी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि घटना में शामिल सभी दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं पड़ने दिया जा सकता।

अब तक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी

-बीते कुछ दिनों पहले वाराणसी में एक 19 साल की किशोरी के साथ दुष्कर्म की एक गंभीर घटना सामने आई थी, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में आक्रोश था और दोषियों की गिरफ्तारी व सख्त सजा की मांग उठ रही थी। इस मामले में पुलिस ने 12 नामजद सहित 11 अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस मामले में अब तक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम को कानून-व्यवस्था के प्रति उनकी संवेदनशीलता और तत्परता के रूप में देखा जा रहा है। वाराणसी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वाराणसी विकास के साथ-साथ महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों के लिए भी एक सुरक्षित शहर बने।

डामर की खरीदी अब सिर्फ सरकारी रिफाइनरियों से ही

पीडब्ल्यूडी में नया 'एसओआर' लागू 817 से अधिक नए आइटम शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र के निर्माण विभागों के लिए शुक्रवार से नया एसओआर (शिड्यूल ऑफ रेट्स) लागू हो गया। नई एसओआर में पुरानी सूची के 309 आइटम की तुलना में 817 से अधिक नए आइटम शामिल किए गए हैं। यह आधुनिक तकनीकों, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के मद्देनजर जारी किया गया है। सड़क निर्माण में पहली बार गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए डामर की खरीदी अब केवल सरकारी रिफाइनरियों-हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम से ही की जा सकेगी। नई एसओआर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है।

- नई एसओआर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया

नई एसओआर जारी करते हुए लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि नवीन एसओआर (दर अनुसूची) केवल तकनीकी दस्तावेज नहीं है। यह विजन-2047 की दिशा में विभाग के सुनियोजित प्रयासों का प्रतीक है।

पीथमपुर पाइप फैक्ट्री में भीषण आग

9 घंटे बाद पाया जा सका आग पर काबू

एक हजार लीटर फोम 25 डंपर रेत और 12 दमकलें तैनात रहीं

धार। पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया में सिग्नेट पाइप कंपनी में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे भीषण आग लग गई। आग बुझाने में एक हजार लीटर फोम, 25 डंपर रेत और फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियों का पानी लगा। आसपास की फैक्ट्रियों को लपटों से बचाने के लिए जेसीबी इस्तेमाल कर मिट् टी-रेत की दीवार बनाई गई थी। करीब 9 घंटे में काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। कंपनी प्लास्टिक के पाइप बनाती है। कच्चे माल की वजह से लपटें तेजी से बढ़ीं।

40 जिलों में 3 दिन लू-तेज गर्मी से राहत

भोपाल-उज्जैन में बारिश-ओले का अलर्ट तीन दिन में दो से तीन डिग्री गिरेगा पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिछले एक हफ्ते से लू और तेज गर्मी झेल रहे प्रदेश के लोगों को तीन दिन राहत मिल गई है। शुक्रवार शाम तक प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में बादल छाने लगे, जिसके तहत मौसम विभाग ने शनिवार को कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। मौसम बदलने से दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट भी होगी है। शुक्रवार को ग्वालियर में बारिश हुई। हालांकि शुक्रवार को खंडवा और खरगौन सबसे ज्यादा गर्म रहे।

मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की वजह से बारिश, ओले और तेज आंधी का अलर्ट जारी किया है। इस वजह से लू का असर नहीं रहेगा। पारे में गिरावट होगी। शुक्रवार को प्रदेश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्से के 17 जिलों में मौसम बदला रहा।

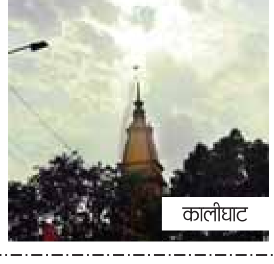

कालीघाट

शनिवार को यहां बदला रहेगा मौसम

ग्वालियर, चंबल, नर्मदापुरम, रीवा और जबलपुर संभाग के जिले श्योपुर, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली और भोपाल में हल्की बारिश, तेज आंधी और ओले गिर सकते हैं। शनिवार और रविवार को प्रदेश के ज्यादातर जिलों में मौसम बदला रहेगा।

चीन का अमेरिका पर पलटवार: टैरिफ वार से लगातार बढ़ता जा रहा है टकराव

ड्रैगन ने किया 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान

पहले चीन ने इस टैरिफ को 84 प्रतिशत तक बढ़ाया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चीन और अमेरिका के बीच चल रहा टैरिफ वार पूरी दुनिया के लिए सिरदर्द बन गया है। अब चीन ने अमेरिका पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है।

ऐसे में अब अमेरिका से आने वाले सामान पर चीन 125 प्रतिशत तक टैक्स वसूलेगा। पहले चीन ने इस टैरिफ को 84 प्रतिशत तक बढ़ाया था। 125 प्रतिशत टैरिफ का प्रावधान 12 अप्रैल से लागू होगा। चीन के इस कदम से साफ है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से बढ़ाए गए टैक्स का मुंहतोड़ जवाब देने का प्लान बनाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीन के सामान पर लगाए गए नए टैरिफ का आंकड़ा 125 प्रतिशत नहीं 145 प्रतिशत हो गया है। इसमें फेंटेनाइल की तस्करी में चीन के कथित रोल को लेकर लगाए 20 प्रतिशत टैरिफ भी शामिल है। इसके अलावा चीनी सामानों में लागू किए गए नए 125 प्रतिशत टैरिफ भी हैं।

राष्ट्रपति जिनपिंग ने तोड़ी चुप्पी

एक ट्रेड वार में कोई भी विजेता नहीं होता है, हम अमेरिका से नहीं डरते

बीजिंग। टैरिफ वार शुरू करने के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। जिनपिंग ने कहा कि उनका देश अमेरिका के ट्रेड वार से नहीं डरता है। जिनपिंग ने कहा कि एक ट्रेड वार में कोई भी विजेता नहीं होता है और दुनिया के खिलाफ जाने से केवल अकेलापन मिलेगा। शुक्रवार को स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ मुलाकात के बाद चीन के राष्ट्रपति ने यह बयान दिया। शी जिनपिंग के इस बयान से साफ है कि ट्रंप की मंशा के उलट चीन अमेरिका के साथ कोई समझौता करने के मूड में नहीं है। इस ट्रेड वार की वजह से दुनियाभर के शेयर बाजार हिले हुए हैं और आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ती जा रही है।

दुनिया के खिलाफ जाने से केवल अकेलापन मिलेगा

जबलपुर
शनिवार, 12 अप्रैल 2025
■ चैत मास शुक्ल पक्ष- 15
■ वर्ष : 19, अंक : 336
■ पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 40
न्यून. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हनुमान जन्मोत्सव की मंगलकामनाएं

haribhoomi.com

◆ श्री हनुमान जयंती पर विशेष : आज 'हरिभूमि' में अपने पाठकों के लिए छिंदवाड़ा के जाम सावली हनुमान मंदिर व रायसेन के छींद स्थित हनुमान मंदिर के बारे में विशेष जानकारी

1 जाम सावली में स्वयंभू हैं श्री हनुमान जी

हनुमान जी की खड़ी मूर्ति थी पर गुप्त धन छिपे होने की संभावना पर इसे हटाया तो मूर्ति लेट गई

राजस्व अभिलेख में करीब 100 वर्ष पूर्व मंदिर के इतिहास में पीपल के वृक्ष के नीचे श्री हनुमान का उल्लेख

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

श्री हनुमान मंदिर जाम सावली में हनुमान जी स्वयं भू रूप में लेटे हुए हैं। यह प्रतिमा जाम नदी एवं सर्पा नदी के संगम स्थल ग्राम सावली के पीपल वृक्ष की छांव में विराजमान है।

संजीवनी बूटी ले जाते हनुमान जी यहीं रुके थे

पौराणिक कथाओं एवं मान्यताओं के अनुसार रामायण काल में भगवान श्रीराम और रावण के युद्ध में मेघनाथ ने जब लक्ष्मण जी को शक्ति बाण से मूर्छित किया तब हनुमान जी संजीवनी बूटी से भरा सुमेरु पर्वत हिमालय से लेकर जा रहे थे तब जाम सावली स्थित पीपल के पेड़ के नीचे विश्राम हेतु रुके थे।

2 बरेली के ग्राम छींद में विराजे श्री हनुमान जी

1967 में खेत मे छोटा सा मंदिर बनाकर हनुमानजी महाराज की प्रतिमा की स्थापना की गई थी

सुबह 5 बजे से जुटेगी भीड़, करीब 50 हजार श्रद्धालु करेंगे दद्दा के दर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

यूं तो भगवान हनुमान के मंदिर हर जगह हैं, हर नगर, गांव में अंजनी पुत्र की पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ पूजन की जाती है, लेकिन रायसेन जिले के बरेली तहसील के ग्राम छींद में विराजे अंजनी पुत्र की महिमा कुछ अलग ही है। पूरे प्रदेश में उनकी ख्याति है, हर शनिवार और मंगलवार को प्रदेश के कई शहरों, नगरों और गांवों से लोग उनके दर्शन करने आते हैं। आज का तो और भी विशेष है।

1967 में बना था मंदिर

इस प्रसिद्ध धाम के विषय मे कहा जाता है कि मंदिर ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष कृष्णकांत रघुवंशी के बुजुर्ग धन्नूलाल रघुवंशी ने ईश्वर की प्रेरणा से वर्ष 1967 में अपने खेत मे छोटा सा मंदिर बनाकर हनुमानजी महाराज की प्रतिमा की स्थापना की थी। कालांतर में दादा की महिमा बढ़ती गई। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होने लगीं और लोगों की आस्था बढ़ने लगी।

3 पंडोखर सरकार बता रहे हैं कि क्यों संकटमोचन हैं श्री हनुमान

यह हैं एंटीबायोटिक हनुमानजी जब सब जगह से थक जाएं तो इनकी शरण में आएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ दतिया

जिला मुख्यालय से तकरीबन 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित महाभारत कालीन श्री पंडोखर सरकार हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव का धार्मिक आयोजन बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस मंदिर की स्थापना पांडवों ने की थी। यह पांडवों के रुकने लिए यह विशेष स्थल है। यह मंदिर धर्मराज युधिष्ठर के द्वारा पूजित है। पंडोखर धाम के पीठाधीश्वर गुरु शरण महाराज ने आयोजन के संबंध में विस्तार से बताया उन्होंने पंडोखर सरकार हनुमान मंदिर की विशेषता बताते हुए कहा यह संकटमोचन हनुमान हैं । इनके दर्शन मात्र से ही तमाम संकटों का हरण होता है। उन्होंने कहा कि भूत प्रेत बाधा सहित तमाम तंत्र विद्याएं पंडोखर सरकार हनुमान जी के दरबार में आने से निराकृत हो जाती है। यहां यह उल्लेखनीय है श्री पंडोखर हनुमान मंदिर के अलावा यहां प्राचीन भगवान शिव सहित देवी विग्रह है। श्री पंडोखर धाम में भक्तों को अपनी मुराद पूरी करने के लिए अमावस्या से लेकर पूर्णमासी तक आना होता है। मंदिर में वैदिक मंत्र उच्चरणों के साथ हवन करने का विधान है एवं रक्षा सूत्र बांधने का भी विधान है इस प्रकार की पूजा पद्धति से श्री पंडोखर सरकार हनुमान भक्तों पर प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाते हैं।

■ मुराद पूरी करने के लिए अमावस्या से लेकर पूर्णमासी तक आना होता है

ऐसे बने हनुमान जी संकटमोचन

गोस्वामी तुलसीदास की रचनाओं में से एक हनुमान अष्टक है, जिसमें लिखा है-को नहीं जानत है जग में कपि, संकटमोचन नाम तिहारो। वाराणसी में 1560 के आसपास वाराणसी के जंगलों में गोस्वामी तुलसीदास भक्तों के बीच राम की स्तुति करते थे। उनको सुनने के लिए एक कुष्ठ रोगी भी रोज आता था और सबसे पीछे बैठ जाता था। एक बार तुलसीदास ने उस रोगी के पास जाने की कोशिश की, लेकिन वह वहां से निकल गया। पीछा करते हुए तुलसीदास वन में पहुंचे और उसके पैर पकड़कर बोल पड़े- प्रभु दर्शन दीजिए। उन्होंने जिस स्थान पर प्रभु का पैर पकड़ा उस स्थान पर आज भी हनुमान जी मूर्ति स्थापित है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
लखनऊ गुजरात
दोपहर 3.30 बजे से
हैदराबाद पंजाब
शाम 7.30 बजे से

अशोकनगर के आनंदपुर धाम में वार्षिक वैशाखी मेले और गुरू महाराज के अवतरण दिवस पर बोले पीएम

स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि,पर्यावरण क्षेत्र में श्री आनंदपुर ट्रस्ट के प्रयास सराहनीय

पीएम ने कहा कि आनंदपुर धाम आकर मन अभिभूत है, जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया है, जहां सेवा के संकल्प मानवता का पथ प्रशस्त करते हों, वो धरती साधारण नहीं

निष्काम सेवा ही दुनिया की सबसे बड़ी सेवा है, आनंदपुर धाम इसे निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सेवा ऐसी गंगा है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति डुबकी लगाए तो उसका जीवन सार्थक हो सकता है। शुक्रवार को आनंदपुर धाम आकर मन अभिभूत है, जिस भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया है, जहां सेवा के संकल्प मानवता का पथ प्रशस्त करते हों, वो धरती साधारण नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां मंदिर में दर्शन किए और सेवा कार्यों की जानकारी ली तो हृदय आनंदित हो गया। ट्रस्ट की ओर से मनोयोगपूर्वक संचालित सेवा कार्यों में अस्पताल, गो-शाला, नई पीढ़ी के निर्माणके लिए अच्छी शिक्षा देने वाले स्कूल और पर्यावरण संरक्षण के प्रकल्प शामिल हैं।

मप्र के आनंदपुर क्षेत्र के समग्र विकास के प्रयास होंगे

भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 20 हजार लोग आनंदपुर पहुंचे

आनंदपुर धाम मंदिर परिसर का भ्रमण किया

प्रधानमंत्री मोदी ने आश्रम के गुरू महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आनंदपुर धाम मंदिर परिसर का भ्रमण किया और गुरुजी महाराज मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री ने आनंद सरोवर की आरती उतारी और पुष्प अर्पित किए। आनंदपुर में हर वर्ष तीन दिवसीय वैशाखी मेला लगता है। इस वर्ष भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 20 हजार लोग आनंदपुर पहुंचे हैं।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जारी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारा पर्यावरण संरक्षित हो, इसके लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान जारी है। गरीब और वंचित व्यक्तियों के उत्थान के लिए सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास का मंत्र सरकार की नीति और निष्ठा है।

आनंदपुर की धरती पर शोक भी आने डरता है

मोदी ने कहा कि इस धरती पर परमार्थ और सेवा के संकल्प जारी हैं, ये धरती सामान्य नहीं है। अशोकनगर की धरती पर शोक भी आने से डरता है। गुरु महाराज के अवतरण दिवस पर यहां आने का सुअवसर मिला है। उन्होंने स्वामी अद्वैत जी महाराज एवं संस्थान की सभी पादशाही महाराज को प्रणाम करते हुए द्वितीय और तृतीय पादशाही के समाधि दिवस पर उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने मां विजयासन और अशोकनगर जिले के श्रद्धा स्थल करीला धाम की मां जानकी देवी को भी प्रणाम किया।

आनंदधाम से सीखा गरीबों की सेवा ही ईश्वर सेवा: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरीबों की सेवा करो, और उनकी आत्मा में रच-बस जाओ, यही परमार्थ है, यही सच्ची मानव सेवा है। गुरुजी महाराज की सेवा भावना से हमें भी प्रेरणा मिलती है। शांति का जो पाठ उन्होंने समाज को दिया है वह अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि गुरु जी महाराज ने इस आनंदधाम को सेवा का केंद्र बनाया है। हमारी सरकार ऐसा ही सेवा केंद्र बनाएगी।

खबर संक्षेप

बेस्ट स्टंट डिजाइन में आरआरआर का जलवा

नई दिल्ली। फिल्म निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' ने एक बार फिर ऑस्कर में अपना दबदबा दिखाया है। फिल्म के एक फाइट सीन को ऑस्कर की नई कैटेगरी की घोषणा पोस्ट में जगह मिली है। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने ऑस्कर के लिए एक नए कैटेगरी का अनाउंसमेंट किया है। फिल्मों के स्टंट सीन की तस्वीरें साझा की हैं।

औद्योगिक उत्पादन की ग्रोथ रेट सुस्त

नई दिल्ली। भारत के औद्योगिक उत्पादन को लेकर एक निराश करने वाला आंकड़ा सामना आया है। इस साल फरवरी में भारत के औद्योगिक उत्पादन की ग्रोथ में गिरावट आई है। देश के औद्योगिक उत्पादन की ग्रोथ रेट फरवरी में घटकर 6 महीने के निचले स्तर 2.9 फीसदी पर आ गई। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यह सुस्ती मुख्य रूप से मैन्यूफैक्चरिंग, माइनिंग और पावर सेक्टर की खराब परफॉर्मेंस के चलते आई है।

यूट्यूब में अब एआई से खुद बना सकेंगे म्यूजिक

नई दिल्ली। यूट्यूब ने अपने प्लेटफॉर्म पर कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक नई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सुविधा की घोषणा की है। इस फीचर के तहत अब क्रिएटर्स अपने वीडियो के लिए कस्टम इंस्ट्रुमेंटल म्यूजिक खुद जनरेट कर सकेंगे। यह नया टूल यू ट्यूब स्टूडियो के क्रिएटर म्यूजिक टैब का हिस्सा है और सभी क्रिएटर्स के लिए मुफ्त में उपलब्ध होगा, हालांकि यह फीचर धीरे-धीरे रोलआउट किया जा रहा है।

पूर्व आरटीओ सिपाही के परिजनों को राहत

मां, पत्नी, जीजा और साले को स्पेशल कोर्ट से जमानत

सौरभ और उसके सहयोगियों शरद जायसवाल व चेतन सिंह की पेशी 5 मई को वीसी के जरिए होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र के करोड़पति पूर्व आरटीओ सिपाही सौरभ शर्मा का पूरा परिवार काली कमाई के फेर में फंसा है। उसकी मां और पत्नी के अलावा जीजा और साला भी प्रवर्तन निदेशालय यानि ईडी के घेरे में है। सौरभ शर्मा की मां उमा शर्मा, पत्नी दिव्या शर्मा, जीजा विनय आसवानी और साले रोहित तिवारी के नाम ईडी की चार्जशीट में हैं। हालांकि मां, पत्नी, जीजा और साला को शुक्रवार को कोर्ट से कुछ राहत मिली है। इन चारों को कोर्ट ने जमानत दे दी है। इधर, सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों शरद जायसवाल व चेतन सिंह की पेशी 5 मई को होगी जोकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली जाएगी। ईडी ने सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों के खिलाफ मंगलवार को कोर्ट में चालान पेश किया था। इसमें कुल 12 आरोपी तय किए हैं जिनमें सौरभ शर्मा, उसकी मां, पत्नी और सहयोगियों के नाम हैं। ईडी ने इस मामले में कुल 100.36 करोड़ रुपए की कुर्की और जब्ती की है। चालान में कार में मिला 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए की नकदी भी सौरभ की ही बताई गई है।

10 लाख रुपए के बॉन्ड पर जमानत दी

इस बीच शुक्रवार को सौरभ शर्मा की मां उमा शर्मा, पत्नी दिव्या शर्मा, जीजा विनय आसवानी और साले रोहित तिवारी को कोर्ट में पेश किया गया। चारों आरोपियों को जमानत दे दी गई। अपर सत्र व विशेष न्यायाधीश सचिन कुमार घोष की कोर्ट ने चारों आरोपियों को राहत दी। कोर्ट ने 10 लाख रुपए के बॉन्ड पर जमानत दी है।

35 साल से लापता थी महिला

परिजनों ने किया पिंडदान, अचानक पहुंची घर तो हुआ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

35 साल पहले एक महिला गुम हो गई थी। उसे मृत समझकर परिजनों ने पिंडदान कर दिया था, लेकिन वह 35 साल बाद घर लौट आई। परिजनों ने महिला का हर्षोउल्लास से स्वागत किया। दरअसल, राजगढ़ जिले के ब्यावरा निवासी 75 वर्षीय गीताबाई सेन 35 सालों के बाद घर लौट आई है। वह शाजापुर जिले के खोकरा गांव से लगभग 35 साल पहले लापता हो गई थी। इस दौरान उनका इलाज नागपुर के मेंटल हॉस्पिटल में किया जा रहा था। जब महिला ठीक हुई तो उसने अपने ससुराल राजगढ़ की चर्चा की। डॉक्टर ने 19 महीनों के प्रयास के बाद महिला के परिजन का पता लगाया।

■ राजगढ़ में हैरान करने वाला मामला

हाथों पर मिले कट के निशान

इंदौर में सयाजी होटल के मैनेजर ने किया सुसाइड

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

विजय नगर क्षेत्र में सयाजी होटल के मैनेजर ने तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अमन सिंह पुंडीर (32), निवासी उत्तराखंड के रूप में हुई है। वह स्कीम नंबर 78 स्थित एक मकान में किराए पर रह रहा था। यह घटना शुक्रवार सुबह 3 बजे के करीब हुई, जब तेज आवाज सुनकर आस-पास के लोग जागे। मकान मालिक मुकेश को नीचे गिरे व्यक्ति के बारे में सूचना दी गई, जिन्होंने तुरंत पुलिस को फोन किया। विजय नगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा।

■ प्रेम प्रसंग से तनाव का अनुमान

गुना और रतलाम में लगे हैं इस तरह के पोस्टर

राजधानी में भाजपा के निर्माणाधीन कार्यालय के सामने भी पोस्टर लगा दिखाई दिया, लेकिन तस्वीर सामने आते ही यह होर्डिंग गायब हो गया

प्रदेश में लगे दिग्विजय के गद्दार नाम से पोस्टर वक्फ कानून का पूर्व सीएम कर रहे हैं 'विरोध'

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

देश भर के लगभग सभी विपक्षी दलों ने वक्फ बिल की मुखालफत की लेकिन संसद ने इसे घंटों चर्चा के बाद पास कर कानून बना दिया। जिसमें कांग्रेस सबसे आगे रही।

इसी सिलसिले में मध्य प्रदेश के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भी इस कानून का विरोध किया। अब इसे लेकर उन्हें भाजपा युवा मोर्चा ने उन्हें गद्दार बता दिया है और पोस्टर भी लगा दिए हैं, पोस्टर सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसका पुरजोर विरोध किया है। रतलाम शहर में दिग्विजय सिंह के खिलाफ लगाए गए 'गद्दार' लिखे पोस्टर चिपकाए गए। इसमें लिखा है- सिंह वतन के, धर्म के पूर्वजों के गद्दार।

कांग्रेस ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग की

इधर, कांग्रेस ने सख्त रुख अपनाते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस रतलाम के जिलाध्यक्ष महेंद्र कटारिया ने इस बयान और पोस्टर को दिग्विजय सिंह की छवि धूमिल करने की साजिश बताया है। कांग्रेस नेताओं ने दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की।

राजा-महाराजा के जमाने से गद्दार रहा: जैन

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा रतलाम के जिलाध्यक्ष विप्लव जैन ने कहा कि उनका परिवार राजा-महाराजा के जमाने से ही गद्दार रहा है। बात अगर कांग्रेस की है तो कांग्रेस ने मुस्लिम समाज को हमेशा वोट बैंक माना है। उनकी स्थिति में कैसे सुधार हो और शिक्षा स्वास्थ्य का कैसे अधिकार मिले इसकी चिंता नहीं है उनके बजाए इसकी चिंता भारतीय जनता पार्टी कर रही है।

पटवारी ने कहा देशद्रोह का केस लगना चाहिए

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पोस्टर मामले में कहा जिन लोगों ने ऐसी हरकत की है उन पर देशद्रोह का केस लगना चाहिए। मैंने निर्देश भी दिए हैं, ऐसे लोगों पर एफआईआर होना चाहिए।

विक्रमोत्सव 2025
विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नव जागरण और भारत विद्या पर एकाग्र
सांस्कृतिक अभ्युदय से समृद्धि पथ पर
अग्रसर मध्यप्रदेश
विक्रम संवत् के प्रवर्तक
सम्राट विक्रमादित्य
जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
महानाट्य का महामंचन
12,13,14 अप्रैल 2025
प्रतिदिन सायं 6:00 से 9:00 बजे तक
माधव दास पार्क, लाल किला, दिल्ली
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
श्रीमती रेखा गुप्ता, मुख्यमंत्री, दिल्ली
स्वागताध्यक्ष
शुभारंभ
मुख्य अतिथि
जगदीप धनखड़
उपराष्ट्रपति, भारत
विशिष्ट अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश
गरिमामयी उपस्थिति
गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय मंत्री, संस्कृति एवं पर्यटन
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
श्रीमती रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, दिल्ली
D-11005/25
विशेष प्रदर्शनी
• आर्ष भारत • विक्रमादित्यकालीन मुद्रा-मुद्रांक
• मध्यप्रदेश में पर्यटन • मध्यप्रदेश का विकास एवं उपलब्धियां
• मध्यप्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट • फूड कोर्ट
संस्कार भारती
महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ
स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा
दीनदयाल शोध संस्थान - नई दिल्ली, संस्कार भारती - नई दिल्ली
श्री विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति, उज्जैन के सहयोग से आयोजित
आप सादर आमंत्रित हैं।
अधिक जानकारी के लिए QR स्कैन करें
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

खबर संक्षेप

डीपीएस में फीस बढ़ी केजरीवाल भी नाराज

नई दिल्ली। दिल्ली के दिल्ली पब्लिक स्कूल में फीस बढ़ोतरी पर अभिभावकों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन ने मनमानी फीस वसूली की और बच्चों को लाइब्रेरी में बंधक बनाया। अभिभावकों का कहना है किबच्चों को क्लासरूम में जाने से रोका गया और उन्हें लाइब्रेरी में बैठाया गया। केजरीवाल भी नाराज हैं।

करणी को मिला 'भैया' का साथ, आगरा चलो

आगरा। राणा सांगा को लेकर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ करणी सेना के आंदोलन को यूपी की कुंडा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का भी साथ मिल गया है। सांगा की जयंती पर आगरा में शनिवार को होने वाले करणी सेना के आयोजन में राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल भी शामिल होगी। सभी के आगरा पहुंचने के लिए कहा है।

नारनौल के साईं मंदिर में लाखों की चोरी

महेंद्रगढ़। शहर में चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। शहर के साईं मंदिर से चोरों ने चांदी का एक बड़ा छतर और तीन छोटे छतर चोरी कर लिए। इनके अलावा चांदी की माला भी चोरी कर फरार हो गए। मोहल्ला गांधी के राहुल ने पुलिस को शिकायत दी है कि उसके घर के साथ लगते ही साईं बाबा का मंदिर है। मंदिर श्रद्धालुओं के लिए हमेशा खुला रहता है।

मेहंदीगंज में मोदी ने किया जनसभा को संबोधित, पूर्वांचल के विकास पर रहा जोर

मैं काशी का हूं और काशी मेरी है, यहां की मिट्टी की खुशबू केवल हवा में नहीं सरहदों के पार भी जाएगी

पीएम ने 3900 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया

3 बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड व 21 उत्पादों को जीआई टैग दिया

एजेंसी ▶▶ काशी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को काशी पहुंचे। मेहंदीगंज में जनसभा को संबोधित किया। पीएम ने 3900 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने 3 बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए। 21 उत्पादों को जीआई टैग दिया गया। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी हुनर अब तेजी से विश्व स्तर पर पहचान बन रही है। यूपी जीआई टैग में देश में नंबर वन पर है। जीआई टैग पहचान का नया पासपोर्ट है। यूपी की मिट्टी में जो खुशबू है वह केवल हवा में नहीं सरहदों के पार भी जाएगी। यूपी अब संभावनाओं का नहीं सामर्थ और सिद्धियों की भूमि बन रहा है। पीएम ने कहा हम देश की सेवा का मंत्र लेकर आए हैं। कुछ लोगों का सिद्धांत है परिवार का साथ परिवार का विकास। हमारा मंत्र सबका साथ सबका विकास है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। 10 साल में उत्पादन में 65 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। लखपति दीदियों ने बता दिया है, अगर भरोसा किया जाए तो वह भरोसा नया इतिहास रच देता है। पूरे पूर्वांचल के लिए नई मिसाल बन चुकी हैं।पीएम मोदी ने मेड इन इंडिया की वैश्विक पहचान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यूपी के उत्पाद अब ग्लोबल ब्रांड बन रहे हैं।

पहचान का नया पासपोर्ट बना जीआई टैग

हम देश की सेवा का मंत्र लेकर आए

हमने सेवक के रूप में कर्तव्यों को निभाया

काशी के युवा ओलंपिक में मेडल चमकाकर देश का गौरव बढ़ाएंगे

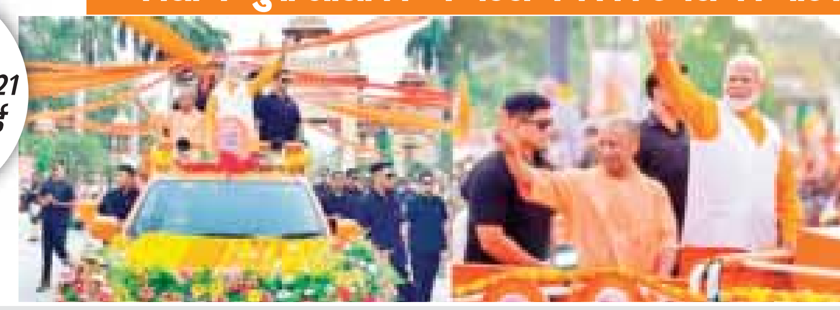

पीएम मोदी ने काशी के युवाओं को खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार है। काशी के नौजवानों को अभी से मेहनत शुरू करनी होगी। काशी में नए स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनाए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि काशी के युवा ओलंपिक में मेडल चमकाकर देश का गौरव बढ़ाएंगे।

इलाज के लिए जमीन बेचने की जरूरत नहीं

पीएम ने कहा कि जब आपने तीसरी बार आशीर्वाद दिया, तब हमने भी आपको सेवक के रूप में स्नेह स्वरूप अपने कर्तव्यों को निभाया है। लौटाने का प्रयास किया है। वाराणसी में 50 हजार वय वंदना कार्ड पहुंच गया है, यह आंकड़ा नहीं। नम्र प्रयास है। वहीं उन्होंने आयुष्मान योजना को लेकर कहा कि अब इलाज के लिए जमीन बेचने या कर्ज लेने की मजबूरी नहीं है। मरीजों का इलाज निशुल्क हो जाएगा।

ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले के संकल्पों को बढ़ा रहे आगे

पीएम ने कहा सामाजिक चेतना के प्रति महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती भी है। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले जी ने जीवन भर नारी शक्ति के ही आत्मविश्वास और समाज कल्याण के लिए संकल्पित रहे। हम उनके संकल्पों को आगे बढ़ा रहे हैं।

हमारी काशी आरोग्य की राजधानी बन रही

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी काशी आरोग्य की राजधानी बन रही है। दिल्ली-मुंबई के बड़े अस्पताल आपके पास आ रहे हैं। यही तो विकास है। सिर्फ अस्पताल ही नहीं, सुविधाएं बढ़ी हैं। काशी में पूर्वांचल समेत आसपास और नेपाल तक के लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

विकास और विरासत का अनूठा संगम बना बनारस

पीएम मोदी ने काशी को भारत की आत्मा और विविधता की सबसे खूबसूरत तस्वीर बताया। उन्होंने कहा कि काशी के हर मोहल्ले में भारत का अलग रंग और संस्कृति दिखती है। काशी तमिल संगमम जैसे आयोजनों ने एकता के सूत्र को मजबूत किया है। उन्होंने प्रस्तावित एकता मॉल का जिक्र किया, जहां भारत के सभी जिलों के उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे।

यहां के विकास की चहुंओर तारीफ हो रही

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने काशी के तेजी से हो रहे बदलाव की भी सराहना की और कहा कि यहां के विकास की देश-विदेश में तारीफ हो रही है।

अच्छे स्वास्थ्य की राजधानी बन रही काशी

पीएम मोदी ने आज शुक्रवार को वाराणसी में वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान वय वंदना कार्ड' वितरित किए। पीएम ने कहा कि अब काशी सिर्फ धर्म और संस्कृति की नगरी नहीं, बल्कि 'स्वास्थ्य की राजधानी' भी बनती जा रही है। उन्होंने बुजुर्गों के चेहरों पर दिख रही संतुष्टि को इस योजना की सफलता का प्रमाण बताया।

भोजपुरी में संवाद किया

पीएम मोदी का काशीवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने विशाल जनसभा में भोजपुरी में भी काशीवासियों से संवाद किया। साथ ही अपने संबोधन में उन्होंने बार-बार काशी के प्रति अपने गहरे लगाव को दोहराया।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई फटकार

अगर ईडी के पास मौलिक अधिकार हैं तो उसे सोचना चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को लोगों के मौलिक अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए। कोर्ट ने ये टिप्पणी करते हुए नागरिक आपूर्ति निगम (एनएएन) घोटाला मामले को छत्तीसगढ़ से नई दिल्ली स्थानांतरित करने की एजेंसी को याचिका पर नाराजगी जताई। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यामूर्ति उज्जल भुयान की पीठ ने एजेंसी से सवाल किया कि व्यक्तियों के लिए संविधान के अनुच्छेद 32 के अंतर्गत रिट याचिका कैसे दायर की।

याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी

पीठ की टिप्पणी के बाद अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। उन्होंने इस दौरान कहा कि जांच एजेंसी के पास भी मौलिक अधिकार है। इस पर पीठ ने हल्के अंदाज में कहा कि अगर ईडी के पास मौलिक अधिकार हैं, तो उसे लोगों के मौलिक अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए। राजू को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

ईडी बोला-टुटेजा ने जमानत का दुरुपयोग किया

ईडी ने पिछले साल दावा किया था कि पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा ने अग्रिम जमानत का दुरुपयोग किया है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि छग के कुछ पदाधिकारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कुछ आरोपियों को न्यायिक राहत सुनिश्चित करने के लिए एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के संपर्क में थे।

कोई भी कमीशन मांगे तो लोकायुक्त के पास शिकायत करें ठेकेदारः कर्नाटक डिप्टी सीएम

बेंगलुरु।कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सुझाव दिया कि यदि किसी ने ठेकेदारों से उनके बिलों के भुगतान के लिए कमीशन की मांग की है, तो उन्हें लोकायुक्त के पास शिकायतकरानी चाहिए। उनकी प्रतिक्रिया कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ की तरफ से आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया कमीशन का खतरा गंभीर है। संघ ने दावा किया कि शिवकुमार और 2 अन्य वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों के कार्यालयों में अदृश्य दलाल सक्रिय हैं। इन आरोपों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने मंत्रियों की संलिप्तता से इनकार किया और कहा कि हमारे मंत्री सतीश जरकीहोली और बोसराजू इसमें शामिल नहीं हैं।

मुंबई हमले की जांच में हम करेंगे एनआईए का सहयोग : महाराष्ट्र सीएम

एजेंसी ▶▶ मुंबई

26/11 मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि राणा के प्रत्यर्पण पर मैं मुंबईकरों की ओर से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। एनआईए मामले की जांच कर रही है। हम जांच में एनआईए की पूरी मदद करेंगे। फडणवीस ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि 26/11 मुंबई हमलों के आरोपी और साजिशकर्ताओं में से एक राणा को भारत लाया गया है। साजिशकर्ता को भारतीय न्यायिक प्रणाली का सामना करने के लिए भारत लाया गया। कसाब को फांसी दी गई, लेकिन साजिशकर्ता हमारी हिरासत में नहीं था। यह हमारे लिए एक बोझ था। अब एनआईए जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के बारे में निर्णय लेगी। अगर उन्हें किसी सहायता की आवश्यकता होगी तो हम मुंबई पुलिस के माध्यम से पूरा सहयोग करेंगे।

ग्रीष्म ऋतु में स्वास्थ्य रक्षा एवं औषधोपचार की जानकारी दी श्री वैद्यनाथ धाम आयुर्वेद ने

नागपुर। आयुर्वेद में 6 ऋतुओं का उल्लेख है जो भारत देश में प्रकृति के द्वारा प्रदत है। हेमंत, शिशिर, बसंत, ग्रीष्म, वर्षा एवं शरद। शिशिर के पश्चात बसंत ऋतु के कारण जहां पेड़ पौधों में नये पत्ते अंकुरित होते है। चारों ओर हरियाली देखकर मन में एक नवीन उत्साह और उमंग होती है। उसी बीच धीरे - धीरे सूर्य भी अपनी प्रखर किरणों से वातावरण में धूप के साथ ग्रीष्म ऋतु का आभास करा देता है। गर्मियों के मौसम में स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। इसका कारण सूर्य की प्रखर किरणों के परिणाम स्वरूप लू लगकर शरीर में अनेक व्याधियां उत्पन्न हो जाते है। इसीलिए गर्मियों के दिनों में आयुर्वेद में वर्णित आहार द्रव्यों का सेवन करना चाहिए ताकि शरीर में जलीयांश की कमी न हो। फल व सब्जियों का सेवन अधिक मात्रा में सेवन करना चाहिए। खीरा, 'ककड़ी, प्याज, पुदीना का सेवन अधिक करें। पानी अधिक पिएं । इन सब सावधानियों के रहते हुए भी कभी - धूप में निकलने से उल्टी, दस्त, बदहजमी, पेट दर्द, बुखार आना, पेशाब में जलन होना, छाती में जलन, एसिडिटी इत्यादि रोगों के लक्षण उत्पन्न होते है। इसीलिए आयुर्वेद में ग्रीष्म ऋतुचर्या के अन्तर्गत आहार विहार का विस्तृत वर्णन किया गया है उसका अनुसरण कर अनेक रोगों से व परेशानियों से बचा जा सकता है। साथ ही कुछ द्रव्यों का सेवन करके भी स्वास्थ्य को ठीक किया जा सकता है। इस ऋतु में निंबू, कैरी व बेलफल के द्वारा तैयार किए गये पानक का उपयोग करें ।

गुलकन्द का व आंवले का मुरब्बा सेवन करें। इसी प्रकार यदि कुछ लक्षणों के साथ रोगी होने का निदान हो तो तुरन्त आयुर्वेद में वर्णित औषधोपचार करें । पित्त की वृद्धि होने पर ताजा अनार से निर्मित बैद्यनाथ दाडिमावलेह का सेवन करें । यह तुरन्त दाह को कम कर शीतलता प्रदान करता है। 2) पेशाब में जलन होना, रूक-रूक कर पेशाब होना, लाल रंग की पेशाब होना ऐसी शिकायत होने पर बैद्यनाथ गोकषुरादि गुग्गुलु 2 टेंबलेट सुबह-सायं जल के साथ लें ।

साथ ही बैद्यनाथ चन्दनासव 4-4 चम्मच दवां भोजन बाद दो बार लेवें। हैजा या ग्रेस्टो समस्याएं इस ऋतु में बहुत होती है। पाचन शक्ति कमजोर होती है पतले दस्त से शरीर में जलीयांश कम होता है। ऐसी स्थिति में बैद्यनाथ संजीवनी बटी लेवें । बार-बार आंवयुक्त दस्त होने पर बैद्यनाथ अमिबिका टेंबलेट एक टेबलेट सुबह सायं जल के साथ लेवें। भूख न लगना, कमजोरी होना, खाने में अरूचि होना इस प्रकार के लक्षण होने पर बैद्यनाथ द्राक्षासव स्पेशल का सेवन करें। एसिडिटी (अम्लपित) में खट्टी डकार आना छाती में जलन होने पर बैद्यनाथ सूतशेखर रस व बैद्यनाथ अविपत्तिकर चूर्ण लेवें। इस प्रकार ग्रीष्म ऋतु में सावधानी रखते हुए हितकारी आहार विहार का सेवन करते हुए यदि अपनी दिनचर्या को संयमित रखा जाए तो गरमी से होने वाले दुष्प्रभाव से हम अपने आपको बचा सकते है एवं वर्णित दवा उपयोग कर अपने को स्वस्थ रख सकते है।

Baidyanath
Trusted since 1917

संबलपुर मंडल के रेल प्रबंधक बने सुभाषचंद्र चौधरी

संबलपुर। सुभाष चंद्र चौधरी ने 04 अप्रैल 2025 को मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व तट रेलवे, संबलपुर का कार्यभार ग्रहण किया। श्री चौधरी भारतीय रेलवे विद्युत अभियांत्रिकी सेवा के 1995 बैच के अधिकारी हैं। उन्होंने एचबीटीआई कानपुर से विद्युत इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और आईआईटी रुड़की से इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की है। इस कार्यभार ग्रहण करने से पहले, श्री चौधरी पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर में मुख्य विद्युत इंजीनियर, निर्माण के पद पर कार्यरत थे। श्री चौधरी ने धनबाद मंडल में अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक और मुख्य परियोजना प्रबंधक गति शक्ति के रूप में भी काम किया है। दानापुर, भुवनेश्वर और अंबाला में विभिन्न विद्युतीकरण परियोजनाओं में काम करते हुए उन्हें देश के कई महत्वपूर्ण रेल मार्गों के विद्युतीकरण कार्यों का व्यापक अनुभव है। श्री चौधरी ने जियाओटोंग विश्वविद्यालय बीजिंग, इनसीड सिंगापुर, आईसीएलआईएफ मलेशिया और आईएसबी, मोहाली में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहभागिता की है।

रिलायंस ज्वेल्स ने अक्षय तृतीया के लिए पेश किया 'ज्वेल्स ऑफ इंडिया - तिरुपति कलेक्शन' का 10वाँ संस्करण

मुंबई। भारत के भरोसेमंद आभूषण ब्रांडों में से एक, रिलायंस ज्वेल्स, तिरुपति की पवित्र भूमि को नमन करते हुए सिग्नेचर 'ज्वेल्स ऑफ इंडिया' कलेक्शन में तिरुपति कलेक्शन का 10वाँ संस्करण प्रस्तुत करता है। अपने पौराणिक मंदिरों, शानदार वास्तुकला और अपने इष्टदेव, भगवान बालाजी की दिव्य आभा से प्रेरित, यह उत्कृष्ट सोने और हीरे के ज्वैलरी कलेक्शन अक्षय तृतीया समारोह को दैवीय अनुकंपा प्रदान करता है। बारीकी के साथ तैयार किए गए ये डिज़ाइन भगवान बालाजी की आध्यात्मिक महिमा, पवित्र तिरुमाला पहाड़ियों और श्रीनिवास कल्याणम के सुंदर आकर्षण को दर्शाते हैं। चाहे वह राजसी चोकर हो, शानदार लंबे हार, नाज़ुक ढंग से हस्तनिर्मित चूड़ियाँ, या खूबसूरती से गढ़ी गई बालियाँ, हर आभूषण मंदिर परंपराओं की कलात्मकता को प्रतिबिंबित करती है, जो आधुनिकता के साथ सहजता से मिश्रित होती है।

बेहतरीन कृतियों के अलावा, 'ज्वैलस ऑफ इंडिया - तिरुपति' कलेक्शन में भगवान बालाजी के पवित्र तत्व को रोजमर्रा की ज़िंदगी में शामिल करने के लिए डिज़ाइन किए गए हल्के वज़न वाले पहनने योग्य आभूषणों की एक श्रृंखला भी शामिल है। ये सस्ती एवं सुरुचिपूर्ण सर्जनाएँ ग्राहकों को अपने दैनिक जीवन में आध्यात्मिकता और परंपरा से परिचित कराती हैं, जबकि भव्य डिज़ाइन विशेष अवसरों पर शो स्टॉपर बनते हैं।

लॉन्चिंग पर रिलायंस ज्वेल्स के सीईओ सुनील नायक ने बताया कि आभूषण केवल एक श्रृंगार नहीं है; यह विरासत, आस्था और दैवीय संबंध की एक शाश्वत अभिव्यक्ति है। ज्वैलस ऑफ इंडिया तिरुपति कलेक्शन भगवान बालाजी को एक भावपूर्ण श्रद्धा है, जिसके हर हिस्से में उनका आशीर्वाद समाया हुआ है। यह अक्षय तृतीया की भावना को खूबसूरती से प्रस्तुत करता है - ऐसा त्यौहार जो प्रचुरता और शुभता का प्रतीक है। इस कलेक्शन के प्रत्येक अंश के साथ, हम इस पवित्र भावना को जीवन में लाने के लिए सम्मानित महसूस कर रहे हैं।"

2019 में अपनी शुरुआत के बाद से, रिलायंस ज्वेल्स की ज्वेल्स ऑफ इंडिया पहल ने अपने शानदार आभूषण संग्रह के माध्यम से कर्नाटक, राजस्थान, ओड़िशा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश सहित विभिन्न क्षेत्रों की समृद्ध कलात्मक परंपराओं की खोज की है। प्रत्येक संस्करण ने आभूषणों को इन राज्यों की विरासत, शिल्प कौशल और सांस्कृतिक रूपांकनों को बेहतरीन डिज़ाइनों में खूबसूरती से उकेरा है। अब अपने दसवें संस्करण में, यह पहल भारत की जीवंत विरासत का जश्न मनाने के लिए जारी है, जो बारीकी से तैयार किए गए आभूषणों के माध्यम से तिरूपति की आस्था और दिव्यता को जीवन देती है। इस अक्षय तृतीया को विशेष बनाने के लिए, रिलायंस ज्वैल्स सीमित अवधि की फ़ेस्टिव डिस्काउंट दे रहा है - सोने के आभूषणों के निर्माण शुल्क पर 25 प्रतिशत तक की छूट और हीरे के आभूषणों पर 30 प्रतिशत तक की छूट। ग्राहक पुराने सोने पर 100 प्रतिशत एक्सचेंज वैल्यू का भी लाभ उठा सकते हैं। ये सीमित समय के ऑफ़र 5 मई तक वैध हैं, जिससे हर कोई इस शुभ दिन पर सोने और आभूषणों के रूप में समृद्धि लाने की सदियों पुरानी परंपरा को जारी रख सकता है।

रात के अंधेरे में ही क्यों दिखते हैं भूत-प्रेत? यहां जानिए इसके पीछे का रहस्य...

नई दिल्ली। दुनियाभर में भूत-प्रेत को लेकर लोगों की अलग-अलग राय है। दुनिया में कई लोग भूत-प्रेत पर विश्वास करते हैं। दुनिया की कई संस्कृतियों में आत्माओं और मृत्यु के साथ ही दूसरी दुनिया में रहने वाले लोगों पर भरोसा किया जाता है। बहुत लोगों को भूतों की कहानियां पढ़ना और भूतों पर बनी फिल्में देखना पसंद है। इनसे जुड़ी कई कहानियां पढ़ने और सुनने को भी मिलती हैं।

कई हैरान करने वाली होती हैं घटनाएं

कुछ लोगों का मानना है कि जिस प्रकार भगवान होते हैं, उसी तरह भूत-प्रेत भी होते हैं। भूत-प्रेत के होने के कोई सबूत नहीं हैं, लेकिन इनके होने के दावा किए जाते हैं। इस तरह के कई मामले सामने आते हैं, लेकिन इसकी व्याख्या नहीं की जा सकती है। दुनिया में कई हैरान करने वाली घटनाएं होती हैं। कभी-कभी कुछ ऐसा होता है जिस पर यकीन नहीं होता है। उदाहरण के लिए दरवाजे का अपने आप बंद हो जाना है या किसी के शरीर में किसी का प्रवेश कर जाना है। इन बातों का समझना बेहद मुश्किल होता है।

रात में होती है काफी शांति

बता दें कि अभी तक जितने भी लोगों ने भूत- प्रेत देखने का दावा किया है। उन्होंने उन्हें रात के समय में ही देखा है। दिन के समय उनका प्रभाव क्यों कम हो जाता है? इसके पीछे की वजह को लेकर पैरानॉर्मल एक्सपर्ट्स ने एक थ्योरी दी है। उनके मुताबिक भूत-प्रेत रात के समय इसलिए दिखते हैं, क्योंकि उस दौरान काफी शांति होती है। रात के वक्त इलेक्ट्रॉनिक डिस्टरबेंस भी काफी कम होता है। पैरानॉर्मल एक्सपर्ट्स का ये भी कहना है कि दिन के समय अत्यधिक इलेक्ट्रॉनिक डिस्टरबेंस भूतों की ऊर्जा को डिस्टर्ब कर देती है। यही एक बड़ा कारण है, जिसके चलते भूत -प्रेत रात के समय सक्रिय होते हैं।

इंसान की आत्मा रहती है जिंदा

हालांकि, भूत-प्रेत और आत्माओं के रहस्य से अब तक पर्दा नहीं उठ पाया है। वहीं, देश-दुनिया में ऐसे कई लोग हैं, जो इस बात का दावा करते हैं कि उन्होंने भूतों को देखा है। पैरानॉर्मल एक्सपर्ट्स के मुताबिक, मरे हुए इंसान की आत्मा उसके शरीर के खत्म होने के बाद भी जिंदा रहती है। यही आत्मा अपने अस्तित्व को अजीबोगरीब ढंग से व्यक्त करने की कोशिश करती है। इसे ही भूत-प्रेत कहा जाता है। भूत प्रेत को लेकर विभिन्न मान्यताएं और दृष्टिकोण हैं। भूतों पर यकीन करने वाले लोगों की मानें तो जिन लोगों की कोई महत्वपूर्ण इच्छा पूरी नहीं हो पाती या उनकी असमय मृत्यु होती है, वही लोग भूत बनकर भटकते हैं। लंबे समय से कई पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर रहस्यमय स्थानों पर जाकर भूत-प्रेतों की तफ्तीश करते आ रहे हैं।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को छह देशों से मिलेगी चुनौती

भारत ने एशिया कप की मेजबानी के लिए लगाई बोली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने महाद्वीप के शीर्ष स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट एएफसी एशियाई कप 2031 की मेजबानी के लिए दिलचस्पी का प्रस्ताव पेश किया है। सात देशों की फुटबॉल संस्थाओं ने 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' पेश किया था जिसमें एआईएफएफ भी शामिल है। ईओआई की समयसीमा 31 मार्च तक थी।

एआईएफएफ के उप महासचिव एम सत्यनारायण ने कहा, 'हां, हमने 2031 एएफसी एशियाई कप की मेजबानी के लिए ईओआई पेश किया है। देखते हैं क्या होता है।' टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार पाने के लिए भारत को ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात जैसे मजबूत फुटबॉल संस्थाओं से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। इंडोनेशिया और कुवैत ने भी ईओआई पेश किया है जबकि किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने संयुक्त बोली लगाई है। मेजबान देश का चयन 2026 में किया जाएगा जिसे टूर्नामेंट में स्वतः प्रवेश मिल जाएगा। यह प्रतियोगिता 1956 में शुरू हुई थी। भारत 1964 चरण में उपविजेता रहा था और इसके बाद 1984, 2011, 2019 और 2023 में ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था।

मिले सबसे अधिक प्रस्ताव

बोली लगाने वाले सात देशों में से ऑस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण कोरिया और कुवैत पहले इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुके हैं। मलेशिया के आलालंपुर में एशियाई फुटबॉल परिसंघ की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष शेख सलमान ने 35वीं एएफसी कांग्रेस की पूर्व संध्या पर 'आधुनिक इतिहास में सबसे अधिक संख्या में ईओआई मिलने की सराहना की'।

आवश्यकता

आवश्यकता है- नटराज पेन पैंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:-9202613238 (रायपुर /14/अप्रैल 25)

आवश्यकता है- सुनहरा अवसर सरकारी नौकरी भारतीय वनविभाग में सीधीपक्की भर्ती, परमानेंट बेसेस पर, आवेदन करें, 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, पद - वनसिपाही, वनरक्षक, क्लर्क, वनपाल सैलरी -25000/- से 35000/-आवेदन के लिए, आधारकार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट व्हाट्सएप / संपर्क करें - 9933803418 (रायपुर /15/अप्रैल 25)

फायनेंस

फाइनेंस- मुद्रा योजना के अंतर्गत रोजगार लोन पूरे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ मे लोन 2% ब्याज, 50% छूट, 50000/- से 5 लाख तक लोन उपलब्ध (धोखेबाजो से सावधान) संपर्क मोबाइल:- 8826459431 (रायपुर /12/अप्रैल 25)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 75 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 7-8 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
ब्रेस्ट टोनर क्रिम
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष - किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष - धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन - माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क - मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता

सिंह - आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या - आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला - कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक - संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु - आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर - माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ - आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन - आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

ईस्ट बंगाल बना आईडब्लूएल चैंपियन, ओडिशा 0-1 से हारा

एजेंसी ▶▶| कल्याणी

ईस्ट बंगाल की टीम ने भारतीय फुटबॉल में 21 साल बाद शुक्रवार को यहां लीग खिताब अपने नाम किया जब क्लब की महिला टीम ने गत चैंपियन ओडिशा एफसी पर 1-0 की जीत के साथ इंडियन वुमैन्स लीग ट्रॉफी पर कब्जा किया।

ईस्ट बंगाल के लिए सौम्या गुगुलोथ ने 67वें मिनट में विजयी गोल किया। इस हार के साथ ओडिशा एफसी रेलीगेशन की कगार पर खड़ा है और अब केवल एक मैच बचा है इसलिए उनका भाग्य उनके हाथ में नहीं है। ईस्ट बंगाल ने आखिरी बार 'नेशनल फुटबॉल लीग' जीती थी जो आई लीग से पहले खेली जाती थी। ईस्ट बंगाल की पुरुष टीम ने 2003-04 सत्र में ट्रॉफी उठाई थी। महिलाओं की शीर्ष डिवीजन के तीसरे सत्र में ईस्ट बंगाल ने सभी चुनौतियों को आसानी से पार कर लिया।

टीम ने इस सत्र में गोकुलम केरला को छोड़कर सभी टीमों को हराया है। ईस्ट बंगाल की महिला टीम ने एक गेम रहते हुए खिताब जीता और उसका आखिरी मैच 18 अप्रैल को गोकुलम केरला के खिलाफ होगा, इसके बाद ही उन्हें आधिकारिक तौर पर ट्रॉफी सौंपी जाएगी।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

शब्द पहेली - 5834

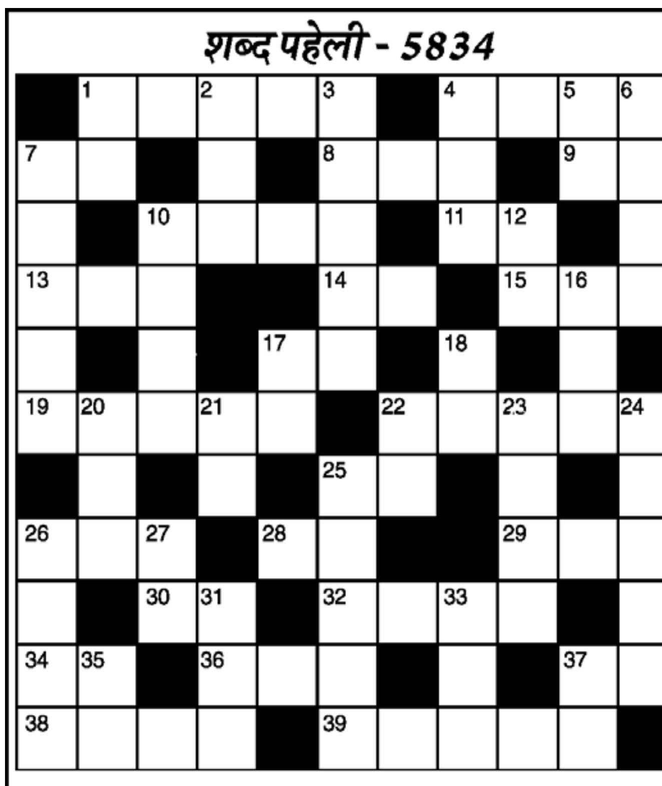

बाएँ से दाए
1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे
1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली- 5833 का हल

ग	र	म	म	सा	ला	■	क	दा	चा	र
ती	खा	■	हा	■	चा	क	र	■	र	वा
वि	■	अ	ज	ग	र	■	म	ल	■	य
धी	मा	प	न	■	■	म	■	की	म	त
ही	■	ल	■	श	ता	न	न	■	जा	■
न	म	क	दा	नी	■	मा	न	सि	क	ता
■	क	■	म	च	ल	ना	■	या	■	र
अ	र	ज	■	र	■	■	ऐ	रा	व	त
ह	■	स	द	■	न	रो	त	म	■	म्य
म	न	■	ख्र	स	म	■	बा	■	टा	पू
क	र	त	ल	■	श	रा	र	त	पू	र्ण

सूडोकु नवताल - 5844

✱✱✱✱✱ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5843 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

विक्रमोत्सव 2025

नवजागरण पर एकाग्र

आर्ष भारत प्रदर्शनी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया अवलोकन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर एकाग्र विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत शोधपीठ कार्यालय परिसर, बिड़ला भवन में प्रदर्शित भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केन्द्रित आर्ष भारत प्रदर्शनी का अवलोकन किया। भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केन्द्रित आर्ष भारत प्रदर्शनी में 100 से अधिक ऋषियों, मनीषियों, महापुरूषों के चित्रों को देशभर के चित्रकारों ने तैयार किया है। यह प्रदर्शनी भारतीय ऋषियों द्वारा दिये गये वैज्ञानिक योगदान को बताती है और यह स्पष्ट करती है कि भारतीय वैज्ञानिक परंपरा कितनी समृद्ध थी।

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी एप का लोकार्पण

उज्जैन

जो प्राचीन काल से कालगणना का प्रमुख केंद्र रहा है, विगत वर्ष यहाँ विश्व की पहली वैदिक घड़ी स्थापित की गई। यह वैदिक घड़ी भारतीय कालगणना की समृद्ध परंपरा को पुनर्जीवित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। विक्रमोत्सव 2025 में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी एप का लोकार्पण किया है। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की पहली घड़ी है। भारतीय कालगणना सर्वाधिक विश्वसनीय पद्धति का पुनरस्थापन विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के रूप में उज्जैन में किया गया है। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 29 फरवरी 2024 को किया गया। भारतीय कालगणना की इस परंपरा को व्यावहारिक बनाने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का एप भी तैयार किया जा चुका है। यह एप जीपीएस द्वारा संचालित है। जिससे यह किसी भी स्थान पर सूर्योदय के समय को सटीकता से जान पाता है और उसके अनुसार वैदिक समय की गणना करता है। यह एप 180 से अधिक भारतीय एवं वैश्विक भाषाओं में देखा जा सकता है। यह घड़ी सूर्योदय से परिचालित है। अतः जिस स्थान पर जो सूर्योदय का समय होगा उस स्थान की कालगणना तदनुसार होगी। स्टैंडर्ड टाइम भी उसी से जुड़ा रहेगा।

समृद्ध परंपरा पुनर्जीवित करने का एक प्रयास

इस एप के माध्यम से वैदिक समय, लोकेशन, भारतीय स्टैंडर्ड टाइम, ग्रीन विच मीन टाइम, तापमान, वायु गति, आर्द्रता, भारतीय पंचांग, विक्रम सम्वत, मास, ग्रह स्थिति, योग, भद्रा स्थिति, चंद्र स्थिति, पर्व, शुभाशुभ मुहूर्त, घटी, नक्षत्र, जयंती, व्रत, त्यौहार, चौघडिया, सूर्य ग्रहण, चन्द्रस ग्रहण, आकाशस्था, ग्रह, नक्षत्र, ग्रहों का परिभ्रमण आदि की जानकारी समाहित है।

प्रयास — 30 जून 2025 तक पूरे मध्यप्रदेश में होंगे आयोजन

भारतीय अस्मिता का सवा सौ दिवसीय उत्सव सनातन संस्कृति के स्वरूप से बनेगा 'कीर्तिमान'

उज्जैन

विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर एकाग्र विक्रमोत्सव 2025 का शुभारंभ केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की गरिमामय उपस्थिति में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव महाशिवरात्रि (26 फरवरी 2025) को हुआ। विक्रमोत्सव का यह प्रथम चरण सृष्टि आरंभ दिवस, वर्ष प्रतिपदा (30 मार्च 2025) को सम्पन्न हुआ और इसी दिन जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ भी किया गया। जो 30 जून 2025 तक पूरे मध्यप्रदेश की नदियों, तालाबों एवं जल संरचनाओं के संवर्धन, संरक्षण के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस वर्ष विक्रमोत्सव की शुरूआत कलश यात्रा अंतर्गत विन्टेज कार, स्पोर्ट्स बाईक व जनजातीय कलाकारों की प्रस्तुति से हुई। 51 महाशिवरात्रि मेलों, सिंहस्थ 2028 की रूपरेखा का लोकार्पण शामिल है साथ ही सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में आनंदन शिवमणि एवं दल तथा हंसराज रघुवंशी की सांगीतिक प्रस्तुति होगी। विक्रम व्यापार मेला, वस्त्रोद्योग, हाथकरघा उपकरणों की प्रदर्शनी, आदि शिल्प अंतर्गत जनजातीय शिल्प, पारम्परिक व्यंजन एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

विक्रमोत्सव 2025 : विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर एकाग्र विक्रमोत्सव 2025 भारतीय समाज को अपने ही इतिहास से परिचित करवाने का प्रयास है।

बहुआयामी और अंतर्राष्ट्रीय उत्सव का स्वरूप

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक तथा सम्राट विक्रमादित्य और उनके युग के ऐतिहासिक महत्व को पुनः जीवंत करने के उद्देश्य से 18 वर्ष पूर्व एक दिवसीय आयोजन के रूप में प्रारंभ हुआ विक्रमोत्सव, आज 125 दिनों तक आयोजित होने वाला एक भव्य, बहुआयामी और अंतर्राष्ट्रीय उत्सव का स्वरूप ले चुका है। संभवतः इतनी लंबी अवधि तक चलने वाला यह विश्व का एकमात्र उत्सव है। विगत वर्षों में विक्रमोत्सव ने देश के सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी उत्सवधर्मी पहचान को बखूबी स्थापित किया है। विक्रमोत्सव ने समय के साथ नवाचार और विविधता का समावेश करते हुए न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी अपनी पहचान स्थापित की है।

लोक समाज के लिए पर्व बना विक्रमोत्सव

विक्रमोत्सव 2025 एक इवेंट नहीं है यह लोक समाज के लिए पर्व बन चुका है। 26 फरवरी से 30 जून 2024 तक आयोजित यह समारोह देश-प्रदेश की सांस्कृतिक दुनिया का सबसे लंबी अवधि तक चलने वाला आयोजन है। विक्रमोत्सव में जनजातीय शिल्प, पारम्परिक व्यंजन, जनजातीय परंपरागत चिकित्सा शिविर, प्रदर्शनी, वेद अंताक्षरी, संगीत, नृत्य, नाटक, चित्र, मूर्तिकला, पौराणिक फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव, राष्ट्रीय विज्ञान समागम, अंतर्राष्ट्रीय इतिहास समागम, भारतीय बोलियों व हिन्दी भाषाई अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, शोध परक पुस्तकों के प्रकाशन तो इसमें शामिल है ही साथ ही भारतीय कालगणना की प्राचीनतम, प्रामाणिक एवं विश्वसनीय पद्धति पर आधारित विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के एप का लोकार्पण भी किया जा रहा है। इसके अलावा सबसे अलंकरण समारोह भी आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा सम्मान सम्राट विक्रमादित्य राष्ट्रीय सम्मान एवं तीन राज्य स्तरीय सम्राट विक्रमादित्य शिखर सम्मान प्रदान किये।

दुनिया का अनोखा उत्सव

विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नवजागरण और भारत विद्या पर एकाग्र विक्रमोत्सव 2025 भारतीय समाज को अपने ही इतिहास से परिचित करवाने का प्रयास है। विक्रमोत्सव एक आयोजन मात्र नहीं है बल्कि यह उस भारतीय परम्परा का द्योतक है जहाँ हम अपने पूर्वजों का पुण्य स्मरण करते हैं और उनके बताये रास्ते पर चलकर भारतवर्ष को नित नयी ऊँचाई तक पहुँचाने का विनम्र कोशिश करते हैं। वर्ष 2006 से निरंतर विक्रमोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है। विगत समय में इसमें ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, वैचारिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक, सामाजिक, व्यावसायिक तथा विरासत व विकास के विभिन्न आयामों को समाहित किया गया है। इसका नवाचार इसे दुनिया में अपने तरह का अनोखा उत्सव बनाता है।

अलंकरण समारोह...महाराजा विक्रमादित्य राष्ट्रीय सम्मान

यह सम्मान सम्राट विक्रमादित्य के बहुविध गुणों न्याय, दानशीलता, वीरता, सुशासन, खगोल एवं ज्योतिष विज्ञान, कला, शौर्य, प्राच्य वांग्मय, राजनय, आध्यात्मिक और रचनात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्य के क्षेत्र में श्रेष्ठतम उपलब्धियों एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया। यह सम्मान प्रतिवर्ष प्रदान किया जायेगा। इस सम्मान के अंतर्गत पुरस्कार के रूप में 21 लाख रुपये की राशि के साथ प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान पट्टिका प्रदान की जायेगी।

सम्राट विक्रमादित्य शिखर सम्मान

यह सम्मान सम्राट विक्रमादित्य के बहुविध गुणों न्याय-विधि, खगोल एवं ज्योतिष विज्ञान, कल्प, शौर्य, प्राच्य वांग्मय, राजनय, आध्यात्मिक क्षेत्र रचनात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्य के क्षेत्र में श्रेष्ठतम उपलब्धियों एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया। यह सम्मान प्रादेशिक होगा। यह सम्मान प्रतिवर्ष तीन प्रतिष्ठित संस्था व व्यक्तियों को प्रदान किये जायेंगे। पहली श्रेणी न्याय, दानशीलता, वीरता, सुशासन, राजनय, शौर्य होगी। दूसरी श्रेणी में खगोल विज्ञान, ज्योतिष विज्ञान तथा प्राच्य वांग्मय विषय को सम्मिलित किया गया है और तीसरी श्रेणी में रचनात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्य करने वाली संस्था या व्यक्ति को सम्मान से अलंकृत किया जायेगा। इस सम्मान के अंतर्गत पुरस्कार के रूप में 5 लाख रुपये की राशि के साथ प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान पट्टिका प्रदान की जावेगी।

12 से 14 अप्रैल तक दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर होगा आयोजन

सीएम मोहन यादव ने किया ऐलान- लाल किले पर होगा विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन

भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में विक्रमोत्सव के अंतर्गत सम्राट विक्रमादित्य के महानाट्य के महामंचन की घोषणा की। यह भव्य कार्यक्रम 12 से 14 अप्रैल तक दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें सम्राट विक्रमादित्य के शासन और उनके द्वारा स्थापित सुशासन के सिद्धांतों पर आधारित मंचन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का कहना है कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है और उनका व्यक्तित्व आज भी लोगों को प्रेरित करता है। इस महानाट्य में 250 से अधिक कलाकार अभिनय करेंगे, जिसमें हाथी, घोड़े और पालकी का भी प्रयोग होगा। यह प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य के साम्राज्य और उनके योगदान को जन-जन तक पहुँचाने का एक प्रयास है। पहले हैदराबाद

में भी विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन किया जा चुका है, और अब दिल्ली में इसे और भी भव्य रूप में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विक्रम संवत के 60 विभिन्न नामों का उल्लेख करते हुए कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने 57 ईस्वी पूर्व में विक्रम सम्वत की शुरुआत की थी, जिसे आज भी प्रचलित किया गया है। यह संवत भारत की गौरवमयी सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बन चुका है। सम्राट विक्रमादित्य का शासन, उनकी न्यायप्रियता, दानशीलता और प्रजा के प्रति संवेदनशीलता आज भी प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने विक्रमादित्य के शासन में नवरत्नों के समूह का उल्लेख किया, जो उनकी शासन व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे। ये नवरत्न विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ थे और उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य के शासन को सुचारू रूप से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों में भी अपनी महिमा का परचम लहराया था। सम्राट विक्रमादित्य के द्वारा किए गए कार्य, जैसे कि मथुरा और अयोध्या में मंदिरों का निर्माण, आज भी उनके योगदान को प्रासंगिक बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार किसानों को कर्ज मुक्त करने की दिशा में लगातार काम कर रही।

सम्राट विक्रमादित्य के कार्यकाल की समानता

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए कार्यों को सम्राट विक्रमादित्य के शासनकाल से जोड़ते हुए कहा कि विक्रमादित्य ने 2000 साल पहले गणतंत्र की स्थापना की थी और कभी खुद को राजा नहीं कहा। यह आधुनिक भारत की दिशा और प्रधानमंत्री मोदी की सोच के समान है, जो खुद को देश का प्रधान सेवक मानते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मध्य प्रदेश सरकार विक्रमादित्य के जीवन और उनके कार्यों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है।

गौरव — उज्जैन का गौरव महाकाल है, महाकाल की महिमा अपूर्व हैः पीएम मोदी

उज्जैन की धरती पर धर्म, संस्कृति और परंपराओं का महाकुंभ

आकाशे तारकेलिंगम, पाताले हाटकेश्वरम।
मृत्युलोके महाकालं, त्रयलिंगम नमोस्तुते।।

अर्थात आकाश में तारकालिंग, पाताल में हाटकेश्वर, तथा पृथ्वीलोक में महाकाल हैं। महाकाल की महानता सर्वव्यापी है। इस भूलोक में महाकाल कहां विराजित हैं इस जिज्ञासा की पूर्ति के लिए वराह पुराण में कहा गया है कि "नाभिदेशे महाकालस्तन्नाम्ना तत्र वै हरः"। यह नाभिदेश उज्जैन ही है। उज्जैन का गौरव महाकाल है महाकाल की महिमा अपूर्व है।

शिव पुराण के अनुसार द्वादश ज्योतिर्लिंगों में महाकाल प्रसिद्ध है क्योंकि वे स्वयं कालों के काल हैं। कर्क रेखा उज्जैन से ही गुजरती है, जिसके केन्द्र के रूप में कर्कराजेश्वर मंदिर विद्यमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कहा गया है कि भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन वह नगरी है, जो प्रलय के प्रहार से भी मुक्त है। "प्रलयो न बाध्यते, ततमहाकाल पूज्यते"। उज्जैन न केवल काल गणना एवं ज्योतिषिय गणना का केन्द्र है, अपितु यह भारत की आत्मा का केन्द्र भी है। विक्रमादित्य के प्रताप से भारत के स्वर्णकाल की शुरूआत हुई। विक्रम संवत महाकाल की भूमि से ही शुरू हुआ। उज्जैन के क्षण-क्षण में इतिहास, कण-कण में आध्यात्म और कोने-कोने में ईश्वरीय ऊर्जा है। उज्जैन ने एक हजार वर्षों तक भारत की सभ्यता, संस्कृति, ज्ञान, गरिमा, साहित्य, कला का नेतृत्व किया। कालिदास एवं बाणभट्ट की रचनाओं में

यहाँ की सभ्यता, संस्कृति, शिल्प और वैभव का वर्णन मिलता है।'श्री महाकाल लोक' दिव्य है। यहाँ सब कुछ अलौकिक, अविस्मरणीय एवं अविश्वसनीय है '। महाकाल लोक में हमारी सांस्कृतिक परम्परा को कला एवं शिल्प के रूप में उकेरा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की प्रगति और विकास के लिए मध्यप्रदेश सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैनी के महत्व का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि उज्जैनी में संपूर्ण सृष्टि समाहित है। विश्व के सात सागर प्रतीक स्वरूप उज्जैन के सप्त-सागर में विद्यमान है, 84 लाख योनियों का प्रतिनिधित्व उज्जैन का 84 महादेव मंदिर करता है। द्वारिका सहित हमारी कई ऐतिहासिक और पौराणिक घटनाओं की पुष्टि वर्तमान का ज्ञान और आधुनिक यंत्र करते हैं। राजा विक्रमादित्य न्याय के प्रतीक थे। विक्रमोत्सव भव्य स्वरूप से आयोजित होगा। प्रदेश में औद्योगिक विकास की बहुत संभावनाएं हैं। इन्हें साकार किया जाएगा।

राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन एवं विज्ञान उत्सव

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, खगोल विज्ञान, जीआईएस एंड रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग, कृषि एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप, इनोवेश स्किल डेवलपमेंट, भारतीय ज्ञान विज्ञान परंपरा तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर व्याख्यान एवं परिचर्चा। विद्यार्थियों के लिए फेस टू फेस इंटरेक्शन। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आधारित कार्यशालाएँ। साइंस शो, साइंटिफिक मॉडल कांपटीशन टेलिस्कोप से नाइट स्काई वाचिंग। प्रदेश के 300 से अधिक युवा शोधार्थियों द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के 18 विषयों में शोध पत्र का वाचन। उत्कृष्ट शोध पत्रों को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार एवं फैलोशिप। विभिन्न विषयों में 30 से अधिक युवा वैज्ञानिक पुरस्कार। प्रथम पुरस्कार राशि रु. 25000/-, द्वितीय पुरस्कार राशि रु. 20000/- तृतीय पुरस्कार राशि रु. 15000/-। सभी प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान/प्रयोगशाला में शोधकार्य एवं कौशल उन्नयन हेतु तीन से छह माह तक फैलोशिप 20000/- प्रतिमाह।

विक्रमोत्सव प्रदर्शनी

उज्जैनवासियों ने देखे सैंकड़ों साल पुराने तोप के गोले

उज्जैन

विक्रमोत्सव में इस बार एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। बिड़ला भवन सम्राट विक्रमादित्य शोधपीठ परिसर में प्राचीन अस्त्र-शस्त्रों की यह प्रदर्शनी शुरू हुई है। अश्विनी शोध संस्थान महिदपुर के निदेशक डॉ. आरसी ठाकुर के अनुसार, प्रदर्शनी में सैकड़ों साल पुराने शस्त्र रखे गए हैं।

प्रदर्शनी में 1817 के एंग्लो-मराठा युद्ध से जुड़े हथियार भी प्रदर्शित किए गए हैं। महिदपुर में हुए इस युद्ध में तीन हजार मराठा सैनिकों ने 20 दिसंबर 1817 की रात बलिदान दिया था। युद्ध क्षेत्र से प्राप्त तोप के गोले, संगीन और टूटी तलवारें भी यहां रखी गई हैं। प्रदर्शनी में धातु और कछुए की पीठ से बनी ढालें भी शामिल हैं। इनका उपयोग तलवार के वार से बचाव के लिए किया जाता था। इस प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण 80 किलोग्राम वजनी लोहे का बख्तरबंद चोगा है।

प्रदर्शनी में रखे ये हथियार

पुरानी लोहे व तांबे की तलवारें, बर्छी, कवच, तोप के गोले, बारूद दानी, ढाल, कंठ पट्टा, वज्र, अंकुश, खंजर, दंड पट्ट, बख्तरबंद, धनुष बाण, कुल्हाड़ी, मुरकी, पुराने समय की दूरबीन, कुकरी, शिरस्त्राण, मशालें, महिला सुरक्षा के लिए संगीन, फरसे, भाले, हाथी दांत से बनी डस्ट गन जिसमें दुश्मन पर वार करने के लिए जहरीली सुई फूंकी जाती थी। सुरक्षा के लिए संगीन, फरसे, भाले, हाथी दांत से बनी डस्ट गन जिसमें दुश्मन पर वार करने के लिए जहरीली सुई फूंकी जाती थी। पीतल से बनी दूरबीन, मशाल के साथ ही पांच करोड़ साल पुराने जीवाश्म भी प्रदर्शनी में रखे गए हैं।

D-19003/25

परिणामों में लापरवाही पर सिहोरा के 200 छात्रों ने रादुविवि घेरा

परीक्षा में उपस्थित छात्रों को बता दिया गैरहाजिर

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब श्याम सुंदर अग्रवाल कॉलेज, सिहोरा के करीब 150 से 200 छात्र-छात्राएं अचानक विश्वविद्यालय पहुंचे और परीक्षा परिणाम में गड़बड़ियों को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

हरिभूमि जबलपुर।

छात्रों का आरोप था कि बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की मुख्य परीक्षा में उन्हें सप्लीमेंट्री आई थी, जिसके बाद उन्होंने पुनः परीक्षा दी। हाल ही में आए रिजल्ट में फिर से उन्हें 1, 2 या 3 अंकों से सप्लीमेंट्री दे दी गई है। इतना ही नहीं, कई छात्र जो परीक्षा में उपस्थित थे, उन्हें अनुपस्थित दिखाया गया है। कुछ विद्यार्थियों को तो पिछले साल का ही रिजल्ट दोबारा दे दिया गया है, जबकि कुछ को केवल 1 अंक दिए गए हैं। जब विश्वविद्यालय में कोई जिम्मेदार अधिकारी से मिलने के लिए छात्रों को काफी देर इंतजार करना पड़ा, तो वे नाराज होकर सीधे कुलसचिव कार्यालय में घुस गए और वहां जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों की बढ़ती नाराजगी को देखते हुए प्रभारी कुलसचिव डॉ. सुरेंद्र सिंह और परीक्षा नियंत्रक मौके पर पहुंचे और छात्रों से बातचीत की।

विरोध कर रहे छात्रों का नेतृत्व कर रहे एनएसयूआई के अचलनाथ ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह पूरी तरह परीक्षा परिणाम में लापरवाही और प्रशासन की विफलता है। उन्होंने बताया कि कई छात्रों का भविष्य इस गड़बड़ी की वजह से अधर में लटक गया है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कुलगुरु के नाम एक ज्ञापन सौंपा है जिसमें चेतावनी दी गई है कि यदि एक सप्ताह के भीतर परीक्षा परिणामों में सुधार नहीं किया गया तो वे हज़ारों छात्रों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेंगे। इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली स्थिति की पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

3 दशक से भारतीय सेना कर रही थी सीओडी के उत्पाद का उपयोग

5 हजार एसएलआर राइफलें केरल पुलिस को की सप्लाई

हरिभूमि जबलपुर।

स्वचलित राइफल (एसएलआर) अब देश की आतंरिक सुरक्षा में तैनात पुलिस को दी जा रही हैं। गौरतलब है कि पिछले तीन दशकों से 7.62 मिमी स्वचलित राइफल भारतीय सेना का मुख्य हथियार रही है। केंद्रीय आयुध डिपो (सीओडी) जबलपुर लगातार सैन्य की सक्रिय सेवा से बाहर हुए एसएलआर में नई जान भरने का काम किया जा रहा है। हाल ही में केरल पुलिस को बड़ी मात्रा एसएलआर की सप्लाई की गई हैं। वहीं इसके पूर्व बिहार पुलिस को 5 हजार राइफल्स की खेप पहले सौंपी जा चुकी हैं।

आर्मी मुख्यालय से जारी हुई जानकारी के मुताबिक जबलपुर में स्थित केंद्रीय आयुध डिपो (सीओडी) ने विभिन्न पुलिस सेवाओं की शस्त्रागार को मजबूत करने के लिए उपयोग योग्य स्वचालित राइफलों की पहचान करने और उन्हें पुनर्जनन करने के लिए कठोर प्रयास शुरू किया। अब तक सात राज्य पुलिस को एसएलआर वितरित करने के बाद, इस डिपो ने परंपरा को जारी रखते हुए केरल पुलिस को 5 हजार एसएलआर राइफलें प्रदान की हैं।

सीओडी जो सैन्य सूची प्रबंधन और रखरखाव में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है ने उन एसएलआर राइफलों को पुनर्जनन पर ध्यान केंद्रित किया है, जिन्हें सेवा में वापस लाया जा सकता है। सावधानीपूर्वक निरीक्षण और पुनर्जनन प्रक्रियाओं का उपयोग करते हुए, डिपो का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ये राइफलें पहाड़ी और शांतिपूर्ण राज्य के कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा परिचालन उपयोग के लिए आवश्यक मानकों को पूरा करें।

उपार्जन, तुलाई और नीलामी प्रभावित होगी

3 दिन के अवकाश से मंडियों में बढ़ा दबाव

हरिभूमि जबलपुर।

आज माह के द्वितीय शनिवार, कल रविवार और सोमवार को अंबेडकर जयंती पर अवकाश के कारण सरकारी काम काज के साथ साथ कृषि उपज मंडी के कामकाज पर भी असर पड़ा है। चूंकि मंडी के अधिकारी, कर्मचारी तीन दिन अवकाश पर रहेंगे। लिहाजा मंडी पर लोडिंग, अनलोडिंग, खरीदी और बिक्री का दबाव बढ़ गया था। तीन दिन के अवकाश के कारण गेहूं उपार्जन सहित अन्य काम भी प्रभावित हो रहे है। यही वजह है कि शुक्रवार को किसानों और व्यापारियों की भारी भीड़ देखी गई। कमोबेश यही स्थिति जिले की सिहोरा, पनागर, पाटन, उपमंडियों में देखी गई।

सूत्रों की मानें तो मंडी प्रशासन और कर्मचारी भले ही खुलकर काम पर असर नहीं मान रहे हों, लेकिन लगातार छुट्टियों से उपार्जन कार्य, तुलाई, भुगतान और नीलामी जैसे अहम काम रुक गए हैं। खासकर बैंक भी बंद रहने के कारण लेखा-जोखा संबंधी कार्य भी ठप रहेगा।

किसानों का कहना है कि इस तरह लगातार छुट्टियों से मंडियों में अव्यवस्था फैल रही है और उनकी फसलें लंबे समय तक बिकने के इंतजार में पड़ी रहती हैं, जिससे नुकसान होता है।

क्रिकेट सट्टा खिलाते आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। गोहलपुर थाना अतंर्गत रेयान स्कूल के पास पुल के ऊपर बैठकर आईपीएल क्रिकेट का सट्टा खिला रहे एक सटोरिए को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 मोबाइल और 1 लैपटॉप जब्त किया है। गोहलपुर थाना प्रभारी श्रीमति प्रतीक्षा मार्को ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर रेयान स्कूल के पास पुल के ऊपर बैठकर लेपटाप में एलटी 777 एप आरसीबी विरूद्ध दिल्ली के आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा खिला रहे त्रिमूर्तिनगर गोहलपुर निवासी 35 वर्षीय पंकज धुर्वे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक एसर कम्पनी का लेपटाप एवं सेमसंग कम्पनी का मोबाइल जप्त करते हुये आरोपी कि विरूद्ध धारा 4(क) सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

कटंगा में विवादित निर्माण हटाने आदेश, कैंट बोर्ड ने जारी किया सोसायटी को नोटिस

जबलपुर। कटंगा क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य को लेकर एक बार फिर विवाद बढ़ गया है। जबलपुर कैंटोनमेंट बोर्ड ने कल्याणकारी गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित संस्था को नोटिस जारी कर तीन दिनों के अंदर निर्माण हटाने का आदेश दिया है। विवादित जमीन को सेना के लिए आरक्षित भूमि बताया जा रहा है, जो कैंट बोर्ड के रिकॉर्ड में रक्षा भूमि सर्वे नंबर 59 के रूप में दर्ज है। वहीं, सोसायटी का कहना है कि यह भूमि राजस्व ग्राम गोरखपुर का हिस्सा है और उन्हें शासन व न्यायालय के आदेश के तहत आवंटित की गई है। कैंट बोर्ड का कहना है कि सोसायटी ने इस भूमि पर निर्माण के लिए न तो कोई अनुमति ली है और न ही आवेदन दिया है। निरीक्षण में पाया गया कि यहां प्रीकास्ट आरसीसी बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया है, जो कैंट अधिनियम 2006 की धारा 261(1) का उल्लंघन है। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर निर्माण नहीं हटाया गया, तो धारा 261(2)(ए) के तहत कार्रवाई करते हुए खुद निर्माण को तोड़ दिया जाएगा।

एमपी ट्रांसको ने सुहागी में दुर्घटना के बाद की कार्रवाई

हादसे का कारण बने भवन का निर्माण तोड़ा

हरिभूमि जबलपुर।

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांस्को) की एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के समीप के उस निर्माण को शुक्रवार को एमपी ट्रांसको के अधिकारियों की उपस्थिति में तोड़ा गया ,जिसके कारण कल सुहागी सरस्वती कॉलोनी टी आई बंगले के पास एक हादसे में निर्माण कार्य कर रहा मिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया था। एम पी ट्रांसको के मुख्य अभियंता संदीप गायकवाड ने बताया कि एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइनों के समीप व लाइनों के इंडक्शन जोन में बने अनाधिकृत निर्माण के कारण हादसे की आशंका रोकने व मानव जीवन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से इस निर्माण को तोड़ा गया। उन्होंने कहा कि इस तरह के असुरक्षित निर्माण न करने के लिए मकान मालिक को समझाइश दी गई और उन्हें बताया गया कि ट्रांसमिशन लाइनों के समीप निर्माण करने के क्या-क्या खतरे हैं?

जबलपुर में दिये गये 600 नोटिस

मुख्य अभियंता श्री गायकवाड़ ने बताया कि जबलपुर में ऐसे चिन्हित लगभग 150 स्थानों के निर्माण जो मानव जीवन के लिए घातक और असुरक्षित है और जहां पर अनाधिकृत निर्माण पाया गया है उन लोगों को करीब 600 नोटिस विगत वर्षों में जारी किये गए हैं। हादसों के लिए अति संवेदनशील इन क्षेत्रों के मकान मालिकों को पूर्व में भी नोटिस जारी किये गए हैं। अब उन्हें पुनः नोटिस देने के साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी समझाइश दी जा रही है।
इसके अलावा मुनादी करवा कर सचेत भी किया जा रहा है ताकि ट्रांसमिशन लाइनों के समीप निर्माण के खतरों से वो अवगत हो सकें। यदि समझाइश के बाद भी मकान मालिकों द्वारा ये निर्माण नहीं तोड़े गए तो एमपी ट्रांसको, प्रशासन की मदद से आवश्यक कार्रवाई करेगा।

कार्रवाई में यह अधिकारी थे शामिल

अनाधिकृत निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई में एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता अनिल लाठी,कार्यपालन अभियंता एपीएस चौहान एवं सहायक अभियंता जितेंद्र तिवारी सहित अन्य शामिल रहे, जिन्होने पूरी सजगता और सतर्कता से मानव जीवन के लिए घातक इस निर्माण को तुड़वाकर उनका जीवन सुरक्षित किया।

नियुक्ति देने के लिए अभ्यावेदन पर करो विचार

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने आयुक्त लोक शिक्षण भोपाल और ज्वाइंट डायरेक्टर रीवा को निर्देश दिए हैं कि याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन पर विचार कर उसे नियुक्ति देने के संबंध में अंतिम निर्णय पारित करें। जस्टिस डीडी बंसल की सिंगल बेंच ने इसके लिए 90 दिन की मोहलत दी है। बुरहानपुर निवासी गजानंद सोनवने की ओर से अधिवक्ता रोहिणी प्रसाद तिवारी, अशोक तिवारी व धर्मेंद्र पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता का चयन माध्यमिक शिक्षक के रूप में रीवा संभाग के सीधी जिले में हुआ था। विभाग द्वारा पहली सूची में उसका नाम प्रकाशित नहीं किया। इसके बाद 7 अगस्त 2023 को सीधे नियुक्ति पत्र जारी कर उसकी सूची रीवा संभाग के पोर्टल पर अपलोड कर दी। याचिकाकर्ता को एक अन्य उम्मीदवार के माध्यम से जनवरी 2025 में इसकी जानकारी मिली। याचिकाकर्ता ने तत्काल 29 जनवरी 2025 को विभाग को अभ्यावेदन दिया, लेकिन उसे नौकरी देने से इनकार कर दिया गया। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने विभाग को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन का निराकरण करें।

हत्या के प्रयास पर पांच वर्ष की सजा व जुर्माना

जबलपुर। जिला अदालत ने हत्या के प्रयास के आरोपित जोधपुर पड़ाव, जबलपुर निवासी संजू अहिरवार का दोष सिद्ध पाया। अपर सत्र न्यायाधीश बृजेश सिंह की कोर्ट ने आरोपित को पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दो हजार रुपये जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक संजय वर्मा ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि आरोपित ने पांच जनवरी, 2024 को रात्रि को लगभग 11.30 बजे तिलवारा थाना की परिसीमा में फरियादी रोहित सोनकर की गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया था। गंभीर रूप से घायल रोहित को अविलंब अस्पताल ले जाया गया। यदि समय पर अस्पताल न ले जाते तो उसकी जान जा सकती थी। इसीलिए तिलवारा पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया।

अदालत ने वाहन मालिक-चालक व बीमा कंपनी के विरुद्ध वाद किया निरस्त

जिस वाहन से मौत का दावा, उससे नहीं हुआ था एक्सीडेंट

हरिभूमि जबलपुर।

जिला मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने वाहन मालिक-चालक व बीमा कंपनी के विरुद्ध वाद को सिद्ध न पाते हुए निरस्त कर दिया। पीठासीन सदस्य संजोग सिंह वाघेला की अदालत ने कहा कि जिस वाहन से मौत का दावा किया गया था, उसी से दुर्घटना हुई, यह तथ्य साबित नहीं किया जा सका।

सुनवाई के दौरान अनावेदक इंश्योरेंस कंपनी की ओर से अधिवक्ता ने दलील दी कि चंद्रा बाई ने सड़क दुर्घटना में पति रामप्रसाद की मृत्यु का हवाला देकर क्षतिपूर्ति राशि का दावा पेश किया है। दावे में कहा गयाा है कि रामप्रसाद मोटर साइकिल से जा रहे थे, तभी बरमबाबा के समीप आम रोड पर तेजगति भारी वाहन ने टक्कर मार दी। इससे मृत्यु हो गई। लेकिन जिस वाहन से दुर्घटना का जिक्र किया गया, टक्कर उसी वाहन ने मारी थी, यह बात सिद्ध नहीं हो पाई है। लिहाजा, वाद निरस्त करने योग्य है। अदालत इस तर्क से सहमत हो गई। इसी के साथ वाद निरस्त कर दिया।

40 डिग्री के पार, पारे की तपन बरकरार

तेज हवाएं चलने और बूंदाबांदी की संभावना

हरिभूमि जबलपुर।

पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम में अचानक तब्दीली आई है। हालांकि शुक्रवार को मौसम दिन भर साफ रहा और पारा 40 डिग्री के ऊपर बना रहा जिससे लोगों को तीखी गर्मी का एहसास हुआ। वहीं दूसरी और मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटे के दौरान तेज हवाओं साथ झंझावत और झोंकेदार हवा चल सकती है। संभाग के जिलों में कही कही गरज चमक के साथ हल्की वर्षा या पानी की बौछारे पड़ सकती है। शुक्रवार को पारा 40 डिग्री के पार रहा। दोपहर में धूप चुभ रही थी और सूर्यास्त के बाद भी गर्म हवाओं के थपेड़े चल रहे थे। भीषण गर्मी से सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। बाजारों में चहल-पहल शाम ढलने के बाद शुरु हुई। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव अभी बना हुआ है अचानक अभी मौसम बदल सकता है। लेकिन गर्मी अपना प्रभाव बना रही है अब दिन के साथ साथ रात में भी तेज गर्मी का एहसास हो रहा है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार विदर्भ में पश्चिमी विक्षोभ फिर सक्रिय होने से मौसम में बदलाव होने के संकेत मिल रहे हैं। हवा के कम दबाव वाला क्षेत्र यदि मप्र की ओर बढ़ा तो बादल छायेंगे और बूंदाबांदी भी हो सकती है फिलहाल मौसम शुष्क बना हुआ है पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकत्तम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 22.06 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातः 53 प्रतिशत और सायंकाल 29 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह प्रातःकाल 5.52 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम ६.30 मिनिट पर हुआ। उत्तर-पश्चिमी हवायें 5 से 6 किलोमीटर की प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। प्रदेश में सबसे अधिक 42.3 डिग्री तापमान धार जिले में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 32.5 और न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

आंगनबाड़ी सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक खुलेंगी

जबलपुर। तापमान में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुये कलेक्टर दीपक सक्सेना ने आदेश जारी कर जिले में स्थित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की सेवाओं के समय में 30 जून तक के लिये परिवर्तन किया है। बच्चों के स्वास्थ्य के मद्देनजर जारी इस आदेश के मुताबिक जिले में स्थित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों की सेवायें अब सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक जारी रहेंगी। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और 30 जून तक प्रभावी रहेगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को आंगनबाड़ी केंद्रों में उपस्थित होकर सुबह 7.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक विभागीय गतिविधियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा।

हनुमानताल पुलिस ने की कड़ी कार्रवाई, आरोपी को भेजा जेल

धार्मिक भावना भड़काने के आरोपी पर लगाया एनएसए

जबलपुर। सोशल मीडिया पर अमर्यादित टिप्पणी कर धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोपी के खिलाफ हनुमानताल पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के प्रतिवेदन पर जिला दण्डाधिकारी दीपक सक्सेना द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वारंट जारी किया गया, इसके बाद पुलिस ने आरोपी अब्दुल मजीद को गिरफ्तार कर सेंट्रल जेल भेज दिया। हनुमानताल थाना प्रभारी धीरज राज ने बताया कि सिरसातले गोहलपुर निवासी 36 वर्षीय अब्दुल मजीद ने पिछले दिनों वाट्सएप चैट के माध्यम से हिन्दू देवी देवताओं के खिलाफ अप्रिय, अमर्यादित अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया था। इसके बाद सांप्रदायिक तनाव की स्थिति बन गई थी। हिन्दू संगठनों ने सराफा में धरना प्रदर्शन किया। मामलें की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण किया और आरोपी पर कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था। यहां उल्लेखनीय है कि अब्दुल मजीद के विरुद्ध पूर्व में भी वर्ष 2024 में धार्मिक भावना आहत करने के आरोप में माढ़ोताल थाना में प्रकरण दर्ज किया जा चुका है। आरोपी के दोहराए गए आपत्तिजनक व्यवहार को देखते हुए पुलिस अधीक्षक उपाध्याय ने इसे गंभीर प्रकृति का अपराध मानते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3 सहपठित धारा 2 के तहत कार्रवाई का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा समय-समय पर सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से प्रचारित एवं प्रसारित भी कराया गया है कि ऐसी कोई भी पोस्ट जिससे साम्प्रदायिक सौहर्द्र बिगड सकता है, ऐसी पोस्ट करने वाले के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

सांसद और महापौर की गैर मौजूदगी से भाजपा में मची खलबली

हवाई सेवा परिचर्चा से भाजपा में छिड़ी नई चर्चा

हरिभूमि, जबलपुर।

हाल ही में जबलपुर में एयर इंडिया एक्सप्रेस कमर्शियल चीफ आफिसर की मौजूदगी में जबलपुर से उड़ानों की आवश्यकता और उपयोगिता के संदर्भ में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह द्वारा आयोजित कराई गई परिचर्चा जहां शहर विकास को लेकर चर्चाओं में आई, तारीफ हुई। लेकिन दूसरी तरफ इस परिचर्चा के बाद भाजपा के अंदर एक नया विवाद छिड़ गया और पार्टी के अंदर गुटबाजी की खलबली देखी जा रही हैं।

दरअसल इस परिचर्चा में जबलपुर लोकसभा के सांसद आशीष दुबे की गैरमौजूदगी में एक बार फिर पार्टी के अंदर गुटबाजी की खबरों को सुर्खियों में ला दिया। कहा जा रहा इस बैठक में सांसद को आमंत्रित नहीं किया गया था, जबकी वह शहर में मौजूद थे। जबकि एक तर्क यह भी है की पार्टी संगठन के कार्यक्रमों के चलते सांसद बैठक में नहीं पहुंच पाए। मामला कुछ भी हो पार्टी में गुटबाजी की चर्चा छिड़ गई है। इसके पूर्व भी नगर निगम के विषयों से जुड़ी बैठक में जहां निगम अधिकारी बुलाए गए, लेकिन महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू नदारद रहे। वहां भी यही चर्चा निकली की उन्हें भी बैठक में नहीं बुलाया गया था। फिर बाद में यह कहकर कि महापौर अस्वस्थ्य थे, इसलिये बैठक में नहीं आए और मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की गई।

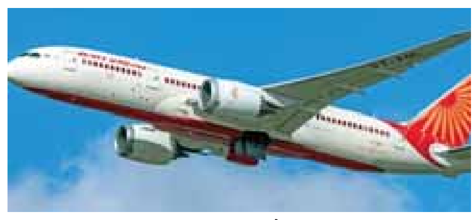

साफ देखा जा रहा दबदबा

इन दिनों सत्ता और संगठन के बीच सिर्फ और सिर्फ मंत्री राकेश सिंह का दबदबा नजर आ रहा है। यही वजह है कि अन्य नेता अपने वजूद को तलाश रहे हैं या तो सार्वजनिक बैठकों में बुलाए नहीं जाते, या वो खुद बैठकों से दूरी बना लेते हैं। यह स्थिति जबलपुर भाजपा में बीते 2 साल से बनी हुई है। लेकिन अब स्पष्ट रूप से साफ-साफ नजर आने लगी है।

पहले नहीं होता था ऐसा

अपनों को उपकृत करना, सवाल करने वालों को नजर अंदाज करने जैसे चीजों जो जबलपुर भाजपा में कभी नहीं थी। अब खुलकर होती दिख रही हैं। यह सब अब इस स्तर पर हो रहा है कि आम शहरवासी भी इसे नोटिस कर रहा है और कह रहा है। संगठित अनुशासित भाजपा में अब सब कुछ पहले जैसा नहीं रहा।

वरिष्ठ भाजपाईयों में चिंता

वहीं वरिष्ठ और वैचारिक भाजपाई की चिंता यह है की भाजपा की नई पीड़ी जो यह सब देख और समझ रही है, वो क्या सीखेगी और आगे जाकर क्या करेगी। संघ और प्रदेश भाजपा स्तर की समीक्षा बैठकों में कई बार इस बात की तरफ ध्यानाकर्षण कराया गया है। जहां जिम्मेदारों ने चिंता भी व्यक्त की है. लेकिन समाधान किसी के पास कुछ नहीं है। एक बात जो स्पष्ट है वो यह की यदि इस स्थित पर ध्यान नहीं दिया गया, तो फिलहाल दो फाड़ दिख रही जबलपुर भाजपा जल्द कई फाड़ नजर आएगी।

सांसद शहर में फिर क्यों नहीं आए

शहर में चर्चा का विषय बन चुकी हवाई सेवा उड़ानों की बैठक में सांसद आशीष दुबे नहीं आये जो की गुटबाजी का संकेत नजर आ रहा है, आम चर्चा है की भले ही मध्य प्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग मंत्री 20 साल सांसद रहे हो लेकिन वर्तमान में आशीष दुबे सांसद है इसलिए बैठक में उनका पहुंचना बहुत जरूरी था। क्योंकि हवाई उड़ानों का जो मसला है वह सीधा केंद्र से जुड़ा हुआ है और केंद्र में अपनी बात सांसद आशीष दुबे ही रख सकते हैं।

बिना कंप्यूटर के कंप्यूटर का प्रशिक्षण

जबलपुर।

मध्यप्रदेश में ई-ऑफिस प्रणाली के तहत कर्मचारियों को डिजिटल दक्षता बढ़ाने हेतु चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में गंभीर अव्यवस्थाएं सामने आई हैं। जबलपुर के तहसीली कार्यालय के प्रथम तल पर आयोजित इस प्रशिक्षण में बिना कंप्यूटर के प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में भारी असंतोष देखा गया।

प्रशिक्षण में शामिल कर्मचारियों का कहना है कि जितने कंप्यूटर उपलब्ध हैं, उससे कहीं अधिक संख्या में कर्मचारियों को बुला लिया गया है। इससे प्रशिक्षण केवल औपचारिकता बनकर रह गया है, जबकि विभागों को प्रशिक्षण शुल्क तो मिल ही जाएगा, परंतु कर्मचारियों को वास्तविक ज्ञान नहीं मिल पाएगा।गर्मी के इस मौसम में प्रशिक्षण स्थल पर बैठने की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। कुछ ही पंखे कार्य कर रहे हैं, जबकि कूलर, एसी, या ठंडे पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। शुक्रवार दोपहर 12:58 बजे के समय पर महिलाओं सहित कई कर्मचारी गर्मी और अव्यवस्था के कारण परेशान दिखे।ई-ऑफिस एक तकनीकी और प्रायोगिक प्रणाली है, लेकिन जब तक कर्मचारियों को प्रैक्टिकल रूप से नहीं सिखाया जाएगा, तब तक इस प्रणाली की सफलता पर प्रश्नचिन्ह बना रहेगा।

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला संयोजक अटल उपाध्याय, देवेन्द्र पचौरी, अलोक अग्निहोत्री, नरेश शुक्ला, रजनीश पांडेय, के. जी. पाठक, अजय सिंह ठाकुर, योगेंद्र मिश्रा, राजू मस्के, अरुण पटेल, शैलेष गौतम, रामदास बरकडे और सतीष उपाध्याय ने मिलकर प्रशासन से मांग की है कि सभी प्रशिक्षुओं को व्यक्तिगत कंप्यूटर उपलब्ध कराए जाएं, बैठने की पर्याप्त व्यवस्था की जाए, ठंडे पानी, कूलर/एसी, और साफ-सुथरे बाथरूम की सुविधा सुनिश्चित की जाए. संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन मांगों पर अमल नहीं हुआ, तो कर्मचारियों के भविष्य और शासन की डिजिटल योजनाओं दोनों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

हमले के विरोध में धरने पर बैठे टेलीकाम कर्मी

जबलपुर। रिछाई स्थित बीएसएनएन टेलीकाम फैक्ट्री में रात्रीकालीन ड्यूटी पर तैनात इलेक्ट्रीशियन रघुनंदन सिंह व अन्य सुरक्षा कर्मियों के साथ फैक्ट्री का ताला तोड़कर घुसे चोरों ने हमला कर दिया। हमले में रघुनंदन सिंह घायल हो गये। फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा मामले पर संज्ञान नहीं लिये जाने पर कर्मचारी धरने पर बैठ गये। साथी कर्मचारियों ने वाहन की व्यवस्था घायलों को जामदार अस्पताल पहुंचाया। साथी कर्मचारियों ने प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि प्रबंधन ने घटना से कोई संज्ञान नहीं लिया।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा आज

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम, भेड़ाघाट से हर पूर्णिमा को आयोजित होने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा इस माह चैत्र पूर्णिमा (12 अप्रैल) को प्रातः 6:00 बजे भगवान श्री हनुमान जी महाराज की सूक्ष्म उपस्थिति में प्रारंभ की जाएगी। परिक्रमा का शुभारंभ संत-महात्माओं के सानिध्य में होगा, जो इस धार्मिक यात्रा को दिव्यता प्रदान करेगा। इस पावन अवसर पर बद्रीनाथ धाम से पूजित गोमती चक्र का वितरण भी किया जाएगा, जो आश्रम के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास महाराज की उपस्थिति में संपन्न होगा। परिक्रमा के समापन पर श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है।नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा के अध्यक्ष डॉ. सुधीर अग्रवाल, नर्मदा महाआरती के संरक्षक श्रीमती सुषमाशंकर पटेल, मनमोहन दुबे, श्याम मनोहर पटेल, विनोद दीवान, मनोज गुलब्बानी, सुरेश विश्वकर्मा, कैलाश विश्वकर्मा ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की है।

अवैध उत्खनन पर 32.41 लाख रूपये की राशि अधिरोपित

समयावधि पर राशि जमा नहीं होने पर दुगनी राशि की होगी वसूली एवं कुर्की

जबलपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दीपक सक्सेना ने लम्हेटाघाट में रात्रि के समय एक माह से डम्फर एवं मशीन से मिट्टी के अवैध उत्खनन पर लम्हेटाघाट निवासी श्री राजकुमार यादव पिता श्री बबलू यादव पर 1 हजार रूपये की प्रशमन राशि सहित 32 लाख 41 हजार अर्थदंड अधिरोपित किया है। जारी आदेश में उन्होंने कहा कि उक्त राशि शासन के खाते में जमा कराई जाकर मूल चालान जिला खनिज अधिकारी को प्रस्तुत किया जाता है तो अनावेदक श्री राजकुमार यादव को प्रकरण से उन्मुक्त माना जायेगा। यदि एक माह के भीतर अनावेदक श्री राजकुमार यादव द्वारा 32 लाख 41 हजार की राशि जमा नहीं कराई जाती है तो मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवाहन तथा भंडारण निवारण) नियम 2022 के नियम 18(6) के तहत कुल शास्ती राशि की दुगनी राशि अधिरोपित की जायेगी एवं मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 के उपबंधों के अनुसार संबंधित तहसीलदार के माध्यम से वसूली एवं कुर्की की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

हिन्दू एकता मंच की भव्य शोभायात्रा आज

जबलपुर। हनुमत जन्मोत्सव पर हिन्दू एकता मंच द्वारा 12 अप्रैल को श्री विराट संकटमोचन रथ एवं महाआरती शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन गोहलपुर थाना स्थित श्री हनुमान मंदिर गोहलपुर से सायं 7 बजे से प्रारंभ होकर श्री बड़े प्राचीन हनुमान मंदिर अधारताल तक होगा। जिसमें विशेष रूप से धर्म ध्वजा के साथ अश्व, घोड़ों के साथ संतों का सानिध्य, विभिन्न अखाड़ों के द्वारा शौर्य प्रदर्शन एवं झाकियों की प्रस्तुति होगी, वहीं सम्पूर्ण मार्ग में स्वागत मंचों के साथ श्री विराट महाआरती एवं संकट मोचन रथ यात्रा अधारताल श्री प्राचीन बड़े हनुमान मंदिर पहुंचकर महाआरती, पूजन अर्चन एवं प्रसाद वितरण और भंडारे के साथ समापन किया जायेगा। जिसमें उपस्थिति की अपील हिन्दू एकता मंच ने की है।

जिला पंचायत सामान्य सभा की हुई बैठक

जबलपुर। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोटिया की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के उपाध्यक्ष सहित सदस्य व विधायक प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में अध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), आजीविका मिशन, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की समीक्षा की गई। विभागीय अधिकारियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया। सदस्यों द्वारा अवगत कराये जाने पर सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक गहलोत द्वारा विभागीय अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत स्वास्थ्य केन्द्र में दवाईयां एवं स्टाफ की कमी को दुरूस्त करने के निर्देश दिये गये। आजीविका मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में दीदीओं को और अधिक सक्षम एवं सुदढ़ बनाने के निर्देश दिये गये। लोक निर्माण विभाग अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र में सडकों को गुणवत्तापूर्ण बनाये जाने एवं प्रगतिरत कार्यो का समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। साथ ही जल जीवन मिशन योजना को प्रभावी बनाकर पेयजल की समस्या को हल करने के निर्देश दिये।

प्रमाण पत्र के बिना किसी भी चिकित्सक को चिकित्सा सेवा की अनुमति न दें निजी अस्पताल

जबलपुर।

मिशन अस्पताल दमोह में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना को ध्यान में रखते हुये जबलपुर जिले में स्थित सभी निजी अस्पतालों और क्लिनिकों में कार्यरत चिकित्सा अधिकारियों की प्रमाणित योग्यता एवं पंजीकरण की अनिवार्यता को सख्ती से लागू करने का निर्णय प्रशासन ने लिया है।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजय मिश्रा द्वारा सभी निजी अस्पतालों को निर्देश जारी किये गये हैं। जारी निर्देशों के अनुसार जबलपुर जिले के सभी निजी चिकित्सालयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि मरीजों की देखभाल और उपचार में प्रत्यक्ष रूप से संलग्न सभी चिकित्सा अधिकारियों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से प्राप्त वैध चिकित्सा डिग्री, म.प्र. आयुर्विज्ञान परिषद में पंजीकरण, आवश्यक प्रमाणपत्र,ल और यदि लागू हो तो अतिरिक्त विशेषज्ञ योग्यता का पंजीकरण हो।

निजी अस्पताल प्रबंधकों को निर्देश जारी

निर्देशों में कहा गया है कि यह प्रावधान राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019, क्लिनिकल इस्टैब्लिशमेंट अधिनियम, 2010 एवं मध्य प्रदेश नर्सिंग होम एवं क्लिनिक एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत अनिवार्य है। अस्पतालों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनके यहां केवल उसी चिकित्सा पद्धति के चिकित्सक कार्यरत हों, जिसके लिए वे प्रशिक्षित एवं पंजीकृत हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशों के मुताबिक सभी अस्पतालों को 21 अप्रैल तक अपने चिकित्सा अधिकारियों की योग्यता एवं पंजीकरण की जांच कर इसकी पुष्टि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को लिखित रूप में देनी होगी। इस रिपोर्ट के साथ 100 रुपये के स्टांप पेपर पर यह उल्लेख करना भी आवश्यक होगा कि संस्थान में केवल अधिकृत एवं योग्य चिकित्सकों द्वारा ही चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

अस्पताल संचालकों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अन्य प्रदेशों से आए चिकित्सकों की सेवाएं तभी ली जाएं जब वे मध्यप्रदेश मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत हों। बिना वैध पंजीकरण के किसी भी बाहरी चिकित्सक को कार्य करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी चिकित्सा अधिकारी के पास आवश्यक प्रमाणपत्र नहीं पाए जाते हैं, तो उसे चिकित्सा सेवा प्रदान करने की अनुमति नहीं दी जाये। संबंधित अस्पताल संचालक इस प्रक्रिया के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। डॉ मिश्रा ने चेतावनी दी है कि इस आदेश का अनुपालन न करने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म के आरोपी का नाम क्यों उजागर किया जाता है

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि जब दुष्कर्म पीड़ि का नाम गुप्त रखने का प्रावधान है तो आरोपी का नाम क्यों उजागर किया जाता है? चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच बे सरकार को 4 सप्ताह में हर हाल में जवाब पेश करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने दो टूक कहा ऐसा नहीं करने पर 15 हजार रुपए की कॉस्ट के साथ रिप्लाई स्वीकार किया जाएगा। यह राशि मप्र हाईकोर्ट विधिक सहायता कमेटी में जमा कराई जाएगी। जबलपुर के डॉ पीजी नाजपांडे व डॉ एमए खान की ओर से अधिवक्ता अजय रायजादा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि आपराधिक नियम के तहत दुष्कर्म पीड़िता का नाम गुप्त रखने का प्रावधान है। ऐसा करना लैंगिक भेदभाव है, जोकि संविधान की मंशा के वितपरी है। कानून में यह कहा गया है कि जब तक आरोप साबित नहीं हो जाता, तब तक अभियुक्त निर्दोष होता है। ऐसे गंभीर प्रकरणों में आरोपी का नाम सार्वजनिक करने से उसकी छवि प्रभावित होती है। याचिका में कहा गया कि फिल्मी हस्ती मधुर भंडारकर जैसे कई ऐसे नाम हैं, जो ऐसे आरोपों से बरी हुए हैं, लेकिन सार्वजनिक प्रतिष्ठा धूमिल हो गई। मांग की गई कि उक्त अधिनियम के तहत ट्रायल पूरी होने तक दुष्कर्म के मामलों में आरोपी का नाम भी गुप्त रखा जाए।

अब सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगेंगे स्कूल

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने जिले में स्थित सभी स्कूलों के लगने का समय अब सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक कर दिया है। इस बारे में शुक्रवार को संशोधित आदेश जारी कर दिया गया है। ज्ञात हो कि बढ़ते तापमान को देखते हुये कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना ने दो दिन पूर्व आदेश जारी कर स्कूलों के संचालन का समय सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित किया था।

अभिभावकों के लगातार आग्रह पर कलेक्टर द्वारा अब एक बार पुनः स्कूलों के लगने के समय में परिवर्तन किया गया है और विद्यार्थियों के लिये स्कूलों के लगने का समय सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक कर दिया है। कलेक्टर द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार जिले में स्थित सभी शासकीय, अशासकीय, सीबीएसई, आईसीएसई और नवोदय विद्यालय अब सुबह 7.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगेंगे। विद्यालयों के समय में परिवर्तन करने जारी किया गया संशोधित आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। परीक्षाएं एवं मूल्यांकन कार्य निर्धारित समय अनुसार ही होंगे।

कलेक्टर सक्सेना की अध्यक्षता में हुई किसान संगठनों की बैठक

किसानों की समस्याओं का समय पर हो निराकरण

जबलपुर।

कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में किसान संगठनों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें किसानों से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर उनके निराकरण की दिशा में कार्य करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में मुख्य रूप से नहर, बिजली, पानी व गेहूं खरीदी को लेकर चर्चा हुई। किसानों ने कहा कि जिले की सभी माईनर नहरों के सुधार हो तथा नहर की अंतिम छोर तक पानी पहुंचे। जिससे किसान अपनी जरूरत के अनुसार पानी ले सके। किसानों ने नहरों से संबंधित विभिन्न समस्याओं को बैठक में रखा। साथ ही कहा कि प्राक्कलन समिति के अनुसार नहरों के मरम्मत व सुधार की कार्य योजना बनाई गई है। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि इस संबंध में पिछले पांच सालों के बजट के आधार पर इस सत्र में प्राक्कलन तैयार किया जाये। उन्होंने कहा कि इस पर विस्तृत चर्चा 21 अप्रैल को होने वाली दिशा की बैठक में भी की जायेगी। बिजली की उपलब्धता के संबंध में भी किसानों ने अपनी बात रखकर कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिले, ट्रिपिंग की समस्याओं को दूर किया जाये, खराब बिजली के तारों का सुधार करें तथा बिगड़े ट्रांसफार्मर को शीघ्रता से बदलें। इस दौरान संबंधित अधिकारी ने किसानों को बिजली सुनिश्चितता के लिए किये जा रहे सभी सार्थक प्रयासों के बारे में जानकारी दी। कलेक्टर सक्सेना ने किसानों से कहा कि किसानों को पर्याप्त बिजली उपलब्धता के लिए लगातार प्रभावी कार्य किया जा रहा है। साथ ही कहा कि किसान सोलर पावर भी लगवायें, जिससे उन्हें बिजली आपूर्ति में सहायता मिल सके। बैठक में गेहूं पंजीयन व खरीदी पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अलावा धान उपार्जन में शेष भुगतान पर भी आवश्यक चर्चा की गई। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि शासन-प्रशासन हमेशा किसानों के हित को सर्वोपरि रखकर कार्य कर रहा है जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गहलोत, उप संचालक कृषि एसके निगम, किसान संघ से जुड़े पदाधिकारी व किसान मौजूद थे।जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठककलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मनीष सेठ, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष मनीष व्यास सहित अन्य प्रशासनिक एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर सक्सेना ने बैठक में चाइल्ड केयर इंटीट्यूट में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और उनकी देखभाल से संबंधित जानकारी प्राप्त की और अधिकारियों को सभी बच्चों के आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड एवं बैंक खाते तैयार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने किशोर न्याय बोर्ड से जारी हुए वारंट और सम्मन तामिली कम होने पर संज्ञान लेते हुए पुलिस विभाग से समन्वय स्थापित कर शत प्रतिशत तामिली के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर सक्सेना ने जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मनीष सेठ को स्पॉन्सरशिप, प्रधानमंत्री केयर, कोविड बाल से लाभान्वित हितग्राही के बजट प्राप्त होते ही तत्काल भुगतान के निर्देश दिए।

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर, जय कपीस...

- सिहोरा में हनुमान जन्मोत्सव पर विशाल वाहन रैली आज
- नगर के हनुमान मंदिरों में पूजन, हवन भण्डारे

हरिभूमि न्यूज सिहोरा।

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर जय कपीस तिहु लोक उजागर ....पवन पुत्र अजंनी के लाल,संकट मोचक वीर हनुमान का जन्मोत्सव आज शनिवार को सिहोरा-खितौला में आस्था के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा। इस अवसर पर विशाल वाहन रैली भी निकाली जायेगी।

इन मार्गों से निकलेगी वाहन रैली

हिन्दु उत्सव समिति के संयोजन में बाबाशाला कटरा मोहल्ला से प्रातः8.30 बजे से विशाल वाहन रैली प्रारम्भ होगी जो मझौली बाईपास, गढिया मोहल्ला, झंडा बाजार, स्टेट बैंक तिराहा,नया बस स्टेंड से वापस बाबाशाला पहुंचेगी वहां से कटरा मोहल्ला, झंडा बाजार,काल भैरव चौक, महावीर चौक, मैना कुआं से शिवमंदिर बाबाताल होते हुए फोर लाइन से पहरेवा नाका, कृषि उपज मंडी, लखराम मोहल्ला से स्टेशन तिराहा,खितौला फाटक, उमरिया पान रोड,पर्वत वासनी माता मंदिर के पहले से मंझगवा बायपास, नृसिंह मंदिर, एस एस कालेज से रेलवे फाटक,खितौला बस स्टेंड से पुनः खितौला चौराहा, बाबाताल मंदिर से होकर पुराना बस स्टेंड में समापन पर भव्य आतिशबाजी, महाआरती तथा विशाल हिन्दू महाकुंभ में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एंव विशाल भंडारे का आयोजन होगा

हनुमान मंदिरों में आज जगह-जगह भंडारे

हनुमान जन्मोत्सव पर आज जगह-जगह भण्डारे का आयोजन किया गया है। पुजारी सुनील द्विवेदी ने बताया रेलवे स्टेशन के पास स्थित हनुमान मंदिर में अखंड रामायण पाठ, हनुमान चालीसा का पाठ के साथ 108 सुंदरकाण्ड पाठ और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। इसी तरह ज्वालामुखी मार्ग वार्ड क्रमांक 2 में नगर पालिका उपाध्यक्ष शारदा तिवारी द्वारा शुक्रवार से अखंड रामायण पाठ प्रारंभ किया गया है जिसके आज समापन पर शिव हनुमान मंदिर में हवन पूजन के अलावा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।इसके अलावा पुराना बस स्टेण्ड तहसील कार्यालय के पास स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में शुक्रवार से अखंड रामायण पाठ प्रारंभ आज पूजन अर्चन आरती भंडारे का आयोजन, सरावगी मोहल्ला,बाबाशाला,सिविल कोर्ट के सामने,अद्धू मोहल्ला सहित अन्य मंदिरो में शुक्रवार से ही अखण्ड मानस पाठ प्रांरभ हो गये है तथा पूजन हवन, कन्या भोजन के साथ विशाल भंडारे भी आयोजित किये जाएंगे जो दिनभर चलते रहेगें।

भगवा रंग में रंगा सिहोरा-खितौला

सिहोरा खितौला बैनर झंडो से भगवा रंग में रंगा नजर आ रहा है। वाहन रैली को लेकर बड़े बुजुर्ग से लेकर बच्चो तक में भारी उत्साह देखने मिल रहा है। सभी हनुमान भक्तों से वाहन रैली में पहुचने की अपील हिन्दु उत्सव समिति ने की है। रैली समापन स्थल पुराना बस स्टेंड को हनुमान भक्तों द्वारा भव्य आतिशबाजी भी की जायेगी । समापन स्थल पुराना बस स्टेंड को भी भगवा झंडों एंव झंडियों से सजाया गया है।

रैली में होगी पुष्प वर्षा

वाहन रैली मार्ग में जगह जगह मातृशक्ति द्वारा पुष्प वर्षा के अलावा रैली के स्वागत हेतु खितौला बस स्टेंड में आलूबंडा एंव पहरेवा में फ्रूटी वितरण सहित अनेक स्थानों में अन्य खादय सामग्री के स्टाल पर लगाकर भक्तों का भव्य स्वागत किया जायेगा।

हनुमान जयंती पर पाटन में विविध आयोजन

पाटन। नगर में श्री हनुमान जी महाराज की पावन जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। अंजनी मंडल बाजार से भव्य समारोह के साथ शोभायात्रा का आयोजन होगा जो नगर भ्रमण के साथ सम्पन्न होगी। भगवान श्री लक्ष्मी नारायण जी मंदिर में विराजमान अंजनी पुत्र भगवान हनुमान जी की सिद्ध मूर्ति स्थापित है जहां हर मनोरथ पूरे होते हैं नगर में सभी स्थानों पर अनुष्ठान संपन्न होंगे।

हनुमान जयंती पर मझौली में निकलेगी शोभायात्रा

मझौली। हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर में जगह-जगह अखंड रामायण पाठ एवं भजन कीर्तन कराया जा रहे हैं एवं 12अप्रैल 2025 को सनातन हिन्दू धर्म संस्कृति के रक्षक सभी के पूज्य, पवन पुत्र अंजनी नंदन श्री राम भक्त श्री हनुमान जी जयंती है, श्री बजरंग बली जी शोभायात्रा निकाली जाएगी जो पवन सुत आश्रम इंद्राना रोड मझौली जबलपुर से समय 3 बजे प्रारम्भ होंगी। नगर का भ्रमण करते हुए मुख्य मार्ग से होते हुए राम जानकी मंदिर बस स्टैंड में समापन होगी। जिसमें हिन्दू बहिन भाई, संत जन, शामिल होंगे। शोभा यात्रा में संत समाज आगमन आकर्षक झांकियां हिंदू भाई बहनों द्वारा कला का प्रदर्शन राम दरबार झांकी यह आयोजन विश्वहिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड मझौली एवं समस्त हिंदू समाज के द्वारा किया गया है।

आदित्य हॉस्पिटल में कार्यशाला आयोजित

जबलपुर। एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी और पेन मैनेजमेंट पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण और कार्यशाला आज से आदित्य हॉस्पिटल में प्रारंभ हुई। जिसे प्रसिद्ध चिकित्सकों डॉ. आलोक अग्रवाल, डॉ. एसके वर्मा, डॉ. आशीष टंडन एवं डॉ. प्रशांत सिंह कुशवाहा द्वारा आयोजित किया गया है। इसके साथ ही कैडावरिक कार्यशाला डॉ. प्रदीप कसार (डीन), प्रो. एसके वर्मा और डॉ. अर्जुन सक्सेना के मार्गदर्शन में सुख सागर मेडीकल कॉलेज में आयोजित की जा रही है। उक्त प्रशिक्षण और कार्यशाला के दौरान एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी और पेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में नवीनतम तकनीक और उपकरणों की जानकारी एवं उपचार प्रदान किया जा रहा है। इसमें आयुष्मान कार्ड धारकों हेतु निःशुल्क सर्जरी की जाएगी। उक्त आयोजन में डॉ. जनमेजय जामदार, डॉ. सुधांशु अग्रवाल, डॉ. अमरीश दुबे आदि का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

एक्सक्लूसिव ओपीडी सुविधा अब मैक्स मेड सेंटर जबलपुर में

जबलपुर। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने जबलपुर स्थित मैक्स मेड सेंटर में कार्डियक, लिवर ट्रांसप्लांट और न्यूरोलॉजी के लिए अपनी विशेष मल्टी-स्पेशियलिटी ओपीडी सेवाएं शुरू करने की घोषणा की है। इस ओपीडी सेवा की शुरुआत मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नागपुर के कार्डिएक सर्जरी विभाग के सीनियर कंसल्टंट डॉ. पुनीत जांडियाल, जीआई और लिवर ट्रांसप्लांट विभाग के सर्जन, सीनियर कंसल्टंट डॉ. राजविलास नारखेडे और न्यूरो फिजिशियन एंड मूवमेंट डिसऑर्डर स्पेशलिस्ट डॉ. अभिषेक वांकर की उपस्थिति में की गई। डॉ. राजविलास नारखेडे और डॉ. अभिषेक वांकर हर महीने के दूसरे शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे, वहीं डॉ. पुनीत जांडियाल हर महीने के दूसरे शनिवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

आचार्यश्री विद्यासागर मंडल में बस्ती चलो अभियान कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के निर्देश पर चेरीताल वार्ड आचार्य श्री विद्यासागर मंडल में बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को आचार्य श्री वासुदेव शास्त्री जी की उपस्थिति में पूर्व महापौर प्रभात साहू, मंडल प्रभारी श्रीमती तृष्णा चटर्जी, मंडल अध्यक्ष जागृति शुक्ला पार्षद प्रतिभा भापकर, बूथ अध्यक्ष नरेंद्र साहू, राजेन्द्र व्यौहार, शैलेश पटेल, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, आलोक चनपुरिया, वरिष्ठ कार्यकर्ता नरेंद्र खरे, अरविंद गुप्ता, संजय गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, प्रियंका श्रीवास्तव जी,सहित आशीष नेमा, माया गुजराती, ब्रजेश नेमा, नितिन दुबे, अभय चौधरी, नीतू चौधरी, भाजपा चेरीताल के सत्य प्रकाश सराफ, स्मृति , अनिता सुहाने, किशोरी बर्मन, पिंकू ठाकुर, शियोग्य राठौड़, गुड्डु विश्वकर्मा, आशीष साहू सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अनुमानित व्यय अठहत्तर करोड़ पच्चीस लाख चौरासी हजार

अनुमानित आय अठहत्तर करोड़ सड़सठ लाख पैंतीस हज़ार रुपए

सिहोरा नगर पालिका का 41 लाख से अधिक रुपए के लाभ का बजट पारित

सिहोरा। नगर पालिका सिहोरा का साधारण सम्मेलन सभाकक्ष में सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े के मुख्य आतिथ्य नपाध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे की अध्यक्षता,नगर पालिका उपाध्यक्ष शारदा तिवारी एवं परिषद के सभी सदस्यों,अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। सम्मेलन में उपस्थित मुख्य नगरपालिका अधिकारी शैलेंद्र कुमार ओझा ने बताया कि अध्यक्ष द्वारा अनुशंसित आय-व्यय का अवलोकन किया गया एवं बजट वर्ष 2025-26 की बैठक में प्रस्तुत बजट अनुमानित आय 786735000.00 एवं व्यय 782584000.00 के साथ रु. 4151000.00 बचत का तैयार किया गया। विभिन्न मदों से प्राप्त आय के विरूद्ध नगर पालिका के कर्मचारियों के वेतन भत्ते आदि एवं नगर के विकास के विभिन्न निर्माण कार्यों पर व्यय, प्रकाश व्यवस्था / जलप्रदाय व्यवस्था पर व्यय, अंकेक्षण शुल्क की अदायगी का प्रावधान एवं संचित निधि में जमा करने का प्रावधान रखा गया है। इसके अतिरिक्त अन्य आवश्यक कार्य जैसे सफाई व्यवस्था,संक्रामक रोगों की रोकथाम, सामाजिक जनकल्याणकारी कार्य, उपकरणों आदि की मरम्मत एवं रखरखाव कर्मचारियों को दी जाने वाली आवश्यक सुविधाएं एवं कामकाज के संचालन हेतु स्टेशनरी आदि की व्यवस्था सभी आवश्यक कार्यों के निष्पादन हेतु बजट में प्रावधान किया गया। इस प्रकार परिषद ने बिना कोई कर बढ़ाते हुए लाभ का बजट प्रस्तुत किया है। बजट में नागरिकों की मूलभूत सुविधाएं जैसे जलप्रदाय, सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था के लिए समुचित प्रावधान किया गया है, वहीं नगर के सभी वार्डों में आवश्यकतानुसार सड़कों, नालियों के निर्माण, कार्य कराया जाएगा।अध्यक्ष के द्वारा अनुशंसित बजट बैठक में सर्वसम्मति से ध्वनी मत से पारित किया गया। बैठक में पार्षद प्रमोद चौधरी, रीता शुक्ला, कल्पना पांडे, ममता गोंटिया, ज्योति चक्रवर्ती, बेबी पाल, गौरा देवी विश्वकर्मा, राजेश चौबे, शारदा बर्मन, अजय बेटू शर्मा, जवाहर कोल, लीला बर्मन, रमेश पटेल, अंकुश नायक, माधुरी दाहिया, विवेक सिलावट, राजकुमार बैगा, सुशील वर्मा, मनोज खंपरिया आदि उपस्थित थे।

तीन मंडलों के सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन

भाजपा के सत्ता में आने के बाद भारतीय संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला : संतोष बरकडे

सिहोरा। भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा विकास की राजनीति पर अधिक विश्वास किया है जिसका ही परिणाम है कि सभी के आशीर्वाद और सहयोग से लगातार तीसरी बार केन्द्र एंव राज्य में बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनी । उक्ताशय के विचार विधायक संतोष बरकडे ने नगर मंडल,ग्रामीण मंडल गोसलपुर एंव मंझगवा मंडल के सक्रिय सदस्यों के मझौली बायपास स्थित पैलेस में आयोजित सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रुप में व्यक्त किए। भारत माता के साथ दीनदयाल उपाध्याय,पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर प्रारम्भ हुए सम्मेलन में पूर्व विधायक दिलीप दुबे,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दुबे,जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रश्मि अग्निहोत्री,सत्यप्रकाश खरे,सक्रिय सदस्य स्थापना दिवस गांव चलो बस्ती चलो अभियान के जिला संयोजक पुष्पराज सिंह बघेल मुख्य रुप से उपस्थित थे। सभी अतिथियों का पार्टी के अंग वस्त्र से स्वागत किया गया। वक्ता सत्यप्रकाश खरे ने कहा भारत के आजाद होने पर नेहरू के समय आशक्ति,इंदिरा के समय संपत्ति की राजनीति होती रही है पर भाजपा के सत्ता में आते ही गरीबी से जूझ रहे भारतीय नागरिकों की इन समस्याओं से मुक्ति की राजनीति प्रारम्भ हुई उन्होंने भाजपा के एकात्म मानववाद सिद्धांत पर भी प्रकाश डाला। सक्रिय सदस्यों के सम्मेलन में मुख्य रुप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजा मोर,जिला महामंत्री राजेश दाहिया,भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल,जनपद उपाध्यक्ष दिलीप पटेल,मंडल अध्यक्ष सतीश पटेल,अनंत नौगरहिया,पवन गुप्ता पूर्व मंडल अध्यक्ष माधव मिश्रा,शिशिर पांडे,के के दुबे,अंकित तिवारी,विनय जैन सहित अनेक सक्रिय सदस्य एंव भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राज्य कर्मचारी संघ सिहोरा की कार्यकारिणी घोषित

सिहोरा। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला संयोजक अटल उपाध्याय एवं देवेंद्र पचौरी सह संयोजक के द्वारा मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ सिहोरा तहसील की कार्यकारिणी घोषित की है। जिसमें के जी पाठक तहसील अध्यक्ष, सचिव योगेन्द्र मिश्रा, कोषाध्यक्ष संजय उरमलिया, ब्लॉक अध्यक्ष सुशील दाहिया, सचिव संदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष मनजीत प्रताप सिंह को घोषित कर नियुक्त पत्र प्रदान किए गये।

मनोज कुमार के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आज

जबलपुर। हिंदी सिनेमा के मशहूर कलाकार मनोज कुमार का 87 वर्ष की उम्र में शुक्रवार को सुबह 3:30 बजे निधन हो गया। उनके दुखद निधन पर स्टार म्यूजिकल्स के तत्वावधान में आज 12 अप्रैल को शाम 6:00 बजे दत्त मंदिर (गोल बाजार) में स्व . मनोज कुमार के गीतों से उनको श्रद्धांजलि दी जाएगी। स्व. मनोज कुमार विगत कुछ हफ्तों से मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती थे वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे उनके असमय दुःखद निधन से स्टार म्यूजिकल जबलपुर ने गहन शोक व्यक्त किया है तथा आज श्रद्धांजलि सभा के आयोजन में स्टार म्यूजिकल के मनोज बाजपेई, मधु बाजपेई, मनीष दुबे, डॉ. अरुण मिश्रा आदि ने श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित होने की अपील जनमानस से की है।

बच्चों के साथ मायके जा रही महिला को स्कार्पियों ने टक्कर मारी

जबलपुर। गोराबाजार थाना क्षेत्र में एक स्कार्पियो ने एक्सिस वाहन में सवार एक महिला के पैर में टक्कर मार दी, जिससे महिला को पैर में चोटें आ गई। गोराबाजार पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार भानतलैया बकरा मार्केट निवासी 32 वर्षीय श्रीमति पूनम कलसा गत भानतलैया से मायके चेतना मैदान अपनी एक्सिस से अपने तीनों बच्चों को बिठाकर दोपहर लगभग 3 बजे मायके जा रही थी जैसे ही डाक्टर सुलखिया क्लीनिक के आगे पहुंची, तभी चेतना मैदान की ओर से आ रही स्कार्पियो क्रमांक एमपी 20 जेड एफ 9914 के चालक ने उसके पैर में टक्कर मार दी, जिससे उसे चोटे आ गयी है। पुलिस ने आरोपी स्कार्पियो वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125 ए भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

रंगदारी वसूलने बदमाशों ने चलाए चाकू

चाकूबाजी की वारदातों में 3 घायल

जबलपुर। लार्डगंज, गोरखपुर और अधारताल थाना क्षेत्र में मारपीट की तीन वारदातें सामने आई है। मारपीट की इस वारदात में तीन युवक घायल हो गए हैं। लार्डगंज में महाराष्ट्र हाई स्कूल के सामने दो अज्ञात बदमाशों ने शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने पर चाकू से हमला कर दिया, वहीं गोरखपुर और अधारताल में शराब के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने दो युवक पर लाठी व चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार लार्डगंज थाने के पीछे निवासी 30 वर्षीय वन रक्षक आदित्य मिश्रा गत 8 अप्रैल को तीन दिन की छुट्टी लेकर अपने घर जबलपुर आया था। गत रात लगभग 9.30 बजे वह अपनी मोटर सायकल से रानीताल पेट्रोल पम्प से पेट्रोल भरवाकर मालवीय चौक तरफ आ रहा था जैसे ही वह महाराष्ट्र हाई स्कूल के सामने खड़ा हुआ, तभी सुजुकी एक्सिस क्रमांक एमपी 20 जेड टी में दो अज्ञात लड़के आये और उसे गाली गलौज करते हुये शराब पीने के लिये 500 रूपये की मांग करने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो एक लडके ने उसे पकड़ लिया और दूसरे लड़के ने चाकू से उसके कंधे के नीचे हमला कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 118(1), 119(1), 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला जांच में लिया है।

इसी तरह गोरखपुर में हाथीताल कालोनी निवासी 38 वर्षीय सब्जी विक्रेता अजय कुमार गत रात लगभग 9 बजे पोस्ट आफिस के पास हाथीताल में अपना ठेला लगाया था, तभी सनी गुप्ता एवं गगन भटरा का भाई उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये की मांग करने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो सनी ने लाठी से उसके पैर की ऐड़ी पर हमला कर दिया और गगन के भाई ने मारपीट कर उसकी सब्जियां बिखेर कर जान से मारने की धमकी दी।

इसी प्रकार अधारताल में कटरा गणेश चौक निवासी 19 वर्षीय पीयूष केवट गत रात लगभग 10.40 बजे अधारताल चौपाटी में चाट खाने अपने दोस्त अभिनव बर्मन के साथ गया था, जहां पर अनुज ठाकुर, सम्मान पटैल मिले और उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये मांगने लगे, मना करने पर दोनों गाली गलौज करने लगे। सम्मान पटेल ने मारपीट की और अनुज ने चाकू से उसकी दोनों जांघ पर हमला कर घायल कर दिया।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 119(1), 351(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

बाईक की टक्कर से स्कूटी सवार 2 घायल

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत परियट नहर के पास मेन रोड पर पीछे से एक बाईक ने एक स्कूटी में टक्कर मार दी, जिसमें सवार दो युवक स्कूटी सहित नीचे गिरकर घायल हो गये। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार संजीव कुमार उर्फ बाबी और संजय उर्फ संजू बर्मन अपनी स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एसजेड 0855 से पनागर अपने दोस्त मयूर केशवानी से मिलने आए थे। मयूर केशरवानी अपनी बाईक से और संजीव कुमार और संजय बर्मन दोनों एक स्कूटी में बैठकर इमरिया जा रहे थे। शाम लगभग 7 बजे जैसे ही परियट नहर के पास मेन रोड पहुँचे, तभी पीछे से आ रही मोटर सायकल क्रमांक एमपी 20 जेड पी 5457 के चालक ने संजीव कुमार की स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी में सवार संजीव कुमार एवं संजय बर्मन गिर गये और दोनों को हाथ, पैर एवं शरीर में चोटें आ गयीं हैं। मयूर केशरवानी ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने आरोपी बाईक चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125 ए, भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

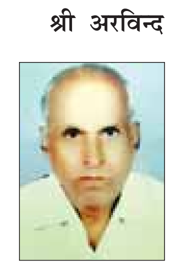

श्री अरविन्द विष्णु पोल- यादव कॉलोनी विवेकानंद वार्ड निवासी कविता पोल के पिताजी व अस्मिता पोल के ससुर और विद्युत मण्डल में कार्यरत संजय पोल के चाचाजी श्री अरविन्द विष्णु पोल का निधन हो गया। अंतिम यात्रा आज 12 अप्रैल को दिन में 12.00 बजे निज निवास से रानीताल मोक्षधाम को प्रस्थान करेगी।

श्री शरद चंद्र श्रीवास्तव- साईं सुबह परिसर फेस 2 संजीवनी नगर निवासी श्री शरद चंद्र श्रीवास्तव (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शिव गणेश राजपूत- गंगासागर हनुमान मंदिर के पास गढ़ा रोड निवासी श्री शिव गणेश राजपूत (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री उदय सिंह ठाकुर- संजय नगर अधारताल निवासी श्री उदय सिंह ठाकुर (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मंगल अहिरवार- राजीव नगर आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री मंगल अहिरवार (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री गणेश वाल्मीक- बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ गली नं. 2 पोलीपाथर निवासी श्री गणेश वाल्मीक (64) का निधन हो गया।

अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सावित्री देवी समैया- हनुमानताल शुक्रवारी बजरिया के पास निवासी श्री हरीश चंद्र समैया की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री देवी समैया (85) का निधन हो गया।अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

कु. आसनी कोरी- विस्थापित बस्ती फेस 1 तिलहरी निवासी श्री देवेंद्र कोरी की पुत्री कु. आसनी कोरी (18) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कल्लू चौधरी- शंकर चौक ठक्कर ग्राम निवासी श्री कल्लू चौधरी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सावित्री देवी मिश्रा- लालमाटी चांदमारी पंचशील स्कूल के पास निवासी श्री सरमन प्रसाद मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री देवी मिश्रा (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश चोईथवानी- एलांजा तिलहरी निवासी श्री सुरेश चोईथवानी (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री कमल सिंह नागवंशी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री कमल सिंह नागवंशी (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
न्यूनतम 40/- प्रति वर्ग सेमी
सिंगल साइज़:- 5x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
सिंगल साइज़:- 5x4 से.मी. रंगीन 400/-
सिंगल साइज़ 8x3 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

600+ दिनों के बाद बतौर कप्तान धोनी की वापसी, पिछले बार चेन्नई बना था चैंपियन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

होनी को अनहोनी कर दे... अनहोनी को होनी... फिर कप्तानी करने लौटे महेंद्र सिंह धोनी। थाला... माही... एक बार फरि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान बन गए हैं। 684 से दिनों के बाद उनकी बतौर कप्तान वापसी हुई है। आखरिी बार जब कप्तानी की थी तो चेन्नई सुपर किंग्स चैंपियन बन गई थी।

धोनी शुक्रवार को वो कोलकाता नाइट राइडर्स के खलिाफ एमए चदिम्बरम में कप्तानी करते दखिे। 2024 में उनकी जगह ऋतुराज गायकवाड़ आए, कप्तानी संभाली। लेकिन वैसा कुछ नहीं कर पाए जो धोनी ने किया था। अब आईपीएल 2025 में चेन्नई की हालत खराब है, ऋतुराज गायकवाड़ इंजरी के कारण इस आईपीएल सीजन से फरि बाहर हो गए हैं। सीएसके पांच मैचों में से 4 मैच गंवा चुकी है। अब चैलेंज धोनी के सामने हैं। क्योंकि वो एक बार फरि उस टीम के कप्तान बने हैं, जसि उन्होंने अपनी कप्तानी के दम पर 5 बार चैंपियन बनाया है।

थाला यानी लीडर ने संभाली कमान

वैसै चेन्नई की टीम में धोनी 'थाला' हैं। थाला यानी लीडर। लीडर कभी भी पीछे नहीं हटता है। यही कारण है कि उन्होंने एक बार फरि सीएसके की बागडोर संभाल ली है। पिछले दिनों कयास लगने लगे कि 43 साल के धोनी आईपीएल से संन्यास लेने वाले हैं। इस मैच के तुरंत बाद धोनी का एक पॉडकास्ट के माध्यम से बयान आया। जसिमें माही ने कहा- मैं अभी भी आईपीएल में खेल रहा हूं। मैं चीजों को ईजी रखता हूं। अभी मैं 43 साल का हूं और आईपीएल 2025 के खत्म होने होने तक 44 साल का हो जाऊंगा। इसके बाद मेरे पास 10 महीने का समय होगा कि मैं आगे खेल सकता हूं या नहीं। लेकिन इसका फैसला मैं अपनी बॉडी के आधार पर करूंगा।

जडेजा की जगह बने थे कप्तान

चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में आईपीएल 2025 में इस बार 2022 का रपिीट टेलीकास्ट हो रहा है। वह इसलएि क्योंकि 2022 में भी महेंद्र सिंह धोनी रवींद्र जडेजा की जगह चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान बने थे। जडेजा को तब उस सीजन की शुरुआत में कप्तानी सौंपी गई। धोनी ने तब कप्तानी से हटने का फैसला किया था। लेकनि बतौर कप्तान जडेजा प्रेशर हैंडल नहीं कर पाए, उनकी बैटिंग और बॉलिंग दोनों पर इसका नेगेटिव असर पड़ा। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने धोनी को फिर से कप्तान बना दिया।

फ्रेंचाइजी के सबसे सफल कप्तान

धोनी संयुक्त रूप से रोहित शर्मा के साथ बतौर कप्तान वो खलिाड़ी हैं, जन्हिोंने अपनी टीम को पांच बार आईपीएल का खतिाब जतिाया है। वहीं बतौर कप्तान भी धोनी का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने 235 टी20 मैचों (आईपीएल और चैंपियंस लीग) में कप्तानी की है, जहां 142 मैचों में जीत दर्ज की, 90 मुकाबलों में हार 1 मैच टाई और 2 मैच बेनतीजा रहे। यहां एक बात समझनी होगी कि धोनी ने 226 आईपीएल मैचों में कप्तानी की है। इन 226 मैचों में में उनको 133 में जीत और 91 हार और 2 बेनतीजा मैच शामलि है।

खास खबर

सफेद गेंद के बादशाह साबित हो रहे राहुल

बेंगलुरु। एक समय टीम के लिए अपनी उपयोगिता साबित करने के लिए जूझ रहे केएल राहुल ने चैंपियंस ट्रॉफी से लेकर आईपीएल तक जिस तरह अपनी तकदीर का पासा पलटा है, वह उनके जैसा तकनीकी कौशल का धनी बल्लेबाज ही कर सकता है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल मैच में चिन्नास्वामी की पेचीदा पिच पर 175 की स्ट्राइक रेट से 53 गेंद में नाबाद 93 रन बनाकर उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से जीत दिलाई। उनका अर्धशतक जोखिमरहित था जिसमें 29 गेंद में 29 रन बनाने के बाद बाकी 64 रन सिर्फ 24 गेंद में बनाए गए।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	5	4	1	8
दिल्ली	4	4	0	8
बेंगलुरु	5	3	2	6
पंजाब	4	3	1	6
लखनऊ	5	3	2	6
कोलकाता	5	2	3	4
राजस्थान	5	2	3	4
मुंबई	5	1	4	2
चेन्नई	5	1	4	2
हैदराबाद	5	1	4	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
288 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
11 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : लगातार चार जीत से तालिका में शीर्ष पर टाइटंस

पूरन और सिराज में दिखेगा दिलचस्प मुकाबला, लखनऊ-गुजरात मैच आज

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

लखनऊ सुपर जॉइंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच शनिवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में बेहतरीन फॉर्म में चल रहे विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। लखनऊ की भीषण गर्मी में इन दोनों टीम के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। गुजरात टाइटंस ने लगातार चार मैच जीते हैं और वह नेट रन रेट बेहतर होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स से ऊपर पहले स्थान पर है। इन दोनों टीम के समान आठ अंक हैं। लखनऊ ने अभी तक तीन मैच में जीत हासिल की है और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। लखनऊ की टीम में पूरन ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 288 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 225 है। वेस्टइंडीज के इस बल्लेबाज ने अभी तक 25 चौके और 24 छक्के लगाए हैं। लेकिन गुजरात के खिलाफ मैच में उन्हें सिराज की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। इस तेज गेंदबाज ने पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन किया है और उनके नाम पर पांच मैच में 10 विकेट दर्ज हैं। उनका इकोनॉमी रेट भी 7.70 है।

फार्म में गुजराती गेंदबाज

टाइटंस को व्यक्तिगत कारण से स्वदेश लौटने वाले तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की अभी तक कोई खास कमी नहीं खली है क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा ने सिराज का अच्छी तरह से साथ दिया है। बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर अपने शानदार प्रदर्शन से टीम के मुख्य स्पिनर राशिद खान पर भी हावी हो गए हैं।

दोनों टीमों के कप्तान फेल

दोनों टीमों के लिए अपने कप्तान की फॉर्म चिंता का विषय होगी। शुभमन गिल और ऋषभ पंत दोनों कुशल बल्लेबाज हैं लेकिन आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपनी छाप छोड़ने में अभी तक नाकाम रहे हैं। मौजूदा सत्र में वह अभी तक केवल 148 रन बना पाए हैं। लखनऊ ने ऋषभ पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था लेकिन उन्होंने अभी तक चार पारियों में केवल 19 रन बनाए हैं। अगर गिल और पंत अपनी वास्तविक फॉर्म में लौट आते हैं तो फिर लखनऊ के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन होना तय है।

पंजाब के खिलाफ वापसी करना चाहेगा हैदराबाद

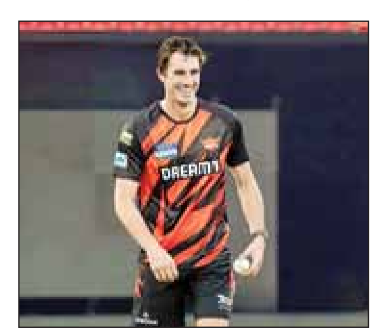

हैदराबाद। पहले मैच में धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद जीत हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले आईपीएल के मैच में दमदार वापसी करने के लिए बेताब होगी। आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने के लिए मशहूर सनराइजर्स की टीम पिछले तीन मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उसने इन मैच में 163, 120 और 152 रन ही बनाए। इसके विपरीत पंजाब किंग्स ने नए कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उसको प्रियांश आर्य के रूप में विस्फोटक सलामी बल्लेबाज मिला है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में शतक जड़ा था।

हमें हमारी मांग के अनुकूल पिच नहीं मिली

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मेंटरदिनेश कार्तिक ने स्वीकार किया कि बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच की मांग करने के बावजूद इस सत्र में उनकी टीम को चिन्नास्वामी स्टेडियम में चुनौतीपूर्ण पिच मिली हैं। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन इस संदर्भ में जल्द ही क्यूरेटर के साथ बात करेगा। आरसीबी के बल्लेबाज आईपीएल के वर्तमान सत्र में घरेलू मैदान पर खेले दो मैच में पिच धीमी होने के कारण अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसकी टीम ने आठ विकेट पर 169 रन और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सात विकेट पर 163 रन बनाए।

हम सरल तौर तरीकों वाली सीधी सादी टीम

लखनऊ। गुजरात टाइटंस के मध्यक्रम के बल्लेबाज शाहरुख खान ने कहा कि उनकी टीम के सरल तौर तरीके हैं और अपनी रणनीति को लेकर वह काफी स्पष्ट हैं। गुजरात ने चार सत्रों में आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले सत्र में हार्दिक पंड्या की कप्तानी में खिताब जीता। इस सत्र में वह पांच में से चार मैच जीतकर शीर्ष पर है। शाहरुख ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक सरल टीम हैं जिसके तौर तरीके भी सरल हैं । टूर्नामेंट में हर टीम मजबूत है और यह सबसे अहम है कि हम अपनी क्रिकेट कैसे खेलते हैं।'

खबर संक्षेप

कपिला-क्रास्टो की जोड़ी एशियन टूर्नामेंट में हारी

निंगबो। भारत के ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में हांगकांग की पांचवीं वरीयता प्राप्त तांग चुन मान और सी यिंग सुएत की जोड़ी से हार गई। कपिला और क्रास्टो टूर्नामेंट में आखिरी भारतीय चुनौती बचे थे जिन्हें 20-22, 13-21 से पराजय का सामना करना पड़ा। इससे पहले पी वी सिंधू, किरण जॉर्ज और प्रियांशु राजावत और हरिहरन अमसाकारुनन और रुबान कुमार प्री क्वार्टर फाइनल में हार गए।

पाकिस्तान ने बॉश पर एक साल का बैन लगाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश पर आईपीएल में खेलने के लिए पाकिस्तान सुपर लीग से अनुबंध समाप्त करने के कारण एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है। बॉश को जनवरी के ड्राफ्ट में पाकिस्तान सुपर लीग की फ्रेंचाइजी पेशावर जाल्मी ने अपनी टीम में चुना था। इसके बाद आईपीएल की फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी लिज़ाद विलियम्स के चोटिल होने के कारण उनकी जगह पर बॉश को अपनी टीम में शामिल कर दिया था। बॉश ने पीएसएल की बजाय आईपीएल में खेलने को प्राथमिकता दी।

आडवाणी विश्व मैचप्ले खिताब से एक कदम दूर

कारलो। कई बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी हमवतन श्रीकृष्णा सूरी को बृहस्पतिवार को 7-5 से हराकर डब्लूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गए। 28 बार विश्व बिलियर्ड्स और स्नूकर चैंपियन रह चुके आडवाणी ने 100-0, 100-0, 100-6, 47-100, 100-4, 64-100, 81-100, 100-11, 12-100, 8-100, 100-7, 100-0 से जीत दर्ज की। अब उनका सामना बेस्ट आफ 15 फाइनल में इंग्लैंड के डेविड काउसियेर से होगा। डेविड ने सिंगापुर के पीटर गिलक्रिस्ट को 7-2 से हराया।

कोटा हासिल करने के बावजूद पेरिस ओलंपिक में भाग नहीं ले पाए थे

मेरा लक्ष्य अधिक शांतचित्त और तनाव मुक्त रहना है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने के बावजूद पिछले साल हुए इन खेलों में भाग नहीं ले पाने वाले राइफल निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल मुश्किल परिस्थितियों में भी शांतचित्त और तनाव मुक्त रहने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

पाटिल पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा स्थान हासिल करने वाले देश के शुरुआती निशानेबाजों में शामिल थे लेकिन भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया। वह ओलंपिक क्वालीफिकेशन ट्रायल में सेना के निशानेबाज संदीप सिंह से हार गए जिन्होंने उनकी जगह पर पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। हाल ही में ब्यूनस आयर्स में सत्र के पहले आईएसएसएफ विश्व कप में व्यक्तिगत स्वर्ण और आर्य बोरसे के साथ मिश्रित टीम में रजत पदक जीतने वाले इस युवा खिलाड़ी को इस झटके ने और अधिक दृढ़ बना दिया है और अब वह निशानेबाजी के उस पहलू पर काम कर रहे हैं, जिसे सभी जानते हैं लेकिन कुछ ही लोग इसे अक्षरशः लागू कर पाते हैं।

पाटिल ने अर्जेंटीना की राजधानी से कहा, 'मेरा लक्ष्य किसी भी टूर्नामेंट से पहले और टूर्नामेंट के दौरान शांतचित्त और तनाव मुक्त रहना है ताकि मैं अपने प्रदर्शन में निरंतरता ला सकूं। मैं अभी इसी पर काम कर रहा हूं।'

विराट कोहली 1000 चौके लगाने वाले पहले क्रिकेटर

नई दिल्ली। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में 1000 चौके लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। 36 वर्षीय कोहली को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रिकॉर्ड बनाने के लिए सिर्फ दो चौके की जरूरत थी और उन्होंने चार ओवर के अंदर ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। वहीं, इस लिस्ट में पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन 920 चौकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं, जबकि तीसरे नंबर पर मौजूद डेविड वॉर्नर ने 899 चौके लगाए हैं। खास बात यह है कि कोहली आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं, जिन्होंने इस कैश-रिच लीग में 8000 से ज्यादा रन बनाए हैं।

फाइनल में मोहन बागान का सामना बेंगलुरु से आज

कोलकाता। लीग विजेता मोहन बागान का सामना आईएसएल कप फुटबॉल के फाइनल में शनिवार को जब बेंगलुरु एफसी से होगा तो उसकी नजरें दोहरा खिताब जीतने पर लगी होंगी। यह मैच मोहन बागान सुपर जाइंट्स के गढ़ विवेकानंद युवा भारी क्रीडांगन में खेला जाएगा जिसमें भारी तादाद में मेजबान टीम के समर्थक मौजूद होंगे। मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में मोहन बागान के कोच जोस मोलिना ने कहा, 'मैं इसकी चिंता नहीं करता कि अतीत में क्या हुआ था। मैं मोहन बागान सुपर जाइंट के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करूंगा। हमने लीग शील्ड में अच्छा खेला और आईएसएल कप भी जीतेंगे।'

कार्यालय नगर परिषद मझौली जिला जबलपुर (म.प्र.)
(email id : cmomanjholi@mpurban.gov.in tel. 07624-244444)

NIT NO.63/PWD/NP/2025 — // ई-निविदा सूचना // — मझौली दिनांक. 09.04.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन प्रतिशत दर पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
2025_UAD_416059_1 दिनांक 10/04/2025	REJUVENATION WORKS OF FUTERA TALAB AT MANJHOLI UNDER AMRUT 2.0 SCHEME, Desilting. Toe wall and Boulder Pitching with Panel separator, Construction of Ghat, Plantation, Pathway, Fountain	06 माह 33,05,000/-	5000/- 24,788/-	13/05/2025

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर परिषद मझौली

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इलेक्ट्रिकल ट्रेन लाइटिंग की POH गतिविधियों के लिए ई-निविदा सूचना

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, MIB-WS, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:
निविदा सूचना सं.: एमआईबीडब्ल्यू-2024--19-06-09-8 दिनांक: 05.04.2025
कार्य का विवरण: मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में कार्य के दायरे के अनुसार BG ICF & LHB Non-AC कोचों के इलेक्ट्रिकल ट्रेन लाइटिंग उपकरणों की POH गतिविधियाँ।
अनु. निविदा मूल्य: ₹ 2,80,13,975/- (रुपए दो करोड़ अस्सी लाख तेरह हजार नौ सौ पचहत्तर मात्र), सभी करों सहित, **बयाना राशि:** ₹ 2,90,100/- (रुपए दो लाख नब्बे हजार एक सौ मात्र), **अनुबंध की अवधि:** 01 (एक) वर्ष, **निविदा प्रपत्र मूल्य:** ₹ 0 (शून्य)।
नोट: निविदा के लिए बोली-पूर्व सम्मेलन 15.04.2025 को 11.00 बजे मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में आयोजित किया जाएगा। निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा से संबंधित प्रश्नों, यदि कोई हो, के स्पष्टीकरण के लिए इसमें उपस्थित हों।
निविदा जमा करना: बोलीदाता अपनी मूल / संशोधित बोलियां दिनांक **28.04.2025** के **11:00** बजे तक जमा कर सकेंगे।
इन निविदाओं के तहत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। प्राप्त सभी मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा।
विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
कार्यशाला प्रबंधक,
मोतीबाग कार्यशाला,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
PC/02-06
स्वच्छ भारत अभियान — एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, रीवा (म.प्र.)
क्रमांक- 553/ई-टेंडर/वाहन शाखा/न.पा.नि./2024 — रीवा,दिनांक. 11.04.2025
// निविदा सूचना //
पंचम अवसर

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_416357_1 (FIFTH CALL)	Selection of Agency(ies) for Supply, Operation and Maintenance of 06 Electric Buses and allied Electrical and Civil Infra-structure on Hybrid Net Cost Contract.	4380 दिवस रू. 9.00 करोड़	रू. 20000.00 रू. 450000.00	13/05/2025 17:30 बजे तक

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

CHIEF OPERATING OFFICER
MUNICIPAL CORPORATION REWA (M.P.)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT (E./M.) DIVISION- JABALPUR (M.P.)
Web site: www.mp.gov.in/pwdmp Email - eepwdeleajhp@mp.nie in Tel./Fax No. 0761-2620792

NIT No--02/25-26/SAC/E/M — Jabalpur, Date 08/04/2025

Online Tender for mentioned below are being Invited. The Tender have been uploaded on the system of Public Works Department on the Portal http://mptenders.gov.in Tender details are as below:-

S. N 0.	Tender No.	Name of work	Cost of Project (PAC) (Rs. In lack)	(Original EMD)	Cost of Tender form	Time Allowed	1-Contractor categari 2- Call No.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWD RB _415354 _1	PROVIDING FOR INTERNAL ELECTRIFICATION ANNUAL MAINTENANCE WORK (AM C) OF VICTORIA HOSPITAL (SGD) DISTT. JABALPUR(MP)	Rs. 15.92 Lack	Rs. 31840/-	Rs. 2000/-	1 YEAR	1- Centralised PWD Registration in Ele-ctrical & "A"Class electric licence Fr-om MP Licensing Board 2-1ST Call
2	2025_PWD RB _415361 _1	PROVIDING & FIXING ELEC-TRIFICATION WORK IN NE-WLY PROPOSED CLMC (CO-MPREHENSIVE LACTATION MANAGEMENT CENTER) AT 2nd FLOOR OF RANI DURG-AWATI HOSPITAL JABALPUR.	Rs. 9.29 Lack	Rs. 18580/-	Rs. 2000/-	1Week after comp-letion of civil Work	1- Centralised PWD Registration in Ele-ctrical & "A"Class electric licence Fr-om MP Licensing Board 2-1ST Call
3	2025_PWD RB _415365 _1	PROVIDING FOR THREE YE-AR AMC WITH OPERATION & MAINTENANCE CONTRACT BY OEM (L.G.) FOR VRF TYPE AIR CONDITIONER (Total Capacity 204 Ton) WHI-CH IS INSTALLED IN M.P.S.J.A.BUILDING	Rs. 37.82 Lack	Rs. 50000/-	Rs. 5000/-	3 Years	1- Centralised PWD Registration in Ele-ctrical & "A"Class electric licence Fr-om MP Licensing Board 2-1ST Call

The document can only be purchased online from the above website after making online payment. The last date & time for purchase of Document on line is Dated 22/04/2025 up to (17:30.) Detailed NIT and other details can be viewed on the above mentioned portal. Amendments to NIT, if any, would be published on website only, and not in newspaper.

Executive Engineer
P.W.D. E/M DIVISION JABALPUR
G-11391/25 "स्वच्छता ही सेवा"

चिंतन

औद्योगिक क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता

आज विश्व में अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार छिड़ा हुआ है। इस स्थिति को भारत के उद्योग क्षेत्र के लिए अवसर के रूप में देखा जा रहा है, लेकिन क्या भारत का उद्योग क्षेत्र इसका लाभ लेने के लिए तैयार है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है कि भारत का औद्योगिक उत्पादन फरवरी में सुस्त पड़कर छह महीने के निचले स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गया है। ब्लूमबर्ग ने फरवरी के लिए 3.6% की आईआईपी ग्रोथ का अनुमान लगाया था, लेकिन असल आंकड़े इससे काफी कम रहे। आधिकारिक आंकड़े के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन में सुस्ती विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण आई है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापे जाने वाले औद्योगिक उत्पादन में फरवरी 2024 में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। सरकार ने जनवरी, 2025 के लिए औद्योगिक वृद्धि के आंकड़े को संशोधित कर 5.2 प्रतिशत कर दिया है। मार्च में जारी आंकड़ों में इसके पांच प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि फरवरी, में सुस्त पड़कर 2.9 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 4.9 प्रतिशत थी। फरवरी 2025 में बिजली उत्पादन की वृद्धि भी धीमी होकर 3.6 प्रतिशत पर रही जो एक साल पहले इसी महीने में 7.6 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-फरवरी के दौरान आईआईपी में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो एक साल पहले इसी अवधि में छह प्रतिशत थी। टिकाऊ उपभोक्ता सामान (इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं) की वृद्धि फरवरी में सिर्फ 3.8 प्रतिशत रही, जो फरवरी, 2024 में 12.6 प्रतिशत थी। बुनियादी ढांचे/निर्माण के सामानों की वृद्धि फरवरी 2025 में 6.6 प्रतिशत रही, जो पिछले साल इसी अवधि में 8.3 प्रतिशत थी। प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादन में फरवरी में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले फरवरी में इसमें 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मध्यवर्ती वस्तुओं के क्षेत्र में वृद्धि आलोच्य महीने में 1.5 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले फरवरी में 8.6 प्रतिशत थी। ये आंकड़े दिखा रहे हैं कि देश के औद्योगिक क्षेत्र के हालात किस तरह सुस्त हो रहे हैं। जबकि अभी देश के सामने अनेक आर्थिक चुनौतियां हैं। अमेरिका के रेसिप्रोकल टैक्स और आयात पर नए टैरिफ के ऐलान और चीन के साथ टैरिफ वार से ग्लोबल स्तर पर आर्थिक अनिश्चतता और आपूर्ति तंत्र के प्रभावित होने का खतरा है, इसका असर भारतीय उद्योग क्षेत्र पर भी पड़ना तय है। ऐसे में उद्योग क्षेत्र की गति में नरमी सुखद संकेत नहीं हैं। भारतीय उद्योग के अधिकांश क्षेत्र खराब परफॉर्म कर रहे हैं। रियायत व समर्थन की कई घोषणाओं के बावजूद भारतीय उद्योग क्षेत्र रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है, तो इसके पीछे अनेक कारण हैं। वैश्विक आर्थिक मंदी की स्थिति है, जिसमें यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती और चीन के विनिर्माण क्षेत्र में मांग में कमी से भारत के निर्यात में भी गिरावट आई है। विमुद्रीकरण और जीएसटी जैसे आर्थिक सुधारों से औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र उबर नहीं पाया है। विनिर्माण क्षेत्र की चीनी आयात पर निर्भरता भी घरेलू उत्पादन में कमी की वजह है। अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) में काफी कम निवेश, उद्योगों के बीच सहयोग की कमी और प्रौद्योगिकी के सीमित उपयोग से प्रतिस्पर्धात्मकता और नवाचार प्रभावित हुए हैं। अगर हमें वैश्विक अवसर का लाभ लेना है तो नीतिगत, पूंजीगत व माहौलगत बाधाओं को दूर करते हुए उदार औद्योगिक नीति के लिए आर्थिक सुधार के अगले चरण की आवश्यकता है।

हिंदी विरोध
उमेश चतुर्वेदी

तमिलनाडु में मजबूत होती भाजपा की पिच

तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रुपये के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है। सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रुपये के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिल भाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था, जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है।

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रुपये के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है। सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहता है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के लिए खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है। संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत पर आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधान सभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रुख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रुख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग तमिल की अवधारणा और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है। तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरुआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा।

अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। इसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है। अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रुपये के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रुख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रुख अपना रखा है। रुपये का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलिसाई सौंदरराजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फार्मूला रहा है।

त्रिभाषा फॉर्मूले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रुपये का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है। 1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर है। इस बार हिंदी विरोध या रुपये के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है। अन्नाद्रमुक से गठबंधन के बाद भाजपा वहां और मजबूत हो गई है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

स्वास्थ्य
डॉ. मोनिका राज

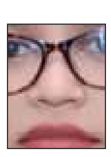

देश में कुपोषण की समस्या व चुनौतियों का समाधान जरूरी

भारत में कुपोषण एक गंभीर समस्या बनी हुई है, जो केवल भोजन की कमी से नहीं, बल्कि कई सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों से जुड़ी हुई है। यह समस्या बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को तो प्रभावित करती ही है, साथ ही पूरे समाज की उत्पादकता और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। हाल के वर्षों में, सरकार ने सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 जैसी योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया है, लेकिन यह प्रश्न बना हुआ है कि क्या ये योजनाएं वास्तव में भारत के कुपोषण संकट को हल कर पाएंगी? कुपोषण को केवल खाद्य असुरक्षा से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसे संतुलित आहार, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और सही पोषण शिक्षा के माध्यम से हल किया जा सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 36 फीसदी बच्चे अविकसित हैं, 19 फीसदी बच्चे अत्यधिक कमजोर हैं और 57 फीसदी महिलाएँ एनीमिया से पीड़ित हैं। इसके अलावा, 24 फीसदी महिलाएं और 23 फीसदी पुरुष अधिक वजन या मोटापे से ग्रसित हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि भारत में कुपोषण केवल कुपोषित बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक समस्या है, जिसमें कुपोषण और अधिक पोषण दोनों शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों में अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और जंक फूड की बढ़ती खपत से मोटापा, मधुमेह और हृदय रोग बढ़ रहे हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण असंतुलन और आवश्यक पोषक तत्वों की कमी देखी जाती है। सरकार ने कुपोषण से निपटने के लिए कई योजनाएँ चलाई हैं। इनमें मिड-डे मील योजना, आंगनबाड़ी सेवाएं, सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और अन्नपूर्णा योजना प्रमुख हैं। सरकारी वितरण प्रणाली में खामियां हैं, जिससे कई बार लाभार्थियों तक राशन और पोषण पूरक सही समय पर नहीं पहुंच पाते। महिलाओं और किशोरियों में कुपोषण की स्थिति अधिक चिंताजनक है। भारत में 57 फीसदी महिलाएं एनीमिया से ग्रसित हैं, जिसका कारण आयरन और फोलिक एसिड की कमी, अपर्याप्त आहार और बार-बार गर्भधारण है। किशोरियों में भी पोषण की कमी उनके भविष्य के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालती है। महिलाओं का कुपोषण न केवल उन्हें बल्कि उनके होने वाले बच्चों को भी प्रभावित करता है, जिससे यह समस्या पीढ़ी दर पीढ़ी बनी रहती है। इसी प्रकार, बुजुर्गों में पोषण की समस्या को भी नजरअंदाज किया जाता है। भारत में बुजुर्गों की आबादी तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उनके पोषण की समस्याओं पर कम ध्यान दिया जाता है। कई वृद्ध व्यक्ति अकेले रहते हैं और उन्हें पोषक आहार नहीं मिल पाता, जिससे उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है। मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जिनका मुख्य कारण अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक गतिविधि की कमी और अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड का सेवन है। भारत में पोषण सुधार केवल कुपोषण दूर करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम का भी हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए कई सुधारात्मक उपाय अपनाए जा सकते हैं। सबसे पहले, पोषण शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। लोगों को सही पोषण के बारे में शिक्षित करने के लिए स्कूलों, आंगनबाड़ियों और सामुदायिक केंद्रों में पोषण जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। दूसरा, स्थानीय खाद्य संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। तीसरा, सरकारी खाद्य वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाना चाहिए, ताकि गरीबों को सही समय पर पौष्टिक भोजन मिल सके। आज के समय में, जब भारत तेजी से आर्थिक और सामाजिक विकास कर रहा है, यह जरूरी है कि पोषण को केवल भोजन प्राप्त करने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे समग्र स्वास्थ्य और कल्याण का हिस्सा बनाया जाए। एक कुशल और संतुलित पोषण नीति से न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियों का स्वास्थ्य सुधारा जा सकता है। यह समय की माँग है कि हम कुपोषण को एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में पहचानें और इसे दूर करने के लिए समर्पित प्रयास करें। केवल योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उनके प्रभावी कार्यान्वयन पर ध्यान देना भी जरूरी है। यदि हम सही दिशा में ठोस कदम उठाएं, तो भारत न केवल कुपोषण को समाप्त करने में सफल होगा, बल्कि एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरकर दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग-ध्यान भावनाओं को रोकें नहीं, साधें

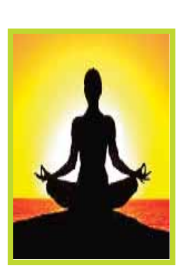

संकलित
दर्शन

जब भी आप क्रोध जैसी किसी भी नकारात्मक भावना को रोकने का प्रयास करते हैं, तो वह और भी ज्यादा तेज हो जाती है। आप जो चीज नहीं चाहते हैं, उसे यदि आप रोकने की कोशिश करते हैं, तो ऐसा ही होता है। वस्तुतः मानव मन की यही प्रकृति है। मन को अपने अनुरूप साधने की प्रणाली योग है। योग की प्रणाली अनुभव के स्तर पर अपने शरीर और मन की प्रकृति का अनुसंधान करती है। जब आप सुबह उठकर आसन करते हैं, तो आप उसे मात्र व्यायाम न समझें। वास्तव में योग यह सुनिश्चित करता है कि आप जीवन से कितनी सहजता से गुजरते हैं, आप अपने शरीर और अपने मन को कितनी गहराई से समझते हैं। यदि आप गाड़ी चलाकर कहीं जा रहे हैं तो यात्रा मंगलमय होने के लिए, दो बातें जरूरी हैं। एक तो गाड़ी का अच्छा होनी चाहिए और दूसरी आपको गाड़ी की समझ हो। आपके शरीर और मन के बारे में योग यही तो सुनिश्चित करता है। यह बड़ी व्यावहारिक बात है, यह कोई आत्मज्ञान नहीं है। अगर आप एक अज्ञानी जीवन भी जीना चाहते हैं, तब भी योग जरूरी है। जब आप आसन करते हैं तो आप अपने शरीर और मन की प्रकृति को खोजते हैं। अगर आप अपनी अंगुलियों को एक खास तरह से चलाते हैं, तो आपका मन उसके मुताबिक काम करता है। आप अपने शरीर से जो कुछ भी करते हैं, उससे आपके मन के साथ भी कुछ होता है। किताब पढ़ने से यह समझ प्राप्त नहीं होगी।

पांच मिनट का जीवन

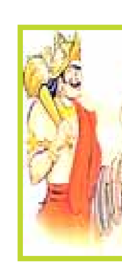

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक व्यक्ति को रास्ते में यमराज मिल गये वो व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं सका। यमराज ने पीने के लिए व्यक्ति से पानी माँगा, बिना एक क्षण गंवाए उसने पानी पिला दिया। पानी पीने के बाद यमराज ने बताया कि वो उसके प्राण लेने आये हैं लेकिन चूँकि तुमने मेरी प्यास बुझाई है इसलिए मैं तुम्हें अपनी किस्मत बदलने का एक मौका देता हूँ। यह कहकर यमराज ने एक डायरी देकर उस आदमी से कहा कि तुम्हारे पास 5 मिनट का समय है। इसमें तुम जो भी लिखोगे वही हो जाएगा लेकिन ध्यान रहे केवल 5 मिनट। उस व्यक्ति ने डायरी खोलकर देखा तो उसने देखा कि पहले पेज पर लिखा था कि उसके पड़ोसी की लॉटरी निकलने वाली है और वह करोड़पति बनने वाला है। उसने वहाँ लिख दिया कि उसके पड़ोसी की लॉटरी न निकले। अगले पेज पर लिखा था कि उसका एक दोस्त चुनाव जीतकर मंत्री बनने वाला है, तो उसने लिख दिया कि उसका दोस्त चुनाव हार जाए। इस तरह, वह पेज पलटता रहा और अंत में उसे अपना पेज दिखाई दिया। जैसे ही उसने कुछ लिखने के लिए अपना पेन उठाया यमराज ने उस व्यक्ति के हाथ से डायरी ले ली और कहा वत्स तुम्हारा पांच मिनट का समय पूरा हुआ, अब कुछ नहीं हो सकता। तुमने अपने पूरे 5 मिनट का समय दूसरों का बुरा करने में व्यतीत कर दिया और अपना जीवन खतरे में डाल दिया, अंततः तुम्हारा अंत निश्चित है। यह सुनकर वह व्यक्ति बहुत पछताया लेकिन सुनहरा मौका उसके हाथ से निकल चुका था।

सटाका

आज की पाती

हर पेड़ की अहमियत समझें

हाल ही में मौसम विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया है कि इस बार गर्मियों का मौसम कुछ ज्यादा ही सताएगा और लू भी परेशानियों को बढ़ाएगी। अब तो समुद्र तट किनारे स्थित मुंबई और ठंडा क्षेत्र के नाम से मशहूर शिमला और हिमाचल के अन्य क्षेत्र भी गर्मी की चपेट में आ रहे हैं, जबकि कहते हैं कि यहां गर्मियों में भी उतनी गर्मी नहीं होती है कि यह आफत बने, लेकिन आखिर क्या कारण है कि यहां भी गर्मी आफत बन रही है? गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। देश के उन राज्यों में भी गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ने की संभावना है जहां कभी किसी ने सोचा भी नहीं होगा। सवाल तो यह है कि अगर इसी तरह पेड़ घटते रहे और गर्मी बढ़ती रही तो क्या आने वाले समय में एसी भी हमारी गर्मी से बचाने में मदद कर पाएंगे? - **सांकेत यदु**, धमतरी

ट्रेंड

महात्मा फुले को नमन

मानवता के सच्चे सेवक महात्मा फुले को उनकी जयंती पर सादर नमन। उन्होंने समाज के शोषित और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। देश के लिए उनका अमूल्य योगदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

महिला समृद्धि योजना

महिला समृद्धि योजना एक तात्कालिक नहीं, बल्कि चरणबद्ध तरीके से लागू की जाने वाली सतत योजना है। इसका उद्देश्य हर पात्र महिला को नियमित मासिक सहायता देना है। मेरा संकल्प है कि कोई भी पात्र महिला योजना से वंचित न रहे।
-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

शिक्षा माफिया की जकड़

दिल्ली के लोग फिर से पूरी तरह शिक्षा माफिया की जकड़ में है। शिक्षा माफिया की इतनी हिम्मत कैसे हो गई कि हमारे बच्चों के साथ बदसलूकी करें? क्योंकि नेता और मंत्री इनकी जेब में हैं, जैसे हमारी सरकार के पहले होते थे।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

दृढ़ संकल्प

जब आप अपने दिल में जुनून और दिमाग में दृढ़ संकल्प के साथ जीवन को खेलते हैं, तो शरीर एक सही स्विंग देगा। जुआन पोस्टिगो आर्से हम सभी के लिए एक प्रेरणा हैं।
-सचिन तेंदुलकर, क्रिकेटर

करंट अफेयर

युवराज हैरी यूक्रेन में युद्ध पीड़ितों से मिले

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय के छोटे बेटे युवराज हैरी अचानक यूक्रेन पहुंचे और वहां उन्होंने रूस के साथ जारी युद्ध के पीड़ितों से मुलाकात की। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। हैरी ने बृहस्पतिवार को लवीव में ऑर्थोपेडिक क्लीनिक 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' का दौरा किया जहां घायल सैन्य कर्मियों और नागरिकों का इलाज किया जाता है। युवराज हैरी की यात्रा का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध के बीच लोगों की शीर्ष-स्तरीय सेवाएं मिलें। इस केंद्र में कृत्रिम अंग, पुनर्निर्माण सर्जरी और मनोवैज्ञानिक सहायता निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। युवराज हैरी की पश्चिमी यूक्रेन की यात्रा के संबंध में जानकारी तब दी गई जब वह वहां से रवाना हो गए। ब्रिटिश सेना में 10 साल सेवाएं देने वाले हैरी ने घायल सैनिकों की मदद को अपना प्रमुख कार्यक्षेत्र बनाया है। उन्होंने 2014 में 'इनविक्टस गेम्स' की स्थापना की ताकि घायल सैनिकों को पैरालिंपिक जैसे खेल आयोजनों में प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिल सके। प्रवक्ता ने कहा कि 'इनविक्टस' सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा ही नहीं, बल्कि इससे कहीं बढ़कर है। यह चोट के बाद के जीवन के बारे में हैं, यही वजह है कि हैरी लवीव जैसे पुनर्वास केंद्रों में जाते हैं।

ऑफ बीट

क्या घुड़दौड़ के घोड़े जानते हैं कि वे जीतने के लिए दौड़ रहे

दशकों के अनुभव और घोड़ों के व्यवहार के बारे में हम जो कुछ भी जानते हैं, उसके आधार पर, मुझे लगता है कि सबसे प्रशंसनीय उत्तर 'नहीं' है। घोड़े के दृष्टिकोण से, दौड़ जीतने के लिए कुछ आंतरिक पुरस्कार होते हैं। अंत तक पहुंचने का मतलब हो सकता है कि तेज़ गति से सरपट दौड़ते रहने के दबाव और जॉकी के चाबुक से राहत मिले, लेकिन फिनिशिंग पोस्ट पार करने के बाद सभी घोड़ों के लिए भी यही सच है। यदि दौड़ करीब है, तो अंततः जीतने वाले घोड़े को मैदान में पीछे के घोड़ों की तुलना में तेज दौड़ाने के लिए अंतिम चरण में अधिक बार कोड़े मारे जा सकते हैं। इसलिए जबकि विजेता पद पर सबसे पहले पहुंचना घोड़े के सवार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है, घोड़े के लिए बहुत कम प्रत्यक्ष, आंतरिक लाभ है जो उसे इस परिणाम को प्राप्त करने के लिए स्वेच्छा से तेजी से सरपट दौड़ने के लिए प्रेरित करता है। तो क्या घोड़े को भी पता है कि वह दौड़ में है? फिर, उत्तर संभवतः 'नहीं' है। दौड़ना (कैंटरिंग या सरपट दौड़ना) घोड़ों का सर्वोत्कृष्ट व्यवहार है और अवसर मिलने पर घोड़े स्वेच्छा से समूहों में एक साथ दौड़ते हैं - यहां तक कि बिना जॉकी के दौड़ में भी।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

एनआईए के लॉकअप में जमीन पर गुजारी पहली रात, 14 गुणा 14 फीट के कमरे में ही बाथरूम, सीसीटीवी से रखी जा रही कड़ी निगरानी, एनआईए टीम कर रही पूछताछ

हाई सिक्युरिटी सेल में कैद तहव्वुर राणा

12 नामित अधिकारियों को ही जाने की इजाजत

राणा को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में एनआईए हेडक्वार्टर के ग्राउंड फ्लोर पर बने लॉकअप में रखा गया है। सेल के अंदर ही राणा को सारी जरूरी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। शुक्रवार से एनआईए की टीम राणा से पूछताछ करने में जुट गई है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा फिलहाल एनआईए की गिरफ्त में है। पटियाला कोर्ट ने राणा को नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की 18 दिन की हिरासत में भेज दिया है। भारत आने के बाद तहव्वुर राणा की पहली रात एनआईए के लॉकअप में गुजरी। जानकारी के मुताबिक, राणा को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में एनआईए हेडक्वार्टर के ग्राउंड फ्लोर पर बने लॉकअप में रखा गया है। इस सेल का साइज लगभग 14/14 फुट का है। सीसीटीवी कैमरे से लैस सेल के अंदर जमीन पर एक बिस्तर लगा है। बाथरूम भी सेल के अंदर ही है। बता दें कि सेल के अंदर केवल 12 नामित एनआईए अधिकारियों को ही इजाजत है। सेल के अंदर ही राणा को सारी जरूरी सुविधाएं प्रदान की जाएगी। शुक्रवार से एनआईए की टीम राणा से पूछताछ करने में जुट गई है। एनआईए अधिकारियों द्वारा की जाने वाली पूछताछ की रिकॉर्डिंग की जा रही है। पूछताछ के दौरान राणा को बीच-बीच में ब्रेक भी दिया। बता दें कि पूछताछ के लिए आठ एजेंसियों ने एनआईए से सिफारिश की है।

■ एनआईए अधिकारी पूछताछ की रिकॉर्डिंग कर रहे

अमेरिकी न्याय विभाग का बड़ा खुलासा

आतंकियों को 'निशान-ए-हैदर' दिलाना चाहता था राणा

तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के एक दिन बाद अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने कहा कि कि मुंबई आतंकवादी हमले के बाद राणा ने कथित तौर पर अपने सह-साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली से कहा था कि हमले के दौरान मारे गए नौ लश्कर आतंकवादियों को 'निशान-ए-हैदर' दिया जाना चाहिए। बता दें, 'निशान-ए-हैदर' युद्ध में वीरता के लिए पाकिस्तान का सर्वोच्च पुरस्कार, जो शहीद सैनिकों के लिए है। हमला पूरा होने के बाद राणा ने हेडली से कथित तौर पर कहा था कि भारतीय इसके लायक थे।

एनआईए का लक्ष्य और नाम उगलवाना

मुंबई आतंकी हमले को लेकर जांच एजेंसी के अधिकारी, राणा के साथ विस्तार से बातचीत करेंगे। बातचीत के जरिए अधिकारी आतंकी हमले से जुड़े सबूतों को जुटाएंगे। बता दें कि शुरुआत के कुछ दिनों तक राणा से पूछताछ की जाएगी। इसके बाद उसे देश के कई शहरों में ले जाया जाएगा। आतंकी हमले से पहले राणा ने इन जगहों की रेकी की थी। एनआईए का सबसे बड़ा लक्ष्य है राणा की जुबान से मुंबई आतंकी हमले का सबसे बड़ा मास्टरमाइंड हाफिज सईद और उसके गुर्गों का नाम उगलवाना।

हेडली और राणा की कई बार हुई मुलाकात

डीओजे ने कहा है कि दो साल से अधिक समय के दौरान, हेडली ने कथित तौर पर शिकागो में राणा से बार-बार मुलाकात की और लश्कर की ओर से अपनी निगरानी गतिविधियों, हेडली की गतिविधियों पर लश्कर की प्रतिक्रियाओं और मुंबई पर हमला करने की लश्कर की संभावित योजनाओं के बारे में बताया। डीओजी ने राणा के प्रत्यर्पण को 'छह अमेरिकियों और अन्य दर्जनों पीड़ितों के लिए न्याय पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम' बताया, जो लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों द्वारा मारे गए थे।

राणा के खिलाफ केस लड़ेंगे कृष्णन

तहव्वुर राणा के खिलाफ एनआईए की ओर से वकील दयान कृष्णन केस लड़ेंगे। हालांकि इस केस से वे पहले से जुड़े हुए हैं। कृष्णन 2010 में शिकागो में डेविड हेडली से पूछताछ करने वाली एनआईए टीम का हिस्सा भी रह चुके हैं। इसके बाद उन्हें 2014 में उन्हें हेडली और राणा दोनों के प्रत्यर्पण मामलों के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था। राणा को भारत लाने में भी उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई है। राणा ने अमेरिका में प्रत्यर्पण से बचने के लिए 'डबल जेपर्डी' का तर्क दिया था लेकिन कृष्णन ने अपने तर्कों से साबित कर दिया था कि भारत के राणा के खिलाफ आरोप अलग प्रकृति के हैं... इसी वजह से अमेरिकी कोर्ट ने उसकी सारी याचिकाएं खारिज की थीं। वकील कृष्णन भारत के पहले राष्ट्रीय विधि विद्यालय शनल लॉ स्कूल बेंगलुरु से 1993 में ग्रेजुएट हुए हैं। वे पहले बैच का हिस्सा थे। 1999 में अपनी स्वतंत्र वकालत की प्रैक्टिस शुरू की थी। वे भारतीय कानूनी प्रणाली में एक प्रमुख शख्स हैं। कृष्णन को 2014 में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया था। उन्हें प्रत्यर्पण कानून का विशेषज्ञ माना जाता है। उन्होंने 1999 में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा आयोग में भी योगदान दिया हैं। कृष्णन ने 2001 के संसद हमले का मुकदमा, कावेरी जल विवाद, दूरसंचार घोटाला, नितीश कटारा हत्याकांड, उपहार अग्निकांड जैसे कई हाई-प्रोफाइल मामलों में वे सरकार की तरफ से केस लड़े हैं। दयान कृष्णन ने निर्भया केस भी लड़ा था...वो भी फ्री में।

खबर संक्षेप

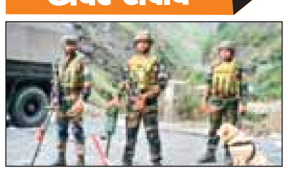

जम्मू-कश्मीर में सेना ने एनएच-44 पर बढ़ाई सुरक्षा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को रोकने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सेना ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच-44) पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। यह राजमार्ग केंद्र शासित प्रदेश के कई हिस्सों को जोड़ता है। तंकवादियों द्वारा हथियारों और सामान की तस्करी के लिए इसका इस्तेमाल करने की कोशिशों को नाकाम करने के उद्देश्य से सेना ने कई बड़े कदम उठाए हैं।

बांग्लादेश में सेना के 5 अधिकारी हाउस अरेस्ट

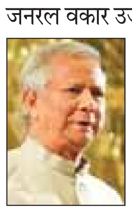

ढाका। बांग्लादेश आर्मी चीफ जनरल वकार उज जमान 6 अप्रैल से 11 अप्रैल तक रूस के दौरे पर हैं। इस बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद युनूस ने छात्र आंदोलन में कथित भूमिका को लेकर बांग्लादेशी सेना के 5 आला अफसरों को नजरबंद कर दिया गया है। इसमें ब्रिगेडियर जनरल इमरान हामिद, आरएबी से कर्नल अब्दुल्ला अल-मोमेन, ब्रिगेडियर जकारिया हुसैन, बीजीबी के लेफ्टिनेंट कर्नल रिदवानुल इस्लाम और ईस्ट बंगाल रेजिमेंट से मेजर नोमान अल फारुक शामिल हैं।

कार्नेगी ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट में बोले विदेश मंत्री एस. जयशंकर

अमेरिका के सख्त रुख के बीच 'भारत' तत्काल व्यापार वार्ता के लिए हुआ तैयार

अमेरिका ने दुनिया के साथ जुड़ने के अपने दृष्टिकोण को बदला

जयशंकर ने कहा कि भारत के व्यापार सौदे बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे, क्योंकि अमेरिका बहुत महत्वाकांक्षी है और वैश्विक परिदृश्य एक साल पहले की तुलना में बहुत अलग है। हमारे व्यापार सौदे वास्तव में चुनौतीपूर्ण हैं और जब व्यापार सौदों की बात आती है, तो हमें एक-दूसरे के साथ बहुत कुछ करना होता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के लिए अधिक तत्परता से तैयार है। कार्नेगी ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट में अपने मुख्य भाषण में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत के व्यापार सौदे बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे, क्योंकि अमेरिका बहुत महत्वाकांक्षी है और वैश्विक परिदृश्य एक साल पहले की तुलना में बहुत अलग है।

उन्होंने कहा कि इस बार, हम निश्चित रूप से तत्काल व्यापार वार्ता के लिए तैयार हैं। हमें एक अवसर दिखाई दे रहा है। हमारे व्यापार सौदे वास्तव में चुनौतीपूर्ण हैं और जब व्यापार सौदों की बात आती है, तो हमें एक-दूसरे के साथ बहुत कुछ करना होता है। मेरा मतलब है कि ये लोग अपने खेल में बहुत आगे हैं, जो हासिल करना चाहते हैं, उसके बारे में बहुत महत्वाकांक्षी हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह अमेरिका का भारत के प्रति दृष्टिकोण है, उसी तरह भारत का भी उनके प्रति दृष्टिकोण है। हमने पहले ट्रंप प्रशासन में चार साल तक बातचीत की। उनका हमारे प्रति अपना दृष्टिकोण है और स्पष्ट रूप से हमारा उनके प्रति अपना दृष्टिकोण है।

वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में यूरोप भी तनावपूर्ण स्थिति में

भारत सेमीकंडक्टर को प्राथमिकता दे रहा

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत भी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रगति कर रहा है और कई दशकों के बाद सेमीकंडक्टर को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने ग्लोबल टेक्नोलॉजी समिट में विशेषज्ञों से इस मुद्दे पर चर्चा करने और देश के तकनीकी पक्ष को सकारात्मक रूप से देखने का आग्रह किया।

कई देशों ने तकनीकी प्रगति से प्रभाव बनाया

जयशंकर ने कहा कि पांच साल पहले, मुझे लगता है कि यूरोप में शायद सबसे अच्छी भू-राजनीतिक स्थिति थी। इसने संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बीच आदर्श त्रिकोण का निर्माण किया था। आज, उसका हर पक्ष तनाव में है। जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान ने भी तकनीकी प्रगति के माध्यम से भू-राजनीतिक प्रभाव बनाने की कोशिश की है।

अमेरिका सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

जयशंकर ने कहा कि अमेरिका ने दुनिया के साथ जुड़ने के अपने दृष्टिकोण को मौलिक रूप से बदल दिया है और इसका परिणाम हर क्षेत्र में है, लेकिन मेरा मानना है कि तकनीकी परिणाम विशेष रूप से गहरे होंगे। यह न केवल इसलिए गहरा होगा क्योंकि अमेरिका सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, वैश्विक तकनीकी प्रगति का मुख्य चालक है, बल्कि इसलिए भी कि यह बहुत स्पष्ट है कि अमेरिका को फिर से महान बनाने में तकनीक की बड़ी भूमिका है। इसलिए एमएजीए और तकनीक के बीच एक संबंध है, जो शायद 2016 और 2020 के बीच इतना स्पष्ट नहीं था।

चीन के निर्णय अमेरिका की तरह

उन्होंने पिछले एक साल में चीन के बढ़ते भू-राजनीतिक प्रभाव के साथ हो रहे वैश्विक शक्ति परिवर्तन पर भी प्रकाश डाला। केंद्रीय मंत्री जयशंकर ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार की गतिशीलता व्यापार के साथ-साथ टेक्नोलॉजी से भी प्रभावित होती है और चीन के निर्णय अमेरिका की तरह ही महत्वपूर्ण हैं। वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में बदलावों पर प्रकाश डालते हुए, विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि यूरोप भी खुद को तनावपूर्ण स्थिति में पाता है।

ऑस्ट्रिया और भारत के बीच व्यापार साझेदारी

ई-मोबिलिटी, चिप्स और फिनटेक सेक्टर में निवेश पर करेंगे सहयोग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि ऑस्ट्रिया और भारत के बीच निवेश और व्यापार साझेदारी के कई अवसर हैं, जिसमें ई-मोबिलिटी, सेमीकंडक्टर और फिनटेक शामिल हैं। वित्त मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, वियना में ऑस्ट्रिया के संघीय वित्त मंत्री मार्कस मार्टरबाउर के साथ अपनी बैठक के दौरान, वित्त मंत्री सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रमुख सुधारों और नीति उपायों के प्रमुख पहलुओं को साझा किया। वित्त मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच नेशनल इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) के माध्यम से ई-मोबिलिटी और सेमीकंडक्टर के क्षेत्रों में दोनों पक्षों की स्टार्टअप कंपनियों के बीच, विशेष रूप से फिनटेक के क्षेत्र में निवेश और व्यापार सहयोग के कई अवसर मौजूद हैं।

द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने पर सहमत

वित्त मंत्री ने पिछले साल पीएम नरेंद्र मोदी की यात्रा को याद करते हुए कहा कि यह भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी में, खासकर आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने में एक मील का पत्थर था। उन्होंने ऑस्ट्रियाई अर्थव्यवस्था मंत्री और वित्त मंत्री के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान वित्तीय, आर्थिक, व्यापार और निवेश क्षेत्रों में भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देश पारस्परिक लाभ के लिए अपनी पूरक क्षमताओं का लाभ उठाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रिया की क्षमताओं और जुड़ाव की संभावनाओं के आधार पर हमने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को भी चिह्नित किया है।

ब्रिटेन के साथ एफटीए पर चर्चा की

इससे पहले, अपनी लंदन यात्रा के दौरान, वित्त मंत्री सीतारमण ने ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर से मुलाकात की और व्यापार एवं निवेश और दोनों देशों के बीच आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता की प्रगति पर भी चर्चा की। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) के लिए बातचीत जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने निवेश का दिया न्योता

कहा- भारत, विश्व पटल पर 'लीडर' के रूप में उभर रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों अपने स्लोवाकिया दौरे पर हैं। जहां गुरुवार को उन्होंने ब्रातिस्लावा में स्लोवाकिया-भारत व्यापार मंच को भी संबोधित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम का जिक्र किया। साथ ही स्लोवाकियाई व्यवसायों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित भी किया।

मुर्मू ने कहा कि आज की दुनिया अनिश्चितताओं से भरी हुई है और इसमें भारत प्रगति की एक शानदार मिसाल है। बता दें कि मुर्मू बुधवार को अपनी दो देशों की राजकीय यात्रा के दूसरे चरण में स्लोवाकिया पहुंची। जहां वह स्लोवाक गणराज्य का दौरा करने वाली दूसरी भारतीय राष्ट्रपति बन गईं।

भारत-स्लोवाकिया के व्यापारिक संबंध पर जोर

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत और स्लोवाकिया ने कई क्षेत्रों में मिलकर काम किया है। अब समय आ गया है जब दोनों देशों को अपने व्यापारिक संबंधों को और विविधित करने पर ध्यान देना चाहिए। स्लोवाकिया ऑटोमोटिव भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार, कुशल कार्यबल और मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र से लाभ उठा सकता है। विशेष रूप से ऑटोमोटिव क्षेत्र में दोनों देशों के बीच एक मजबूत संबंध बना है। इसमें टाटा मोटर्स की सहायक कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने 2018 से स्लोवाकिया में महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिसमें नाइट्रा में उनका कारखाना शामिल है।

पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेंगे हम

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि स्लोवाकिया अपनी कार्यबल की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विदेशों से मेहनती और कुशल श्रमिकों की तलाश कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि भारतीय प्रतिभा स्लोवाकिया की आर्थिक प्रगति में मददगार हो सकती है। भारत का लक्ष्य आने वाले वर्षों में पांच ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है और भारत इस लक्ष्य को स्लोवाकिया जैसे मित्र देशों के साथ साझेदारी में पूरा करने की उम्मीद करता है।

भारत और इटली के बीच हुआ एमओयू

क्वांटम टेक्नोलॉजी, एआई और नई तकनीकों पर मिलकर करेंगे काम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को इटली की यूनिवर्सिटी और रिसर्च मंत्री अन्ना मारिया बर्निनी से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए एक अहम समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इसके तहत दोनों देश मिलकर क्वांटम टेक्नोलॉजी, एआई, बायोटेक्नोलॉजी और नई उभरती तकनीकों पर काम करेंगे। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि यह सहयोग पीएम नरेंद्र मोदी और इटली की पीएम मेलोनी की जी20 बैठक में हुई बातचीत का नतीजा है। इस समझौते के तहत 2025 से 2027 तक 10 साझा शोध परियोजनाएं और 10 नई खोज की पहलें शुरू होंगी।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की सलाह

भारत और ईयू को व्यापार समझौते के लिए दूर करनी होंगी रुकावटें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द पूरा करने के लिए दोनों पक्षों को ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यापारिक अड़चनों को हटाना बेहद जरूरी है ताकि बातचीत तेजी से आगे बढ़ सके। गोयल ने यह बात 'इटली-भारत बिजनेस, साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम' में कही।

सहयोग की भावना से करना होगा काम

गोयल ने कहा कि इसके लिए सभी सदस्य देशों को सहयोग की भावना से काम करना होगा और यह समझना होगा कि कौन-कौन सी रुकावटें इस समझौते को रोक रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत और इटली के बीच निवेश को बढ़ाना जरूरी है और दोनों देशों के कारोबारियों को बिना किसी अड़चन के व्यापार करने का अवसर मिलना चाहिए। पिछले महीने पीएम मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन के बीच दिल्ली में मुलाकात हुई थी।

न्यूयॉर्क शहर में हेलिकॉप्टर क्रैश

छह लोगों की मौत, हडसन नदी में मिले शव और विमान का मलबा

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यहां हडसन नदी में हुए हेलिकॉप्टर दुर्घटना में स्पेन के एक पर्यटक परिवार के छह लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि हेलिकॉप्टर गुरुवार को मैनहट्टन के पास नदी में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। अग्निशमन विभाग ने इस हादसे के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि उसे दोपहर 3:17 बजे पानी में एक हेलिकॉप्टर की सूचना मिली थी। जिसके बाद हम मौके पर पहुंचे। मामले में अधिकारियों ने बताया कि एक हेलिकॉप्टर मैनहट्टन और न्यू जर्सी तट के बीच हडसन नदी में गिर गया, जिससे स्पेन के पर्यटकों के एक परिवार की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल थे। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने बताया कि यह हेलिकॉप्टर दोपहर करीब 3 बजे एक हेलीपोर्ट से उड़ा था और दुर्घटना के बाद मृतकों को नदी से निकाला गया।

मेक इन इंडिया का असर, भारतीय कंपनी बनाएगी एयरबस हेलिकॉप्टर का ढांचा

मार्च 2027 से यूरोप में पहली केबिन असेंबली डिलीवरी शुरू की जाएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एयरबस ने एच130 हेलिकॉप्टर फ्यूजलेज के निर्माण के लिए महिंद्रा एयरोस्ट्रक्चर्स का चयन किया है। 'मेक इन इंडिया' की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया जा रहा है। मार्च 2027 से यूरोप में एयरबस हेलिकॉप्टर्स की सुविधा में असेंबली की डिलीवरी शुरू होगी।

भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्री किन्जरापु राममोहन नायडू, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव वूमलुन्मांग वुलनम, भारत और दक्षिण एशिया में एयरबस के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक रेमी मेलार्ड और महिंद्रा समूह के ग्रुप सीईओ और एमडी डॉ. अनीश शाह की उपस्थिति में इसी सप्ताह अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए हैं। आठ सीटों वाला एच130 एक लोकप्रिय हेलिकॉप्टर है।

इसका उपयोग परिवहन, पर्यटन, चिकित्सा, निगरानी और निजी विमानन गतिविधियों के लिए किया जाता है।

साझेदारी नए रिश्ते का प्रतीक

डॉ. अनीश शाह, ग्रुप सीईओ एवं एमडी, महिंद्रा ग्रुप ने कहा कि हम एयरबस के साथ इस महत्वपूर्ण एयरोस्ट्रक्चर अनुबंध के माध्यम से अपनी दीर्घकालिक साझेदारी को और गहरा करने पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। एयरबस के साथ अपने ट्रैक रिकॉर्ड पर आगे बढ़ना और भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को समर्थन देना गर्व की बात है। रेमी मेलार्ड, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एयरबस (भारत एवं दक्षिण एशिया) ने कहा, हम भारत के लिए एक रणनीतिक योजना के तहत एयरोस्पेस इकोसिस्टम को हर पहलू में विकसित कर रहे हैं, जैसे असेंबली, मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, इनोवेशन, डिजिटल और ट्रेनिंग। एच130 फ्यूजलेज निर्माण अनुबंध भारतीय आपूर्ति श्रृंखला की बढ़ती औद्योगिक उत्कृष्टता में एयरबस के विश्वास को दर्शाता है। महिंद्रा एयरोस्ट्रक्चर्स के साथ यह नई साझेदारी हमारे भारत के साथ मजबूत रिश्ते का प्रतीक है।

एच130 सिंगल इंजन हेलिकॉप्टर

एच130 एक मध्यम आकार का सिंगल-इंजन हेलिकॉप्टर है जिसे यात्री परिवहन, पर्यटन, निजी और व्यावसायिक विमानन, साथ ही मेडिकल एयरलिफ्ट और निगरानी अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एक चौड़ा और बिना किसी अवरोध वाला केबिन होता है, जिसमें पायलट सहित कुल 7 यात्री आराम से बैठ सकते हैं।

असेंबल करने का भी करार

महिंद्रा समूह की सहायक कंपनी महिंद्रा एयरोस्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड को एयरबस हेलिकॉप्टर्स द्वारा अपने एच130 लाइट सिंगल-इंजन हेलिकॉप्टर के मुख्य फ्यूजलेज (ढांचे) के निर्माण और असेंबली के लिए एक प्रतिष्ठित अनुबंध प्रदान किया गया है।

श्रीराम भक्त हनुमान के जन्मोत्सव पर आज विविध आयोजन

शोभायात्रा निकलेगी, धार्मिक अनुष्ठानों एवं भंडारों की धूम

जबलपुर। अंजनी पुत्र महाबली पवनसुत हनुमान का जन्मोत्सव शनिवार 12 अप्रैल को शहर में पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर नगर के हनुमान मंदिरों में विविध धार्मिक अनुष्ठान, भंडारे के अलावा जागरण के आयोजन भी किए गए। हनुमान जन्मोत्सव पर अत्याधिक भक्ति भाव से लोग पूजन-पाठ, हवन, कीर्तन करने हनुमान मंदिर पहुंचेगे। नगर के अति प्राचीन और स्वयं सिद्धपीठ मां नर्मदा के पावन तट के किनारे स्थित श्री रामलला मंदिर में सवा लाख नारियलों का हवन किया जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव पर होने वाले आयोजनों की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। हनुमान भक्त देर रात तक मंदिरों की साफ-सफाई, धुलाई और साज-सज्जा में व्यस्त रहे। शुक्रवार की शाम से ही हनुमान मंदिरों में अखण्ड रामायण पाठ के आयोजन प्रारंभ हो गए थे। बहुत से मंदिरों से धर्म जागरण रैलियां भी हनुमान जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर निकाली गई। इस बार हनुमान जन्मोत्सव शनिवार को पड़ने से हनुमान जन्मोत्सव का महत्व दुगुना हो गया।

सवा लाख नारियलों का हवन होगा

श्री रामलला मंदिर गौरीघाट में हनुमान जन्मोत्सव पर विविध धार्मिक आयोजनों के साथ धूमधाम से मनाई जाएगी। यहां वर्ष में एक बार गर्भ गृह से श्री हनुमान लला को आम जनता के दर्शनार्थ बाहर निकाला जाएगा वहीं अर्जी के रुप में मनोकामना पूर्ण करने प्रतिस्थापित किये जाने वाले नारियलों का हवन होगा। मंदिर में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला प्रारंभ होगा, अखंड रामायण पाठ प्रारंभ हो चुका है। सवा लाख नारियलों का हवन किया जाएगा साथ ही अभिषेक-पूजन और भंडारे का आयोजन भी होगा।

शोभायात्रा आज

हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर आज 12 अप्रैल शनिवार को गोविंदगंज रामलीला प्रांगण स्थित अति प्राचीन कटरा महावीर मंदिर से सुबह 9 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो मिलौनीगंज, सराफा, निवाड़गंज, दीक्षितपुरा होते हुये छोटे फुहारा पहुंचेगी। शोभायात्रा में राम दरबार, बाल स्वरूप हनुमान, दुर्गाजी आदि की झांकियां होगी। शोभायात्रा के उपरांत पूजन पाठ, भंडारा व शाम 5 बजे से भजन संगीत का कार्यक्रम आयोजित है।

भक्ति ज्ञान-गंगा कार्यक्रम

रानीताल चौक स्थित श्री संकटमोचन सिद्धपीठ में शाम 6 बजे से विशिष्ठ भक्ति ज्ञानगंगा का आयोजन किया गया है। इसके साथ हनुमान जी का रुद्राभिषेक, हवन, पूजन, हनुमान चालीसा का पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया है।

बड़े महावीर मंदिर में महाआरती

बड़े फुहारे के निकट अति प्राचीन बड़े महावीर मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हवन-पूजन का कार्यक्रम होगा और सांयकाल महाबली बड़े महावीर की महाआरती की जाएगी। यहां दिन भर प्रसाद का वितरण होगा और अगले दिन और रात्रि में भंडारे के साथ ही सांस्कृतिक आयोजन भी होंगे।

हाईकोर्ट हनुमान मंदिर में 51 किलो का भोग

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय परिसर स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में सुबह 8 बजे से सामूहिक सुंदर कांड, हनुमान चालीसा होगा। 9.30 बजे हवन के उपरांत 51 किलो लड्डुओं का भोग अर्पित किया जाएगा। सुबह 10 बजे विशाल आरती और प्रसाद वितरण होगा।

राम मंदिर मदन महल में श्री हनुमत जन्मोत्सव

श्री राम मंदिर मदनमहल में संकट मोचन श्री रामभक्त वीर हनुमान जी का जन्मोत्सव 12 अप्रैल दिन शनिवार को धूमधाम से मनाया जायेगा। इसी क्रम में प्रातः- 10 बजे श्री सुन्दरकांड का पाठ,11:30- बजे भजन कीर्तन, 12 बजे श्री हनुमान जी की आरती,12:30 बजे से भजनो की प्रस्तुति, तत्पश्चात प्रभु का प्रसाद (भंडारा) होगा।

सिद्धपीठ आगासौद में आयोजन

निकटवर्ती श्री सिद्धपीठ हनुमान मंदिर परिसर आगासौद पाटन मार्ग जबलपुर में हनुमान जन्मोत्सव पर 11 अप्रैल को अखण्ड मानसपाठ का आयोजन एवं 12 अप्रैल को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सुबह 11 बजे हवन, पूजन, महाआरती, कन्या भोज एवं विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है इसके बाद क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा भजन कीर्तन, हनुमान चालीसा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति आयोजित है। मंदिर के पुजारी व्यवस्थापक प्रकाश सिंह ने उपस्थिति की अपील की है।

चिंतामणी हनुमान मंदिर में भजन संध्या

पाटन रोड स्थित सिग्नेचर पार्क में स्थापित चिंतामणी हनुमान मंदिर में 12 अप्रेल को हनुमान जी के जन्मोत्सव पर विभिन्न आयोजन होंगे। प्रातः मंगल अभिषेक, आरती पूजन के बाद सुबह 10 बजे से भंडारा होगा। वहीं शाम 7 बजे महाआरती होगी। इसके बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया है। बता दें की 12 फीट ऊंचे हनुमान जी की प्रतिमा का निर्माण काले ग्रेनाइट पत्थर से किया गया है।

श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर

संभागीय कुशवाहा समाज के पूर्व अध्यक्ष खेमचंद पटेल ने बताया कि शनिवार 12 अप्रैल को भगवान संकट मोचन पंचमुखी हनुमान मंदिर ग्वारीघाट में प्रातः 9 बजे से श्री पंचमुखी हनुमान जी का अभिषेक, श्रंगार पूजन-अर्चन के पश्चात हवन आरती उपरांत प्रसाद वितरण एवं भंडारा का आयोजन किया जायेगा।

भेड़ाघाट में हनुमान जन्मोत्सव पर धार्मिक आयोजन आज

जबलपुर। भेड़ाघाट नगर परिषद में स्थापित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर नगर निगम/नगर पालिका कर्मचारी संघ भेड़ाघाट द्वारा आज हनुमान जी का जलाभिषेक एवं पूजन पाठ, बटुक ब्राह्मणों द्वारा सुंदरकांड का वाचन किया जाएगा। कार्यालय परिसर से धर्मध्वजा शोभायात्रा खेरमाई मंदिर भेड़ाघाट से भैरव मंदिर भेड़ाघाट तक निकाली जाएगी। साथ ही विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है।

इंटरामुरल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में वीर शिवाजी हाउस बना विजेता

जबलपुर। शारीरिक शिक्षा विभाग रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय बास्केटबॉल कोर्ट में आयोजित इंटरामुरल बास्केटबॉल के अंतर्गत 3×3 प्रतियोगिता के फाइनल मैच में कुलदीप सिंह बरार जो की जबलपुर साईं के डायरेक्टर हैं और इंडियन वूमेंस टीम के कोच रह चुके हैं एवं प्रोफेसर विशाल बन्ने संचालक के मुख्य अतिथि में खेला गया। इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में विजेता वीर शिवाजी और उपविजेता आजाद अवेंजर एवं तृतीय स्थान शिवराम रेंजर्स हाउस ने प्राप्त किया। फाइनल के अंत में समस्त विजेताओं को ट्रॉफी, व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन हेमंत शर्मा और दिव्या छाबड़ा ने किया। कार्यक्रम के दौरान सुदर्शन सिंह ठाकुर, डॉ. प्रसनजीत चटर्जी, डॉ. कन्हैया कुमार राठौर, प्रवीण पांडे, प्राची यादव आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महानगर अध्यक्ष संजय सिंह यादव के नेतृत्व एवं जबलपुर कैंट क्षेत्र के विधायक अशोक रोहाणी के मुख्य आतिथ्य में अंबेडकर पार्क मोदीबाड़ा सदर स्थित ज्योतिबा फुले मूर्ति पर माल्यार्पण कर महात्मा जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने विधायक अशोक रोहाणी एवं सैनी समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ सफाई कर्मियों का शाल, श्रीफल से सम्मान कर मिष्ठान वितरण किया। कार्यक्रम में सैनी समाज के अध्यक्ष चंद्रभान सैनी, नगर उपाध्यक्ष श्रीराम पटेल, पंकज सोनी, जय यादव, राहुल यादव, विनय चौकसे, हर्षित ताम्रकार, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष राव, सौरभ गोयल, पवन यादव, संजय ठाकुर, सुंदर अग्रवाल, संजय वर्मा, अभिषेक रजक, गोपाल सैनी, विकास बावरिया, चमन पासी, प्रवीण सैनी, सुरेंद्र सैनी, विनोद सैनी आदि की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संयोजन सुनील सैनी एवं संचालन जितेंद्र साहू ने किया।

तहसीली चौक स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर बनाई जाएं व्यवस्थाएं

जबलपुर। अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा के द्वारा महापौर जगत बहादुर सिंह (अन्नू), निगमाध्यक्ष रिंकुज विज (रिंकू), निगमायुक्त प्रीति यादव को ज्ञापन सौंपते हुये बताया गया कि तहसीली चौक स्थित अंबेडकर प्रतिमा में विगत कई वर्षों से रंग रोगन एवं पुताई का कार्य नहीं किया गया है, जिसके कारण अंबेडकर जी की प्रतिमा पर काफी धूल जमने के कारण वह खराब हो रही है। साथ ही अजाक्स संघ के अध्यक्ष द्वारा यह भी बताया गया कि प्रतिमा के समीप जाने हेतु एक तरफ सीढ़ी का प्रबंध किया गया है जिससे प्रतिमा के समीप आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है और आगामी दिनों में भीमराव अंबेडकर का 14 अप्रैल 2025 को 134 जन्मदिवस कार्यक्रम तहसीली चौक में आयोजित कराया जाना है। संघ द्वारा मांग की गई कि 14 अप्रैल 2025 के पूर्व तहसीली चौक में स्थित अंबेडकर जी की प्रतिमा पर सुनहरा रंग एवं प्रतिमा के समीप आने-जाने हेतु दोनों तरफ से सीढ़ी की व्यवस्था करायी जावे। संघ की मांग को स्वीकारते हुये आयुक्त द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये उद्यान विभाग को आदेशित किया गया कि 14 अप्रैल 2025 से पूर्व तहसीली चौक स्थित अंबेडकर जी की प्रतिमा पर सुनहरा रंग एवं प्रतिमा के समीप सीढ़ी की व्यवस्था करायी जाए। महापौर जगत बहादुर सिंह (अन्नू), निगमाध्यक्ष रिंकुज विज (रिंकू), निगमायुक्त प्रीति यादव को ज्ञापन प्रेषित करने हेतु अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा, जगदीश नन्हेट, अचैया कोरी, राजेन्द्र पटेल, मन्नूलाल पटेल, गुलशन जबलपुरी, रामाराव मगरदे, कालूराम सोलंकी, समीम भईजान, श्रीनिवासलू, सामियल, दयाराम धुर्वे, कोयरी नायडू, रामू, जे. प्रवीण, महेन्द्र मलिक, सोनू श्रीवास, राममूर्ति, राहुल कोरी, सुनील सिगोटिया सहित अधिक संख्या में संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

विश्वदीप बौद्ध विहार में धम्मदेशना कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। विश्वदीप बौद्ध विहार रामपुर छापर के तत्वावधान में 10 अप्रेल को पपू अय्याजी साक्य धम्मदिन्ना ने विश्वदीप बौद्ध विहार में धम्मदेशना की। उन्होंने विश्व गुरु तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर मोमबत्ती एवं अगरबत्ती तथा पुष्प अर्पित कर तथागत गौतम बुद्ध की वंदना की। अय्याजी धम्मदिन्ना ने धम्मदेसना में पंचशील के बारे में बताया कि उपासक एवं उपासिकाओं को प्राणी हिंसा, चोरी, अब्रल्चर्य, मिथ्या वचन (झूठ), पक्की, कच्ची शराब आदि मादक पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए और उपासक उपासिकाओं को अष्टशील में श्रद्धावान होना चाहिए। धम्मदेशना के बाद विश्वगुरु तथागत गौतम बुद्ध की खीर एवं फल का प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में संदीप गायकवाड़, सुरेन्द्र इंगले, नीलेश सोमकुंवर, सिद्धार्थ खरे, आनंद कालपांडे, धर्मेन्द्र तांबे, वंदना गायकवाड़, अनिता काम्बले, निधि तंभाने, मीना खापर्डे, कृपा खरे, सुजाता इंगले, वीरेन्द्र बौद्ध सहित समस्त बौद्ध विहार के सदस्य उपस्थित रहे।

मोहम्मद एजाज़ खान को मिली पीएचडी की उपाधि

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा कला संगीत संकाय के अंतर्गत संगीत गायन के क्षेत्र में मोहम्मद एजाज़ खान को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। मोहम्मद एजाज़ खान ने अपना शोध कार्य शासकीय स्वशासी मानकुंवर बाई महिला कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के संगीत विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. प्रो. राजीव जैन के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। मो. एजाज नगर के वरिष्ठ शायर पीर खाँ एवं नूरजहाँ के सुपुत्र एवं अमरीन खान के पति हैं।

मेडिकल स्टेट कैंसर यूनिट जबलपुर को दी जाए : मांग

जबलपुर।

मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में बताया कि स्टेट कैंसर यूनिट जबलपुर मेडिकल कॉलेज में कैंसर मशीनों की आवश्कता है जिसके बिना पूरा परिसर निर्माण बेकार है, आज हम कैंसर इलाज के लिए अरबों रुपए अन्य अस्पतालों को चुकाते हैं आयुष्मान के नाम पर, क्या हम अपने निर्मित भवन पर रेडिएशन मशीनें और सभी ज़रूरी उपकरण लगाकर मेडिकल स्टैंड कैंसर यूनिट शुरू नहीं कर सकते, मुख्यमंत्री जी मशीन की गंभीरता समझकर जल्द उसे लगवाएं, साथ ही प्राइवेट सिक्वायरिटी भी उपलब्ध करवाएं ताकि मशीन सुरक्षित हो और मेंटेनेंस फ्री मशीनें लें ताकि कंपनियों को सुधार व्यय भी न देना पड़े। यह मांग राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में डॉ. अजय वाधवानी (अध्यक्ष), एड. भावना निगम, डॉ. अभिषेक जैन, एड. आशीष त्रिपाठी, डॉ. आनंद बहरानी, डॉ. आशीष डेंगरा, एड. रोशन मंध्यानी, डॉ. प्रशांत जैन, एड. विवेक शुक्ला, एड. आशुतोष चतुर्वेदी, कमरुल इस्लाम ख़ान, मो. इस्माइल शेख़ सहित अन्य ने की है।

शंकरशाह नगर रामपुर की शासकीय कॉलोनी जर्जर हालत में

शासकीय कॉलोनियों के जर्जर आवासों के मरम्मत कार्य अतिशीघ्र पूर्ण किए जाएं

जबलपुर।

लोक निर्माण विभाग की उदासीनता के चलते शंकरशाह नगर रामपुर की शासकीय कॉलोनी जर्जर हालत में पहुंच गयी है जिसकी सुध लेने वाला कोई नहीं या यूं कहें की लगभग 30-35 वर्षों से कॉलोनियों के मरम्मत कार्य नहीं किए गए जिससे कर्मचारी हैरान, परेशान और हलाकान हैं की आखिर मरम्मत कार्य कराने में इतनी उदासीनता क्यों? अभी दिनांक 10/4/2025 को शंकरशाह नगर रामपुर स्थित आवास क्रमांक 299 के बाथरूम की सीलिंग गिरने से उस आवास में रहने वाले बाल-बाल बच गए, यदि सीलिंग उन पर गिरती तो बड़ा हादसा हो सकता था, परंतु यदि मरम्मत कार्य अतिशीघ्र नहीं कराया गया तो कोई भी बड़े हादसे का शिकार हो सकता है, इसकी समस्त जिम्मेवारी लोक निर्माण विभाग की होगी। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, राजकुमार यादव, गुडविन चार्ल्स, रिंकू पीटर, एसबी रजक, फिलिप एंथोनी, राजू फ्रांसिस, उमेश सिंह ठाकुर, एनोस विक्टर, सुनील झारिया, रऊफ खान, राजू डहरिया, राजेश सिंह ठाकुर, दीपेश जैन, मक़सूद अहमद कादरी, आशीष कोरी आदि ने कमिश्नर जबलपुर संभाग जबलपुर से मांग की है की शासकीय कालोनी के आवासों की एकरूपता से मरम्मत कार्य हेतु समस्त जिम्मेवार अधिकारियों को आदेशित कर मरम्मत कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कराए जाएं।

कवि सम्मेलन 13 को

जबलपुर। कलम के सिपाही (कविमित्रों का समूह) द्वारा राष्ट्र निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन 13 अप्रेल को शाम 6.30 बजे से बादशाह हलवाई मंदिर के पास किया गया है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के कवि आमंत्रित हैं। इस अवसर पर देश के ख्यातिलब्ध शायर अविनाश मसरूर एवं हास्य व्यंग्य कवि गोविंद डागौर की उपस्थित रहेगी। कलम के सिपाही के कविमित्र अमर अधव, अक्षय मौर्य, सुनीता साकेत एवं सुधा चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थिति का निवेदन किया है।

नशीले इंजैक्शन लेकर भाग रहा आरोपी का वाहन नाली में गिरा

जबलपुर। नशीले इंजेक्शन की खेप लेकर जा रहा एक युवक पुलिस को देखकर ऐसा भागा कि उसका मोपेड जूपिटर वाहन नाले में घुस गया और आरोपी दौड़ लगाकर भाग गया। पुलिस ने वाहन जब्त कर उसकी डिक्की खोली तो उसमें 22 इंजेक्शन मिले। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। लार्डगंज थाना प्रभारी हरिकिशन आटनेरे ने बताया कि गत रात्रि गश्त के दौरान आगा चौक सुलभ काम्पलेक्स के पास बल्देवबाग चौक की ओर से आगा चौक तरफ आ रही जूपिटर क्रमांक एमपी 20 एस यू 4933 का चालक पुलिस को देखकर स्कूटर को वापस मोड़कर पुनः बल्देवबाग चौक की ओर भागने के लिए मोड़ा, तो अनियंत्रित होकर जूपिटर रोड किनारे बनी नाली में चली गयी। जूपिटर का चालक जूपिटर छोड़कर वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से जूपिटर जब्त की जिसकी तलाशी लेने पर डिक्की में रखे 11 एविल फेनिरामाईन मैलेट इंजैक्शन एवं 11 एम्पुल बुप्रेनोरफिन इंजेक्टशन और जूपिटर वाहन जब्त कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 5/13 म.प्र.ड्रग कन्ट्रोल एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मामला जांच में लिया है। आरोपी फरार है।